

नई दिल्ली

गुरुवार 1 अक्टूबर 2026

अश्विन मास कृष्ण पक्ष-05

वर्ष : 30, अंक : 164

पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

मौसम

अधि. 33

न्यून. 22

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस आज



विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक परामर्श जारी कर देश के सभी नागरिकों को दी चेतावनी

यूक्रेन युद्ध के बीच रूस की सेना में भर्ती होने का जानलेवा खतरा न उठाएं भारतीय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने एक बार फिर से अपने नागरिकों को रूस की सेना में भर्ती होने से बचने होने से बचने की सलाह दी है।

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक परामर्श जारी कर ये स्पष्ट किया है कि विदेशों में रोजगार के लुभावने अवसर देने वाले एजेंटों, गैर-प्रमाणित लोगों के साथ बातचीत में अतिरिक्त सावधानी बरतें। भारत सरकार या मंत्रालय ऐसी किसी भी गतिविधि को संचालित करने के सख्त खिलाफ है और दोनों ही देश के सभी नागरिकों को यह आग्रह करते हैं कि वो ऐसे किसी भी झांसे में न फंसे। क्योंकि इससे आखिरकार संबंधित व्यक्ति के सामने जान पर जोखिम का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। मामले को लेकर मंत्रालय रूस के साथ संपर्क में बना हुआ है, जिससे उनकी सेना में फंसे हुए लोगों की जल्द से जल्द सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित की जा ▶▶शेष पेज 5 पर



लोगों का अपनी इच्छा से जाना खतरनाक

मंत्रालय ने परामर्श में कहा कि हम बीते करीब दो साल से इस मामले पर आम भारतीयों को आगाह करने में लगे हुए हैं। इस दौरान हमारे सामने कई ऐसे मामले भी आए हैं। जिनमें लोग अपनी स्वयं की इच्छा के साथ रूस के सशस्त्र बलों में शामिल होने के मौके या प्रस्तावों की तलाश कर रहे हैं। क्योंकि इनके पीछे भर्ती के बाद मिलने वाला आर्थिक लाभ और उसके बाद किसी प्रकार का खतरा सामने आने पर नई दिल्ली की सरकार से संपर्क कर अपनी रिहाई सुनिश्चित कराने के विकल्प का मौजूद रहना है। वहीं, कुछ मामलों में रूसी सेना में ▶▶शेष पेज 5 पर

रूस की सेना में मारे गए 51 भारतीय

गौरतलब है कि इस युद्ध की 2022 से हुई शुरुआत के बाद से लेकर अब तक रूस की सेना में तैनात रहे भारत के कुल 51 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि दो दर्जन से ज्यादा (24 से अधिक) भारतीय आज भी मास्को की सेना में रूस की तरफ से जंग लड़ रहे हैं। इन सभी की सुरक्षित वतन वापसी और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। यह ▶▶शेष पेज 5 पर

एशियन गेम्स 2026 : एक दिन में चार गोल्ड से भारत का धमाका, तीरंदाजी में हैट्रिक

कंपाउंड आर्चरी में महिला टीम, मिक्स्ड टीम और पुरुष टीम ने जीते स्वर्ण पदक

शूटिंग के ट्रैप मिक्स्ड टीम में नीरू ढांडा-कायनन चेनाई ने एशियन रिकॉर्ड के साथ रचा इतिहास





एजेंसी ▶▶ नागोया

एशियन गेम्स के 11वें दिन बुधवार को भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही दिन में चार स्वर्ण पदक जीत लिए। इनमें तीन गोल्ड कंपाउंड तीरंदाजी और एक निशानेबाजी में आया। इस प्रदर्शन के साथ भारत के कुल ▶▶शेष पेज 5 पर

Ninh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आज राहुल बालाघाट में मृत बच्चों के परिजनों से मिलेंगे

भोपाल। बालाघाट में बैगा आदिवासी बच्चों की मौतों के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी 1 अक्टूबर को जिले के दौरे पर आएंगे। वे बैहर और बिरसा के प्रभावित आदिवासी इलाकों में जाकर मृत बच्चों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 32 बच्चों की मौत हो चुकी है। राहुल गांधी का 13 दिन में मध्यप्रदेश का यह दूसरा दौरा है।



आईसीसी वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल शीर्ष पर

नई दिल्ली। आईसीसी ने बुधवार को ताजा वनडे रैंकिंग जारी की। बल्लेबाजों की रैंकिंग में शुभमन गिल 816 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 पर बरकरार हैं। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम वनडे में 88 गेंदों पर 139 रन की पारी खेलने वाले विराट कोहली एक स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।



सीबीआई की जांच में दहेज प्रताड़ना के आरोप खारिज

जबलपुर। बहुचर्चित मॉडल त्रिशा शर्मा मौत मामले में आरोपी उनकी सास और भोपाल की पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर बुधवार को मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि दहेज की मांग और प्रताड़ना के आरोपों की पुष्टि के लिए जांच में पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले।



सीईसी के खिलाफ लामबंद विपक्ष: इंडिया गठबंधन की बैठक में 20 दल हुए शामिल

खरगे ने कहा- ज्ञानेश को इस्तीफा देना होगा, हम सेव डेमोक्रेसी मार्च निकालेंगे

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा-ये परिवार बचाव मार्च

बैठक में अखिलेश यादव नहीं पहुंचे, उन्होंने अपनी जगह अपने दो सांसदों को भेजा, केजरीवाल और एमके स्टालिन भी मीटिंग में नहीं शामिल हुए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बीते कई दिनों से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर घमासान मचा हुआ है। गर्माती राजनीति के बीच विपक्षी गठबंधन लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त के बहाने सरकार पर हमला कर रहा है। आगे की रणनीति को लेकर बुधवार को इंडिया गठबंधन की बैठक हुई जिसमें 20 सहयोगी दल शामिल हुए। बैठक में तय किया गया कि 2 से 8 अक्टूबर तक 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकाला जाएगा।

यह मार्च सभी जिलों में आयोजित होगा। इसके जरिए लोगों को जागरूक किया जाएगा और जिला अधिकारियों के कार्यालय में ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि ये लोकतंत्र का मामला है इसे बचाने के लिए हम किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार है। ये संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं हो जाता, उन्हे हर हाल में पद छोड़ना ही होगा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यहां तक कह दिया कि ज्ञानेश कुमार को आजीवन इम्युनिटी क्यों दी जा रही है ये देश जानना चाहता है। ▶▶शेष पेज 5 पर



सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी एवं अन्य

कांग्रेस की मांग

वोटर लिस्ट के बदलाव में पारदर्शिता अनिवार्य हो, और बैलट पेपर मतदान कराया जाए

- *6 अक्टूबर को विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक पैदल मार्च निकालेंगे, इसमें कई दलों के सांसद शामिल होंगे*
- *प्रत्येक जिले में 2 से 8 अक्टूबर तक सेव डेमोक्रेसी मार्च निकालकर जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे*
- *1 नवंबर को दिल्ली में बड़ी मेगा रैली निकालेंगे और बताएंगे कि आखिर वोट चोरी कैसे किया जा रहा*

चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 से हटाया एसआईआर वाला हिस्सा

नई वोटर आईडी बनवाने या वोटर लिस्ट में पहली बार नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6 भरा जाता है। पिछले कुछ समय में इस फॉर्म को लेकर इसलिए विवाद हुआ क्योंकि चुनाव आयोग के पोर्टल पर इसके साथ एसआईआर से जुड़ी एक अतिरिक्त घोषणा दिखाई देने लगी थी। अब चुनाव आयोग ने बुधवार देर रात उन राज्यों में पोर्टल पर फॉर्म 6 में जोड़े गए एसआईआर घोषणा पत्र को हटा दिया। आयोग का यह कदम 26 सितंबर को की गई घोषणा के चार दिन बाद आया है।चुनाव आयोग ने 26 सितंबर को स्पष्ट किया था कि गैर-एसआईआर अवधि में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण ▶▶शेष पेज 5 पर

इंडी गठबंधन राहुल गांधी को नेता मानने के लिए तैयार नहीं है और खुद कांग्रेस को ही राहुल गांधी पर भरोसा नहीं: भाजपा

नई दिल्ली(ब्यूरो)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित किया और कहा कि लगातार चुनावी हार के बावजूद कांग्रेस आत्मचिंतन और माफी मांगने के बजाय भ्रम, आरोप और झूठ फैला रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन की बैठक में प्रमुख सहयोगी दलों की अनुपस्थिति ने उसकी एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' को परिवारवाद बचाने का प्रयास बताते हुए कहा कि जनता परिवारवाद की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ▶▶शेष पेज 5 पर

लगातार चुनावी हार के बाद आत्मचिंतन के बजाय कांग्रेस भ्रम, झूठ और मनगढ़ंत आरोपों के सहारे अपनी राजनीतिक जमीन बचाने में जुटी: शिवराज

मोदी कैबिनेट ने दिया किसानों को बड़ा तोहफा

रबी सीजन के लिए छह फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी



- *2.79 लाख करोड़ के पैकेज का ऐलान*
- *कुसुम का समर्थन मूल्य सबसे ज्यादा 675 और गेहूं की एमएसपी में 25 रुपए की वृद्धि*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में करीब 2.79 लाख करोड़ रुपए से जुड़े तीन अहम फैसलों को मंजूरी दी गई। इनमें किसानों के लिए रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी, रिन्यूएबल एनर्जी के लिए ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर और दिल्ली में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम शामिल हैं। आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने मार्केटिंग सीजन 2027-28 के लिए छह प्रमुख रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी है। इसमें सबसे ज्यादा 675 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी कुसुम के एमएसपी में हुई है। वहीं गेहूं का एमएसपी 25 रुपए बढ़ाकर 2,610 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, उत्पादन लागत के मुकाबले अनुमानित मार्जिन गेहूं में 106 प्रतिशत, सरसों में 96 प्रतिशत, मसूर में 92 प्रतिशत, चना में 59 प्रतिशत, जौ में 58 प्रतिशत और कुसुम में 50 प्रतिशत ▶▶शेष पेज 5 पर

किसानों को उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होगा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार देशभर के किसानों के हितों की रक्षा और उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में 2027-28 के मार्केटिंग सीजन के लिए रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इससे देश के करोड़ों किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिलना सुनिश्चित होगा।

इन फसलों को फायदा

फसल	एमएसपी (2027-28)	बढ़ा
गेहूं	2610 रु	25 रु
जौ	2286 रु	136 रु
चना	5958 रु	83 रु
मसूर	7390 रु	390 रु
सरसों	6613 रु	413 रु
कुसुम	7215 रु	675 रु

खूनाखून हुआ कॉकपिट, झगड़ा देख घबरा गए यात्री

हवा में था विमान, तभी 2 पायलट भिड़े और चलाने लगे चाकू... फ्लाइट अनियंत्रित हुई

फ्लाइट 17 हजार फिट नीचे आ गई

क्रैश की कोशिश के बाद सऊदी अरब में विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रही एक फ्लाइट में उस वक्त हड़कंप मच गया जब अचानक कॉकपिट में तेज आवाजें आने लगीं और चाकूबाजी शुरु हो गई। दो पायलटों में हुई भिडंत में चले चाकुओं से पूरा कॉकपिट खून खून हो गया। दृश्य देखकर यात्रियों में दहशत फैल गई। कुछ ही क्षण में फ्लाईदुबई की यह फ्लाइट अनियंत्रित हुई और 34 हजार फिट से नीचे 17 हजार फिट नीचे आ गई।



बिगड़ते हालातों को देखते हुए सऊदी अरब के तबूक मिलिट्री और सिविल बेस पर आपातकालीन लैंड कराना पड़ी। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी यात्री और क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

इधर इजराइल में हाईजैक के सिग्नल मिलते ही हड़कंप मच गया। तेल अवीव ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत फाइटर जेट्स को रवाना कर दिया और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। लगभग 180 इजराइली यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए थे। पायलटों की खूनी झड़प और आत्महत्या की कोशिश शुरुआती जांच और मीडिया रिपोर्ट्स में बेहद चौंकाने वाला सच सामने आया। बताया गया कि यह कोई बाहरी आतंकी हमला नहीं, बल्कि कॉकपिट के अंदर दो पायलटों के बीच हुई खूनी झड़प का नतीजा था। एक पायलट द्वारा विमान क्रैश कर आत्महत्या करने का दावा किया गया। यात्रियों के अनुसार कॉकपिट में चाकू से हमला किया गया था, जिसके बाद कुछ यात्रियों और क्रू ने मिलकर हमलावर ▶▶शेष पेज 5 पर

526 किलोग्राम हेरोइन, मेथामफेटामाइन के साथ पकड़े गए 5 पाकिस्तानी नागरिक

ईरानी नाव संग की जा रही 3 हजार करोड़ रुपए के नशीले पदार्थों की तस्करी का हुआ भंडाफोड़

तटरक्षकबल और गुजरात एटीएस ने संयुक्त अभियान चलाकर हासिल की यह बड़ी कामयाबी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान 'भारत को हजार घाव देकर लहूलुहान करने की अपनी नापाक नीति' को लगातार अपनाने से बाज नहीं आ रहा है। ताजा मामला पिछले सप्ताह शुक्रवार 25 सितंबर का है। जिसमें खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय तटरक्षकबल (आईसीजी) और गुजरात एटीएस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में 3 हजार करोड़ रुपए से अधिक के नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी बुधवार को तटरक्षकबल ने एक बयान जारी कर दी है।



5 साल में जब्त किया 8 हजार किग्रा. नशीला पदार्थ: आंकड़ों के हिसाब से बीते पांच वर्षों में ▶▶शेष पेज 5 पर

पाकिस्तान से सीधे जुड़े थे तार, दुश्मन देश की सेना का एसएसजी कमांडो रह चुका है

सेना ने जम्मू-कश्मीर में मार गिराया लश्कर का टॉप कमांडर आतंकवादी हाशिम मूसा

सेना को इलाके में कुछ और आतंकवादियों की मौजूदगी का अंदेशा, जारी है तलाशी अभियान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में बीते मंगलवार देर-रात सुरक्षा बलों के हाथ एक बहुत बड़ी कामयाबी लगी है। जिसमें उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के टॉप कमांडर और एक वक्त में पाकिस्तान की सेना में स्पेशल सर्विसेज ग्रुप (एसएसजी) के कमांडों रहे आतंकवादी मोहम्मद आसिफ उर्फ हाशिम मूसा को ढेर कर दिया है। उसके पास से युद्धक सामग्री भी बरामद की गई है। भारतीय सेना की चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि उसने इस अभियान को 'ऑपरेशन कोराग' का नाम दिया गया है। राष्ट्रीय राइफल्स ▶▶शेष पेज 5 पर



कभी मुशर्रफ की वीवीआईपी सुरक्षा करता था

रक्षा सूत्रों ने कहा कि आतंकवादी हाशिम मूसा एक पाकिस्तानी नागरिक था। 2022 में वह घुसपैठ के जरिए कश्मीर घाटी में दाखिल हुआ था। इससे पहले वह पाकिस्तान की सेना की एसएसजी का एक पैरा कमांडो (सर्विस नंबर, पीए-3106947) रह चुका है। साल 2000 में उसकी भर्ती पाक सेना में हुई थी। बाद में वह हवलदार के पद से रिटायर हुआ। पाक सेना में वह फोर बटालियन के नाम से जानी जाने ▶▶शेष पेज 5 पर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जालंधर में आयोजित 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के समापन समारोह में लिया हिस्सा

'आप' सरकार ने पंजाब में चिट्टे को बढ़ावा दिया भाजपा नशा मुक्त पंजाब के मुद्दे पर लड़ेगी चुनाव: शाह

कहा, पंजाब के युवाओं तक नशा न पहुंचे, ऐसे सख्त तंत्र की रचना केवल मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही कर सकती है

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पंजाब के जालंधर में आयोजित 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान पंजाब में चिट्टे के व्यापार को बढ़ावा मिला है। भारतीय जनता पार्टी आगामी चुनाव केवल नशा मुक्त पंजाब के मुद्दे पर लड़ेगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भाजपा ने संकल्प लिया है कि 31 दिसंबर 2029 से पहले पंजाब को चिट्टा मुक्त किया जाएगा और नशे के कारोबारियों को जेल भेजा जाएगा। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं का समाधान करेगी, युवाओं को रोजगार देगी, पंजाब की आर्थिक स्थिति सुधारेगी और नशा मुक्त पंजाब बनाएगी तथा राज्य की जनता से भाजपा को एक मौका देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान मंच पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, संसदीय बोर्ड सदस्य इकबाल सिंह लालपुरा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी शर्मा, सुनील जाखड़, पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, विजय सांपला, परनीत कौर, राज्यसभा सांसद तरुण चुघ, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री मनप्रीत सिंह बादल सहित पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित ▶▶शेष पेज 5 पर



बच्चे के अपहरण और हत्या केस की आरोपी महिला 20 साल बाद अरेस्ट



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- उम्रकैद की सजा के बाद पैरोल जंप कर हो गई थी फरार

क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने उम्रकैद की सजा के बाद पैरोल जंप कर 20 साल से फरार महिला को हरिद्वार से गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला का नाम साधना उर्फ पूजा बताया गया है। जनवरी 18 को महिला पैरोल जंप करने के बाद से फरार थी। इस पर आदर्श नगर थाना एरिया में 10 साल के बच्चे के अपहरण और हत्या का आरोप था।

पुलिस के अनुसार पैरोल खत्म होने पर सरेंडर न करने और अपनी पहचान साधना से बदलकर पूजा करने के बाद दोषी महिला 20 साल से ज्यादा समय तक पकड़ में नहीं आई थी। हाल ही में क्राइम ब्रांच की आईएससी टीम को इसके बारे में सूचना मिली थी। पुलिस के अनुसार साधना 9 जनवरी 1990 से सेंट्रल जेल में बंद थी और 27 दिसंबर 2005 को पैरोल पर रिहा हुई थी। बाद में मेडिकल आधार पर पैरोल तीन हफ्ते के लिए बढ़ाई गई थी। उसे इस साल 18 जनवरी को सरेंडर करना था। पुलिस के अनुसार 6 जनवरी 1990 को आजादपुर टी पॉइंट से 10 साल का एक बच्चा गायब हो गया था। गवाह जगदीश चंद और वासुदेव ने शाम करीब 5:30 बजे साधना को बच्चे का हाथ पकड़कर जी.टी. रोड पार करते हुए देखा था। साधना और उसके साथी आरोपी राज कुमार को जहांगीर पुरी से पकड़ा गया। वे बिना शादी के पति-पत्नी की तरह साथ रह रहे थे, जिसका विरोध मृतक के पिता बलवंत राम और उनके परिवार ने किया था। पहले हुए झगड़े के कारण नाराजगी और बदला लेने की भावना पैदा हुई, जिसके परिणामस्वरूप बच्चे का अपहरण और हत्या कर दी गई थी।

सात लोगों को किया गिरफ्तार

अमेरिकी नागरिकों को ठगने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



पश्चिमी जिले की एएटीएस ने फर्जी एप्पल टेक सपोर्ट के नाम पर अमेरिकी नागरिकों को ठगने वाले कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। इस सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें कॉल सेंटर का मालिक और पार्टनर भी शामिल है। नारायणा औद्योगिक क्षेत्र में यह कॉल सेंटर चलाया जा रहा था।

डीसीपी हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि आरोपी नारायणा औद्योगिक क्षेत्र फेज-2 स्थित एक परिसर से 'वेप्ट्रा' नाम से कॉल सेंटर का संचालन कर रहे थे। यह कार्रवाई एएटीएस के सब इंस्पेक्टर गजेंद्र माथुर को मिली विशिष्ट जानकारी के बाद की गई। इसके बाद एक टीम ने परिसर पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान कॉल सेंटर मालिक अरुण (29), उसके पार्टनर सलीम (28) और पांच अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया। कॉलर फर्जी अंग्रेजी नामों के तहत अमेरिका में लोगों से बातचीत करते थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपी कथित तौर पर एप्पल/आईओएस टेक सपोर्ट अधिकारी बनकर टोल-फ्री नंबरों के माध्यम से अमेरिका के लोगों से संपर्क करते थे। वे पीड़ितों को बताते थे कि उनके उपकरणों या प्रणालियों में वायरस, मैलवेयर या अश्लील सामग्री पाई गई है और तत्काल तकनीकी सहायता की पेशकश करके उनमें आशंका पैदा करते थे। पुलिस ने कहा कि इसके बाद पीड़ितों को कथित तौर पर तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए गिफ्ट कार्ड खरीदने के लिए राजी किया जाता था। बयान में कहा गया कि आरोपी गिफ्ट-कार्ड का विवरण या कोड हासिल कर इसे अपने साथियों के साथ साझा करते थे। पुलिस ने बताया कि कॉल सेंटर से पांच लैपटॉप, 12 मोबाइल फोन, 10 क्रेडिट/डेबिट कार्ड, पांच चेक बुक और एक ऑडी कार जब्त की गई है।

मुस्कान शर्मा हत्या केस में पुलिस ने 350 पन्नों की चार्जशीट की दाखिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर में 21 वर्षीय डीयू की छात्रा व मॉडल मुस्कान शर्मा की हत्या के मामले में पुलिस ने तीस हजारी कोर्ट में 350 से अधिक पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस ने चार्जशीट में इलेक्ट्रानिक और जैविक साक्ष्य शामिल किए हैं। वहीं, फोरेंसिक जांच के तहत घटनास्थल से मिले खून के नमूने, जैविक अवशेष और हथियार पर मिले डीएनए व फिंगरप्रिंट्स को भी वैज्ञानिक साक्ष्य के रूप में शामिल किया गया है। मुस्कान के परिवार, डॉक्टरों, दोस्तों और जिम स्टाफ समेत 40 करीब लोगों के बयान इस केस में दर्ज किए। चार्जशीट में यह भी बताया गया कि जिस समय इमरान मुस्कान पर घर में चाकू से हमला कर रहा था दिग्विजय बाहर इंतजार कर रहा था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दाखिल की गई चार्जशीट में न केवल घटनाक्रम का सिलसिलेवार ब्योरा दिया गया है, बल्कि यह भी साफ किया गया है कि यह कोई तात्कालिक गुस्से का नतीजा नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी। मुख्य आरोपी इमरान पीड़िता पर जबरन रिश्ते में बने रहने का दबाव बना रहा था और इनकार किए जाने पर उसने मुस्कान का पीछा करना, धमकियां देना और फिर चाकू से हत्या की साजिश रची थी। इस पूरी साजिश में इमरान के दोस्त दिग्विजय की भी अहम भूमिका रही। उसने हत्या वाले दिन मुस्कान का घर तलाशने में मदद की, वारदात के वक्त बाहर इंतजार करता रहा और बाद में आरोपी को भगाने व पनाह में मदद की थी। चार्जशीट में आरोपी इमरान के पुराने आपराधिक रिकार्ड का भी जिक्र किया गया है। उस पर 2021 में गैर इरादतन हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था और वह इसी वर्ष दो बार नशामुक्ति केंद्र भी जा चुका था। गौरतलब है कि 26 अगस्त को तिलक नगर थाना क्षेत्र के ओल्ड महावीर नगर इलाके में मुस्कान शर्मा की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। वारदात का आरोप उसके परिचित, जिम ट्रेनर इमरान पर लगा था। राजौरी गार्डन क्षेत्र से इमरान को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था।

फर्जी माल ढुलाई और ट्रक बुकिंग सेवा के नाम पर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दक्षिण दिल्ली पुलिस ने फर्जी माल ढुलाई (लॉजिस्टिक्स) और ट्रक बुकिंग सेवा के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम गाजियाबाद निवासी अमन (19) और कापसहेड़ा निवासी नरेंद्र कुमार (23) बताये गये हैं। दोनों सामानों की आपूर्ति करने का काम करते थे।

पुलिस ने बताया कि यह मामला एक व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जिससे ट्रक की व्यवस्था करने के नाम पर पैसे ऐंठ लिए गए, लेकिन ट्रक उपलब्ध नहीं कराया गया। इस संबंध में दक्षिण जिले के साइबर थाने में ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। तकनीकी जांच के आधार पर अमन को 24 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था, जिसके खुलासे पर नरेंद्र कुमार को बाद में कापसहेड़ा से पकड़ा गया। आरोपी ऑनलाइन बिजनेस डायरेक्टरी से ग्राहकों की जानकारी जुटाते थे और माल ढुलाई कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर अग्रिम भुगतान ले लेते थे। रकम मिलने के बाद वे न तो सेवा देते थे और न ही पैसे लौटाते थे। आरोपियों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपियों का संबंध साइबर धोखाधड़ी की 10 शिकायतों से लिंक पाया गया, जिनमें ढाई लाख से ज्यादा की ठगी शामिल है।

अजमेरी गेट से 25 लाख की ई-सिगरेट बरामद, एक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मध्य जिले की हौज काजी पुलिस और एंटी नारकोटिक्स सेल ने प्रतिबंधित निकोटीन युक्त ई-सिगरेट के अवैध भंडारण में लिप्त शख्स को गिरफ्तार किया है। इसके पास से लगभग 25 लाख रुपये मूल्य की 1,200 ई-सिगरेट जब्त की गई। आरोपी की पहचान अजमेरी गेट निवासी शाहजेब (28) के रूप में हुई है। आरोपी के पास से 'फॉक्सी' ब्रांड के विभिन्न 'फ्लेवर' वाली ई-सिगरेट बरामद की गई हैं, जिन्हें प्लास्टिक के तीन डिब्बों में रखा गया था।

पुलिस के अनुसार मंगलवार रात करीब नौ बजे एंटी नारकोटिक्स सेल को अजमेरी गेट के शाहगंज इलाके में अवैध ई-सिगरेट के भंडारण के संबंध में गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर हौज काजी पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की गई। तीन प्लास्टिक डिब्बों के साथ खड़े शाहजेब को पकड़ा गया। डिब्बों की तलाशी लेने पर भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट बरामद हुई जिसकी कीमत करीब 25 लाख रुपये आंकी गई। इस संबंध में हौज काजी थाने में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी से ई-सिगरेट की खरीद, स्रोत और वितरण श्रृंखला के बारे में पूछताछ की जा रही है। इस अवैध नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की धरपकड़ के प्रयास जारी है।

नांगलोई में रेलवे ट्रैक के पास युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



बाहरी जिले के नांगलोई थाना एरिया में रेलवे ट्रैक के पास एक 20 वर्षीय किशोर की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। आरोप दो किशोरों पर है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है। मामूली कहासुनी के बाद झगड़े में इस वारदात को अंजाम दिया गया था।

नांगलोई पुलिस स्टेशन को मंगलवार रात एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें बताया गया कि सुखी नहर इलाके में रेलवे ट्रैक के पास एक अज्ञात युवक का शव पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतक के सिर पर चोट के निशान थे। बाद में मृतक के हाथ पर बने टैटू की मदद से उसकी पहचान प्रेम नगर निवासी मोहम्मद अलीम के बेटे दिलशाद उर्फ छोटू (20) के तौर पर की गई। वह कबाड़ बीनने का काम करता था और फुटपाथ या रेलवे ट्रैक के पास सोता था। इस संबंध में नांगलोई थाने में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान दो किशोरों को पकड़ा गया। आरोपी किशोरों ने बताया कि मृतक ने उनसे झगड़ा किया था और हाथापाई के दौरान उन्होंने उसे जमीन पर गिरा दिया। बाद में उसके सिर पर पत्थर से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। शव संजय गांधी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

दिल्ली दंगे 2020 : यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश से जुड़े आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति दिनेश भट्ट की पीठ ने मामले में खालिद और शरजील की जमानत याचिकाएं तीसरी बार खारिज कर दीं। पीठ ने कहा कि वह उच्चतम न्यायालय के पांच जनवरी के उस आदेश में बदलाव नहीं कर सकती, जिसमें दोनों आरोपियों से कहा गया था कि वे संरक्षित गवाहों की गवाही पूरी होने या आदेश पारित होने की तारीख से एक साल की अवधि पूरी होने, इनमें से जो भी पहले हो, उसके बाद जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। खालिद और इमाम के खिलाफ फरवरी 2020 में हुए दंगों के कथित मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल होने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। कार्यकर्ता खालिद सैफी और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत अन्य लोगों पर भी बड़ी साजिश से जुड़े इस मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में प्रकरण दर्ज किया गया था। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने इस मामले की जांच की थी। इससे पहले निचली अदालत ने भी उनकी जमानत याचिकाएं खारिज की हैं जिसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया था। इमाम को इस मामले में 25 अगस्त 2020 को गिरफ्तार किया गया था, जबकि खालिद को 13 सितंबर 2020 को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस ने उच्च न्यायालय में इन याचिकाओं का विरोध करते हुए दावा किया कि दोनों दंगों के मुख्य साजिशकर्ता हैं।

अदालत ने केंद्र को लाल किले पर आईएनए शहीदों के लिए स्मारक बनाने का निर्देश देने से किया इनकार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र को लाल किले पर आजाद हिंद फौज (आईएनए) के शहीदों के सम्मान में एक स्मारक बनाने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। 'महान स्वतंत्रता सेनानी ललती राम ट्रस्ट' द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा कि स्मारक का निर्माण करना सरकारी अधिकारियों के विवेकाधिकार का विषय है और यह अदालत के समक्ष न्यायसंगत मुद्दा नहीं बन सकता। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि जो कुछ भी आपको अच्छा महसूस कराता है, वह रिट याचिका का विषय नहीं बन जाता। स्मारक बनाना या न बनाना सरकार का विवेकाधिकार है, अदालतों का नहीं। यह किसी न्यायालय के समक्ष बहस का मुद्दा नहीं हो सकता। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि सरकार द्वारा लाल किले में आईएनए के हजारों शहीदों के लिए एक स्मारक बनाने की योजना की घोषणा किए हुए पांच वर्ष बीत जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि इस तरह की देरी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन करती है। इस पर आदालत ने कहा, ₹किसी स्मारक का निर्माण किसी मौलिक कर्तव्य या अधिकार से जुड़ा नहीं है। हम ऐसा निर्देश कैसे पारित कर सकते हैं? हम सरकार को लाल किले में भूमि आवंटित करने का निर्देश कैसे दे सकते हैं? अदालत ने याचिकाकर्ता को केंद्र के समक्ष एक विस्तृत अभ्यावेदन देने की स्वतंत्रता देते हुए जनहित याचिका (पीआईएल) पर कार्यवाही बंद कर दी। इसमें कहा गया कि यदि ऐसा कोई अभ्यावेदन दिया जाता है, तो अधिकारियों द्वारा उस पर निर्णय लिया जाएगा। याचिका में कहा गया कि अगस्त 2021 में, केंद्र सरकार ने संसद में एक लिखित उत्तर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रस्तावों की घोषणा की थी, जिनमें आईएनए के शहीदों के लिए लाल किले में एक स्मारक स्थापित करना शामिल था।

डीयू की आशीमा ने एशियाई खेलों में किया देश का नाम रोशन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की छात्रा आशीमा अहलावत ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित 2026 एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल जीत कर देश के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय का भी नाम रोशन किया है। डीयू प्रशासन ने बुधवार को जानकारी देत हुए बताया कि इसे लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय में खुशी का माहौल है। डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने आशीमा अहलावत को बधाई देते हुए कहा कि उनकी इस उपलब्धि से भारत के साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय का भी नाम रोशन हुआ है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियों से भावी खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलती है। कुलपति ने बताया कि आशीमा अहलावत दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई) में एमए की छात्रा हैं।

एलजी ने की कॉलेज छात्र सुरक्षा पर समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला कॉलेजों की प्राचार्यों, कुलपति और दिल्ली पुलिस, परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कॉलेज परिसरों के भीतर और आसपास छात्राओं की सुरक्षा एवं संरक्षा की समीक्षा की गई। बैठक में शामिल कॉलेजों में एलएसआर, लेडी इरविन, मिरांडा हाउस, दौलत राम, जीसस एंड मैरी, लक्ष्मीबाई, माता सुंदरी, गार्गी, इंद्रप्रस्थ और जानकी देवी कॉलेज शामिल थे। शुरुआत में उपराज्यपाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय की प्राचार्यों, डीन और कुलपति से उनकी समस्याओं की सूची प्रस्तुत करने को कहा। इस दौरान छात्राओं की सुरक्षा से जुड़ी कई गंभीर चिंताएं सामने आईं। प्राचार्यों और अन्य प्रतिनिधियों ने बताया कि ई-रिक्शा, ऑटो और टैक्सी चालकों द्वारा जबरन यात्रियों को बैठाने के लिए दबाव बनाने और कॉलेजों के प्रवेश द्वारों को अवरुद्ध करने की समस्या है।

रेखा सरकार के दीवार बदरंग नहीं करने का भी हो रहा है उल्लंघन

सीबीआई कार्रवाई के बाद भी विज्ञापन विभाग में चल रहा है जमकर 'खेल'



दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के विज्ञापन विभाग में सीबीआई की कार्रवाई के बाद भी जमकर 'खेल' चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली नगर निगम 'आउटडोर विज्ञापन नीति 2017' के तहत कार्य करता है लेकिन यहां विभाग में बैठे अधिकारी भले ही 'इधर से उधर' हो जाएं लेकिन उनका 'खेल' खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बता दें कि विज्ञापन विभाग के 'इंस्पेक्टर' बदलने के बाद भी नरेला जोन में मनमाने तरीके से अवैध विज्ञापनों पर कार्रवाई की गई है। कुछ अवैध विज्ञापन हटा दिए गए तो कुछ को छोड़ दिया गया जो 'आउटडोर विज्ञापन नीति 2017' के नियमों का घोर उल्लंघन है। सूत्रों का कहना है कि 2017 में बनी इस 'विज्ञापन नीति' को लागू हुए काफी साल हो चुके हैं लेकिन जमीनी हकीकत आज भी पुरानी व्यवस्था जैसी ही है। उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दीवार बदरंग न करने संबंधी निर्देश के बाद अब विज्ञापन विभाग से 'इंस्पेक्टर राज' और 'खेल' पर लगाम लगेगी, लेकिन दिल्ली की सड़कों पर फैले अवैध होर्डिंग्स, बेतरतीब बैनर, दीवारों को बदरंग करते हुए बड़े बड़े दीवार विज्ञापन और उपर से एमसीडी अधिकारियों की चुप्पी कुछ और ही कहानी कह रही है।

निगम प्रशासन को हो रहा है प्रतिमाह लाखों का नुकसान

निगम के केशवपुरम जोन, सिविल लाइन जोन और रोहिणी जोन की बात करे तों यहां विज्ञापन नीति के अनुसार कुछ नहीं हो रहा है। पंजाबी बाग से ब्रिटानिया चौक की तरफ फ्लाईओवर पर और आदर्श नगर से मुकरबा चौक की तरफ जाते समय जहांगीर पुरी मेट्रो स्टेशन के पास शौरूम और दुकानों पर विज्ञापन नीति को दरकिनार करते हुए बड़े बड़े होर्डिंग नुमा विज्ञापन लगे हुए हैं और राजस्व का रोना रो रहे निगम प्रशासन को इससे प्रतिमाह लाखों रुपए के राजस्व का निगम का नुकसान हो रहा है। इसी तरह शालीमार बाग बस स्टैंड के पास होटल मोटल आसपास के इलाके में भी कई जगह बड़े बड़े विज्ञापन और डिजिटल विज्ञापन लगे हुए हैं। इस संबंध में निगम के प्रेस एवं सूचना निदेशालय से जानकारी मांगी जाती तो प्रशासन द्वारा चुप्पी साध ली जाती है।

विज्ञापन नीति को लेकर निगम प्रशासन ने साधी चुप्पी

बता दें कि विज्ञापन नीति 2017 के अनुसार हर आउटडोर विज्ञापन के लिए टेंडर प्रक्रिया जरूरी है और इसके तहत अवैध विज्ञापन पर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए, सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति लगाए गए बैनर/पोस्टर दंडनीय हैं। लेकिन इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ रही हैं। दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर बिना अनुमति लगे बैनर और होर्डिंग्स निगम प्रशासन की चुप्पी पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहे हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक उर्फ धनेश** पुत्र हर दत्त शर्मा, निवासी मकान नंबर 185/10, कृष्णा गली नंबर 04, मौजपुर, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 390/2025 धारा 318(2)/335(A)(i)/336(2)/340(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023, थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ धनेश** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ धनेश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ धनेश, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 390/2025 धारा 318(2)/335(A)(i)/336(2)/340(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023, थाना नंद नगरी, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.11.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री अभय चौधरी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-09
कमरा नंबर 20, पहली मंज़िल, शाहदरा ज़िला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/13861/NE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2)(ii) Cr.Pc. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कृष्णा बिहारी पुत्र राम प्रकाश** निवासीः वेगाबोंड मुर्गा चौक ई–122, विकास नगर, दिल्ली ने **FIR No. 790/2021 u/s 33/38 Delhi Ex. Act, थाना : रनहोला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या सन्देह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कृष्णा बिहारी** नही मिल रहा है और समाधानप्रद रूप से प्रदर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कृष्णा बिहारी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए छिपा हुआ है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 790/2021 u/s 33/38 Delhi Ex. Act, थाना : रनहोला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **कृष्णा बिहारी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 30.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अंकित करण सिंह
एमएम–08 (वेस्ट), कमरा नं. 30,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13718/OD/2026
(court notice)

मुख्यमंत्री ने 20 फायर बाइक और 26 क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल्स को दिखाई हरी झंडी

आपात स्थिति उत्पन्न होने पर कम से कम समय में नागरिकों तक पहुंचे मदद : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली





दिल्ली के किसी भी हिस्से में आपात स्थिति उत्पन्न होने पर मदद कम से कम समय में नागरिकों तक पहुंचे। नए फायर स्टेशन और त्वरित प्रतिक्रिया वाहनों की तैनाती इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मालवीय नगर क्षेत्र में गीतांजलि फायर स्टेशन के उद्घाटन के अवसर पर यह बता कही।

इस अवसर पर उन्होंने दिल्ली फायर सर्विस के बेड़े में 20 फायर रिस्पॉन्स मोटरबाइक और 26 क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल्स को शामिल कर, हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का संकल्प है कि राजधानी के प्रत्येक नागरिक को आपात स्थिति में तेज, प्रभावी और पेशेवर अग्निशमन एवं बचाव सेवा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि बदलते समय और दिल्ली की बढ़ती आबादी के साथ फायर सेफ्टी व्यवस्था को भी आधुनिक तकनीक, बेहतर संसाधनों और तेज प्रतिक्रिया क्षमता से लैस करना आवश्यक है। इसी दिशा में दिल्ली फायर सर्विस की क्षमताओं को चरणबद्ध तरीके से मजबूत किया जा रहा है। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, विधायक सतीश उपाध्याय सहित दिल्ली फायर सर्विस के वरिष्ठ अधिकारी, अग्निशमन कर्मी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि बड़े फायर टेंडरों के साथ संकरी गलियों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लिए क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल्स और फायर रिस्पॉन्स मोटरसाइकिलों की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली फायर सर्विस के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आधुनिक वायरलेस नेटवर्क, कमांड सेंटर, नए वाहनों और अत्याधुनिक उपकरणों के जरिए अग्निशमन सेवा की प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाई जा रही है। दिल्ली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, तेज प्रतिक्रिया व्यवस्था और सक्षम अग्निशमन बल को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है।

'जीवन को बनाना है अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद'

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' का मूल उद्देश्य दिल्लीवासियों के जीवन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और भरोसेमंद बनाना है। फायर सेफ्टी के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास इसी व्यापक संकल्प का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ तेज प्रतिक्रिया क्षमता, रणनीतिक तैनाती और आधुनिक उपकरणों के माध्यम से दिल्ली की आपातकालीन सेवाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक संसाधनों से लैस फायर सर्विस केवल आग लगने की घटनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न प्रकार की आपात स्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाती है। इसलिए सरकार का प्रयास है कि दिल्ली फायर सर्विस को आधुनिक तकनीक, बेहतर मोबिलिटी और पर्याप्त संसाधनों से लगातार सशक्त किया जाए।

'बढ़ते शहरीकरण के साथ आधुनिक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर जोर'

दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण, घनी आबादी, संकरी सड़कों और बढ़ते यातायात के कारण अग्निशमन सेवाओं के सामने नई चुनौतियां हैं। ऐसे में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप मजबूत करना जरूरी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार जहां जैसी आवश्यकता है, वहां उसी के अनुरूप संसाधन उपलब्ध करा रही है।



मीराबाई चानू से आशीष सूद ने की मुलाकात



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के खेल एवं युवा कार्य मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को भारतीय भारोत्तोलन खिलाड़ी सैखोम मीराबाई चानू से मुलाकात कर एशियाई खेलों में उनके ऐतिहासिक रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई दी। मीराबाई चानू की इस उपलब्धि के साथ भारत को 28 वर्ष के बाद अंतराल के बाद एशियाई खेलों में भारोत्तोलन का पदक प्राप्त हुआ है। मंत्री सूद ने मीराबाई चानू की निरंतर मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी उपलब्धियों से देश का गौरव बढ़ाया है। मुलाकात के दौरान मंत्री आशीष सूद ने राजधानी में अत्याधुनिक खेल उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिल्ली सरकार की योजना साझा की। उन्होंने मीराबाई चानू से इन केंद्रों के विकास एवं खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कार्य विभाग के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

मंत्री ने मीराबाई चानू को दिल्ली में खेल और युवाओं के समग्र विकास के लिए रणनीतियां तैयार करने के लिए आयोजित होने वाली विचार-विमर्श बैठकों तथा विशेषज्ञ सलाहकार समूहों में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

खबर संक्षेप

एनडीएमसी के 40 कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने बुधवार को सेवानिवृत्त हो रहे 40 कर्मचारियों को गरिमापूर्ण एवं भावपूर्ण विदाई दी। इस अवसर पर नई दिल्ली के जय सिंह रोड स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके पेंशन भुगतान आदेश, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण एवं जीपीएफ से संबंधित लाभ वितरित किए। इस अवसर पर परिषद सदस्य अनिल वाल्मीकि ने 40 सेवानिवृत्त एनडीएमसी कर्मचारियों को उनकी समर्पित सेवाओं के सम्मान में प्लांटर, स्मृति-चिह्न एवं सूटकेस भेंट कर सम्मानित किया।

काम को देरी से पूरा करके अपनी पीठ थपथपा रही भाजपा सरकार: यादव

नई दिल्ली। भाजपा सरकार जिस बारापुला फेस 3 के बचे हुए काम को देरी में पूरा करके अपनी पीठ थपथपा रही है। इस सुगम यात्रा की कनेक्टिविटी की देन कांग्रेस मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की ही थी। यह बात बुधवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कही है। उन्होंने कहा कि बारापुला फेस 3 के उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बयान कि 'हम 5 साल में इतने काम करेंगे, जितने 50 सालों में नहीं हुए' पूरी तरह दिल्ली की जनता को गुमराह करने वाला है, क्योंकि जिस बारापुला फेस 3 फ्लाईओवर का उद्घाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा करवाया गया है उसकी आधारशिला फेज 1 और फेज 2 के रूप में कांग्रेस सरकार ने ही रखी थी।

सरकारी कामकाज में एआई को जिम्मेदार तरीके से अपनाना जरूरी : डॉ. पंकज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



■ सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने अत्याधुनिक एआई ट्रेनिंग सेंटर का किया उद्घाटन

सरकारी कामकाज को और बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को प्रभावी और ज़िम्मेदार तरीके से अपनाना जरूरी है। दिल्ली के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को सिविल लाइंस स्थित विकास भवन-2 में एआई ट्रेनिंग सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यप्रणाली में एआई के बढ़ते इस्तेमाल के लिए दिल्ली सरकार के अधिकारियों को तैयार करने की दिशा में यह अहम कदम उठाया है।

इस एआई प्रशिक्षण केंद्र में पहला क्षमता-निर्माण कार्यक्रम 15 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा। यह ट्रेनिंग प्रैक्टिकल और एप्लीकेशन-ओरिएंटेड होगी, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, ऑफिशियल ड्राफ्टिंग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और एआई का इस्तेमाल करके डायनामिक प्रेजेंटेशन बनाना शामिल होगा। साथ ही साइबर सिक्योरिटी और ज़िम्मेदार एआई प्रैक्टिस के महत्वपूर्ण पहलू भी इसमें शामिल होंगे।

मंत्री ने बताया कि इस सेंटर को दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को एआई और उभरती हुई नई टेक्नोलॉजी की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देने के लिए बनाया गया है। इस मौके पर आईटी मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इस पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी अधिकारियों को अपने रोज़मर्रा के काम में एआई को अच्छी तरह समझने और उसका इस्तेमाल करने में सक्षम बनाना है। साथ ही गोपनीयता और साइबर सुरक्षा के जरूरी मानकों को बनाए रखना भी सुनिश्चित करना है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पंकज कुमार सिंह ने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि हमारे अधिकारी एआई के लिए पूरी तरह से तैयार रहें। हमारा मकसद उन्हें अपने रोजमर्रा के काम में नई टेक्नोलॉजी का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने में सक्षम बनाना है। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि सुरक्षा, गोपनीयता और ज़िम्मेदार इस्तेमाल से किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं हो।

कॉकरोच दो अक्टूबर को ज्ञानेश कुमार के खिलाफ करेंगे प्रदर्शन : सौरभ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भारत के चुनाव आयोग को लेकर मीडिया में हुए सनसनीखेज खुलासे के बाद राजनीतिक दलों को बंटने के बजाय एक मंच पर आकर वोट के अधिकार की लड़ाई लड़ने की सलाह दी है। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अलग-अलग मंचों में बंटने के बजाय काकरोच आंदोलन का सभी दलों को समर्थन करना चाहिए। भारत के चुनाव आयोग का कॉम्प्रोमाइज होना पूरे देश के लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। यह किसी एक पार्टी या गठबंधन का मुद्दा नहीं है। ना ही यह भाजपा और विपक्ष की लड़ाई है। बल्कि यह देश के 140 करोड़ लोगों के वोट देने के अधिकार का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं ने कॉकरोच के बैनर तले चुनाव आयोग ठीक करने का आंदोलन छेड़ा है। आज देश का युवा कॉकरोच आंदोलन के साथ है। भारद्वाज ने कहा कि कॉकरोचों ने देश के युवाओं के साथ मिलकर 2 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट की अपील की है। सबको इस प्रोटेस्ट में मदद करनी चाहिए और युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर यह लड़ाई लड़नी चाहिए।

एनडीएमसी का मासिक सुविधा शिविर तीन अक्टूबर को होगा आयोजित

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) शनिवार 3 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, जय सिंह रोड, नई दिल्ली में अपना मासिक सुविधा शिविर आयोजित करेगी। एनडीएमसी का यह 'सुविधा शिविर' नागरिकों एवं अन्य हितधारकों को विभिन्न नागरिक सेवाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करने, आवेदन प्रस्तुत करने तथा शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए एक सुविधाजनक मंच प्रदान करता है। परिषद क्षेत्र के निवासी, सेवा उपभोक्ता, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन (एमटीए) तथा एनडीएमसी के कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी इस शिविर में भाग लेकर उपलब्ध सेवाओं का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। इस शिविर में नागरिक विद्युत सेवाओं से संबंधित विभिन्न कार्यों जैसे नए विद्युत कनेक्शन, डिसकनेक्शन, विद्युत लोड में वृद्धि अथवा कमी तथा स्वामित्व हस्तांतरण आदि के लिए सहायता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त संपत्ति कर, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी करना, कर्मचारियों से संबंधित सेवा विषयक मामलों, स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जलभराव, सड़क रखरखाव, विधवा, वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजन पेंशन योजनाओं, बारात घरों एवं सार्वजनिक पार्कों की बुकिंग सहित अनेक अन्य नगर सेवाओं से संबंधित सुविधाएं भी शिविर में उपलब्ध रहेंगी। अपनी सेवाओं के सुचारु एवं प्रभावी संचालन के लिए एनडीएमसी के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि अलग-अलग सहायता काउंटरों पर उपस्थित रहेंगे। वे नागरिकों को मौके पर ही आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे, आवेदन स्वीकार करेंगे तथा शिकायतों का पारदर्शी, समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करेंगे।

दिल्ली जल बोर्ड ने 17,970 करोड़ की सीवर परियोजनाओं को दी मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली जल बोर्ड ने 17,970 करोड़ की सीवर व्यवस्था के व्यापक सुधार, जलापूर्ति और यमुना सफाई से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस सुधार का मूल उद्देश्य जिम्मेदारी तय करना है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड ने दिल्ली की जलापूर्ति और सीवरेज सेवाओं के प्रबंधन के तरीके में व्यापक बदलाव की दिशा में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इन फैसलों का स्पष्ट फोकस जवाबदेही, समय रहते रखरखाव और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर है। दिल्ली के किसी नागरिक के लिए यह मायने नहीं रखना चाहिए कि किसी सीवर की जिम्मेदारी किस अधिकारी, डिवीजन या ठेकेदार की है। अगर कोई समस्या है, तो सिस्टम को इसकी जानकारी होनी चाहिए, उसे ठीक करने की जिम्मेदारी किसी की तय होनी चाहिए और काम पूरा होने तक उसकी निगरानी होनी चाहिए। हम यही बदलाव लाना चाहते हैं। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली को ऐसी जल व्यवस्था की जरूरत है जो केवल सामान्य परिस्थितियों में ही नहीं, बल्कि भारी बारिश, सीवर ओवरफ्लो, टैंकर की आपात स्थिति या किसी खराबी के समय भी काम करे। ये फैसले ऐसी व्यवस्था तैयार करने की दिशा में हैं, जहां योजना, तकनीक और जवाबदेही मिलकर काम करें।

'वन जोन, वन ऑपरेटर' व्यवस्था लागू की जाएगी

जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि सबसे बड़ा फैसला दिल्ली में सीवर रखरखाव व्यवस्था के व्यापक सुधार के लिए करीब 17,969 करोड़ रुपए की 10 वर्ष की योजना को सैद्धांतिक मंजूरी देना है। इसके तहत नई 'वन जोन, वन ऑपरेटर' व्यवस्था लागू की जाएगी। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत दिल्ली को आठ जोन में बांटा जाएगा और प्रत्येक जोन के पूरे सीवर नेटवर्क की जिम्मेदारी एक ऑपरेटर की होगी। इसमें सीवर लाइनें, मैनहोल, पंपिंग स्टेशन और शिकायतों का निपटारा शामिल होगा। यह व्यवस्था शिकायत आने के बाद मरम्मत करने के बजाय पहले से योजनाबद्ध और नियमित रखरखाव पर आधारित होगी। जियो-टैग्ड निरीक्षण और केंद्रीय कमांड सेंटर के माध्यम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके साथ ही 100 प्रतिशत मैकेनिकल और रोबोटिक सीवर सफाई की व्यवस्था भी की जाएगी।

डीयू: अदिति महाविद्यालय में हिन्दी माह का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय में हिन्दी विभाग एवं भाषा केंद्र के संयुक्त तत्त्वावधान में सितम्बर 2026 में 'हिन्दी माह' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. नीलम राठी, हिन्दी विभाग प्रभारी प्रो. आशा तथा भाषा केंद्र की संयोजक प्रो. रश्मि शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में हिन्दी के प्रति रुचि, सृजनात्मक अभिव्यक्ति और भाषायी दक्षता को बढ़ावा देना रहा। हिन्दी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर को प्राचार्य द्वारा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी का संदेश पढ़कर सुनाया गया। इसके बाद 'हिन्दी में हस्ताक्षर अभियान' का शुभारंभ हुआ, जिसमें शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक वर्ग एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हिन्दी माह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि स्वरूप प्रो. पूरनचंद टंडन की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार राशि/स्मृति चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। हिन्दी माह केन्द्रित न्यूजलेटर का विमोचन भी किया गया। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि हिन्दी माह के अंतर्गत देशभक्ति कविता वाचन, आशु भाषण, 'हिन्दी कंटेंट लेखन में एआई का प्रयोगः वरदान या अभिशाप' विषयक वाद-विवाद तथा 'युवा स्वर, हिन्दी के संग' विषयक रेडियो जॉकी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त स्लोगन सहित ई-पोस्टर निर्माण, गैर-शैक्षणिक वर्ग के लिए 'राजभाषा हिन्दीः प्रशासनिक शब्दावली प्रश्नोत्तरी' प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सीएम ने 'युवा मंथनः परंपरा और प्रगति' कार्यक्रम में छात्राओं से किया संवाद

हम सबकी है सुरक्षित दिल्ली की जिम्मेदारी : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



सुरक्षित दिल्ली की जिम्मेदारी सिर्फ बेटियों की नहीं, बल्कि हम सबकी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मैत्रेयी कॉलेज के डायमंड जुबली वर्ष के अवसर पर आयोजित 'युवा मंथनः परंपरा और प्रगति' कार्यक्रम में छात्राओं के साथ संवाद के दौरान यह बात कही।

उन्होंने कहा कि पुलिस को अपना दायित्व निभाना होगा, प्रशासन को सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करनी होंगी और संस्थानों को भी छात्राओं के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर काम करना होगा। महिला सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बेटियों को सुरक्षित और निर्भय वातावरण देने के लिए सरकार जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में 50 हजार सीसीटीवी कैमरे और एक लाख स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही हैं, ताकि सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके और बेटियां बिना डर अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा का अर्थ उनकी स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं, बल्कि ऐसा सुरक्षित समाज और वातावरण तैयार करना है जहां वे अपनी शिक्षा, करियर और जीवन के फैसले आत्मविश्वास के साथ ले सकें। मुख्यमंत्री ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि महिलाएं अक्सर परिवार और समाज की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता देती हैं, लेकिन युवा अवस्था से ही बेटियों को अपने लिए जीना, अपनी देखभाल करना, अपना करियर चुनना और अपने सपनों को पूरा करना भी सीखना चाहिए।

नारी शक्ति ने विकास में निभाई है महत्वपूर्ण भूमिका

भारत की नारी शक्ति ने परंपरा और प्रगति के बीच एक मजबूत सेतु बनाते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई होल्कर और अन्य महान महिलाओं की विरासत से प्रेरणा लेते हुए आज की बेटियां शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, नेतृत्व और नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर रही हैं। इस अवसर पर डीयू कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो. पायल मोगा, मैत्रेयी कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. हरितमा चोपड़ा, डॉ. जागृत कौर, डॉ. अनीता, छात्र संघ की प्रतिनिधि दृष्टि सहित कॉलेज के शिक्षक, छात्राएं और अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

अखिल भारतीय महिला किसान कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महिला किसान कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन बुधवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में भव्य रूप से हुआ। संघ ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा गौ-पूजन, भगवान बलराम पूजन एवं ध्वजारोहण के बाद 'हम भारत की नारियां वैभव लायेंगी' के बुलंद उद्घोष के साथ किया गया। सम्मेलन में देशभर के सभी प्रांतों एवं गांवों से हजारों की संख्या में मातृशक्ति किसानों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं कोटा कृषि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. विमला डूंकवाल ने कहा कि भारत की नारी शक्ति सृजन और संवर्धन का कार्य एक साथ करने में सक्षम है। नारी अन्नपूर्णा और दुर्गा का स्वरूप है, जो अधिकारों से पहले अपने कर्तव्यों का ध्यान रखती है। अखिल भारतीय महिला संयोजिका मंजू दीक्षित ने सम्मेलन की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि भारत में महिला किसानों की पारंपरिक तस्वीर को बदलने की आवश्यकता है। महिला किसान नई तकनीक और ऊर्जा के साथ परिवार और देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। सत्र को अखिल भारतीय अध्यक्ष के. साईं रेड्डी, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष सुशीला विश्नोई एवं मंत्री वीना सतीश ने भी संबोधित किया।

खबर संक्षेप

एक्सप्रेस वे पर ट्रक पलटा, कोई हताहत नहीं

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर कैंटर का टायर फटने से पलट गया। जिससे रोड



पर मछलियां फैल गयी। कैंटर मै मछलियां भरी थी कैंटर पलटने के चलते मछलिया सड़क पर तड़पती रही। इस दौरान पीछे से आती कार भी टकरा गई, जिसमें चार लोग घायल हो गए। लोगों ने वीडियो बनाई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को हटाया।

गोदाम के निर्माण को जीडीए ने किया ध्वस्त

गाजियाबाद। जीडीए ने बुधवार को राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में अवैध वेयर हाउस/गोदाम को



ध्वस्त कर दिया। प्रभारी प्रवर्तन जोन-01 के नेतृत्व में क्षेत्रान्तर्गत स्थित खसरा संख्या-87-88, गुलधर रैपिड रेल पिलर नं0-648 के सामने निर्माणकर्ता महेश गुप्ता द्वारा अनधिकृत रूप से निर्मित वेयर हाउस/गोदाम के निर्माण,हिमांशु त्यागी, अजीत त्यागी द्वारा ग्राम नूरनगर, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद पर किए गए।

मैरिंगो एशिया अस्पताल में सिखा, जीवनरक्षक कौशल

फरीदाबाद। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद में हार्ट फेलियर क्लिनिक की शुरुआत की



गई। उद्देश्य हार्ट फेलियर से जूझ रहे मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श, फॉलोअप की समर्पित सुविधा उपलब्ध कराना है। हार्ट फेलियर की स्थिति में समय रहते बीमारी की पहचान, नियमित निगरानी और उचित उपचार बेहद महत्वपूर्ण होता है।

मेरठ रोड तिराहे पर नगर निगम ने बनाई शंकर भगवान की पेंटिंग

नगर निगम ने मेरठ रोड पर लगाया 25 फीट का त्रिशूल

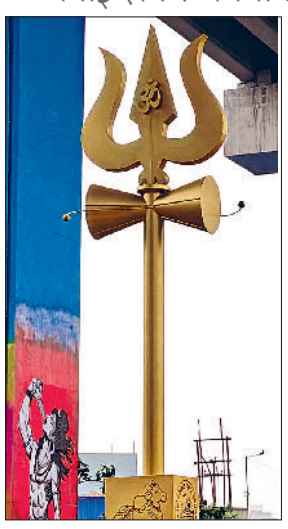

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर निगम ने मेरठ रोड पर 25 फीट का त्रिशूल लगाया है। जो आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने बताया कि मेरठ रोड तिराहे पर दो जंक्शन बनाए जा रहे है, मेरठ से दिल्ली तथा गाजियाबाद जाने आने वाले प्रमुख मेरठ रोड, फ्लाई ओवर के नीचे के स्थान को व्यवस्थित किया जा रहा है इसी के साथ सौंदर्यकरण का कार्य भी कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहर वासियों का सहयोग इस सुंदरता को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है, मेरठ रोड तिराहे पर गंदगी तथा धूल को कम किया गया है, केवल शहर वासियों के लिए ही सुखद नहीं बल्कि बाहर से आने वालों को भी गाजियाबाद का यह प्रमुख मेरठ रोड तिराहा स्वच्छ सुंदर शहर का परिचय दे रहा है । मेरठ रोड तिराहे से विजयनगर की ओर जाने वाले मार्ग पर बनाया गया जंक्शन नंबर वन जिसका क्षेत्रफल लगभग 831 स्क्वायर मीटर है जिस पर राहगिरियों की बैठने की व्यवस्था के लिए बेंच भी लगवाई जा रही है। बेहतर प्रकाश व्यवस्था भी की गई है चारों तरफ ग्रिल का कार्य कराया गया है इसी के साथ इंटरलॉकिंग भी लगाई गई है धूल ना उड़े विशेष ध्यान रखा गया है।

- *आकर्षण का केंद्र बना त्रिशूल, सौंदर्यकरण का कार्य भी कराया गया*
- *भव्य रूप से शिव शक्ति का स्वरूप बनाया गया*

1600 स्क्वायर मीटर चारों तरफ ग्रिल लगाने का कार्य पूर्ण

मेरठ से गाजियाबाद शहर की ओर



तथा आनंद विहार और अप्सरा बॉर्डर जाने वाले मार्ग, फैलाई ओवर के नीचे जंक्शन नंबर दो बनाया गया है। जिसका क्षेत्रफल लगभग 1600 स्क्वायर मीटर है जिसमें चारों तरफ ग्रिल लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है भव्य रूप से शिव शक्ति का स्वरूप बनाया गया है इस जंक्शन से जुड़ा हुआ मार्ग भगवान शिव मंदिर दूधेश्वर नाथ को जाता है इसीलिए उसको पूर्ण रूप से भगवान शंकर जी की पेंटिंग बनाकर सुसज्जित किया जा रहा है। धूल ना उड़े इसके लिए विशेष रूप से इंटरलॉकिंग टाइल लगाई गई है तथा लाइटिंग भी की गई है ।

25 फीट का विशाल त्रिशूल बनाया

25 फीट का विशाल त्रिशूल भी बनाया गया है जो की आकर्षण का केंद्र बन रहा है। त्रिशूल रात्रि में और अधिक सुंदर दिखाई देगा। जिसके लिए रंग बिरंगी लाइटिंग भी की जाएगी, लगभग 1 करोड़ में दोनों जंक्शन बनाए गए हैं पूर्ण रूप से व्यवस्थित और आकर्षक बनाए जा रहे हैं जो कि शहर वासियों के लिए बहुत ही अधिक लाभदायक सिद्ध होंगे राहगिरियों को भी राहत मिलेगी ।

पेंटिंग और त्रिशूल बहुत ही आकर्षक केंद्र बने

निर्माण विभाग की टीम लगातार दोनों जंक्शन को बेहतर बनाने के लिए जुटी हुई है विशेष रूप से लगाए गए त्रिशूल की बात करें या पेंटिंग की बहुत ही आकर्षक लग रही है कावड़ यात्रा के समय मेरठ रोड तिराहे से होते हुए लाखों की संख्या में कावड़ यात्री एवं श्रद्धालु अपने-अपने स्थल तक पहुंचाते हैं।

मानव रचना यूनिवर्सिटी में आयोजित हुआ ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2026

सतत विकास और शांति के साथ भविष्य को सशक्त बनाने में सौर ऊर्जा बेहतर मददगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मानव रचना विश्वविद्यालय प्रांगण में दो दिवसीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2026 का आयोजन हुआ। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं व युवा पेशेवरों ने शांति और सतत विकास के लिए सौर ऊर्जा, भविष्य को सशक्त बनाना विषय पर अपने विचार रखे।

सम्मेलन का उद्देश्य भारत के स्वच्छ, विश्वसनीय, समावेशी और टिकाऊ ऊर्जा संक्रमण के लिए व्यावहारिक मार्गों की खोज करना था। मानव रचना शिक्षण संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ अमित भल्ला, यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. डॉ.दीपेंद्र कुमार झा, अतिथियों प्रफुल्ल पाठक, अजय प्रकाश श्रीवास्तव, अश्विनी कुमार, डॉ. मोहम्मद रिहान, डॉ. राहुल वालावलकर और डॉ.आनंदजीत गोस्वामी, डीन डा.संगीता बांगा ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया।

सम्मेलन का उद्देश्य भारत के स्वच्छ, विश्वसनीय, समावेशी और टिकाऊ ऊर्जा संक्रमण के लिए व्यावहारिक मार्गों की खोज करना था

- जमीनी स्तर की आजीविका के अवसरों पर प्रकाश डाला
- उद्योग शिक्षा जगत के बीच सहयोग को प्रमुख उत्प्रेरक माना।
- वैकल्पिक ऊर्जा मार्गों पर हुई चर्चा



उद्योग शिक्षा जगत के बीच सहयोग को प्रमुख उत्प्रेरक माना

वैकल्पिक ऊर्जा मार्गों पर हुई चर्चाओं में ग्रीन हाइड्रोजन, जैव ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, बायो.सीएनजी, टिकाऊ विमानन ईंधन, कार्बन कैप्चर और उभरती स्वच्छ तकनीकों का विश्लेषण कर मजबूत घरेलू आपूर्ति श्रृंखला और उद्योग शिक्षा जगत के बीच सहयोग को प्रमुख उत्प्रेरक माना।

उत्पादक ऊर्जा उपयोग पर विचार सांझा किए

दूसरे दिन का ध्यान वितरित जिम्मेदार ऊर्जा, रूफटॉप सोलर, ग्रामीण विद्युतीकरण और सामुदायिक सौर मॉडल के माध्यम से कार्यान्वयन पर केंद्रित रहा। विशेषज्ञों ने संपत्ति जीवन.चक्र प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण स्थापना, अभिनव वित्तपोषण, मिनी.ग्रिड, एग्रीवोल्टिक्स कृषि.सौर प्रणाली, सौर सिंचाई और उत्पादक ऊर्जा उपयोग पर विचार सांझा किए। सतत ऊर्जा संक्रमण के लिए युवा सत्र में अपशिष्ट.से.ऊर्जा, बायोगैस, सर्कुलर इकोनॉमी पहल और विश्वविद्यालय लिविंग लैब्स को युवाओं द्वारा नवाचार के प्रमुख मंच के रूप में रेखांकित किया गया। सम्मेलन का समापन शांति के लिए सौर ऊर्जा घोषणा के साथ हुआ। प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में सराहे गए किसान अरुण कुमार की उपस्थिति में, विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा को ऊर्जा सुरक्षा, लचीले समुदायों, पर्यावरणीय स्थिरता और शांतिपूर्ण समाजों से जोड़ा गया।

विशेषज्ञों ने शांति के बीच अंतर-संबंधों पर विचार विमर्श किया

विशेषज्ञों ने उद्घाटन सत्र में सौर ऊर्जा, सतत विकास, ऊर्जा सुरक्षा और शांति के बीच अंतर-संबंधों पर विचार-विमर्श किया। डा.अमित भल्ला व प्रो.डा.दीपेंद्र कुमार झा ने भारत देश के विस्तार लेते सौर पारिस्थितिकी तंत्र यानी सोलर इको सिस्टम के साथ-साथ ऊर्जा भंडारण, आंतरायिकता, ग्रिड एकीकरण, पुनर्चक्रण और घरेलू निर्माण से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए इसे देश के सतत विकास में सहायक बताया। इस दौरान ग्रीन हाइड्रोजन, विकेंद्रीकृत माइक्रोग्रिड, एआई.सक्षम ग्रिड प्रबंधन और दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण को भविष्य की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं के रूप में रेखांकित किया गया।

बदलती संगीत शैली और नए लुक की झलक पेश की

बिस्मिल का सूफियाना अंदाज, 'नूर के हवाले' का किया लाइव डेब्यू

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

गायक और परफॉर्मर बिस्मिल ने अपने नए सिंगल 'नूर के हवाले का लाइव डेब्यू किया। सूफी संगीत की रूहानियत, आधुनिक धुनों और रॉयल भारतीय अंदाज के साथ बिस्मिल ने मंच पर अपनी बदलती संगीत शैली और नए लुक की झलक पेश की।

आईंआईटी दिल्ली में आयोजित लाइव परफॉर्मेंस बिस्मिल के लिए उनके म्यूजिक करियर के नए दौर की शुरुआत के तौर पर सामने आई। इस दौरान उनका नया अवतार भी चर्चा में रहा, जिसमें पारंपरिक भारतीय फैशन को मॉडर्न लग्जरी के साथ जोड़ा गया था। उनका यह रॉयल सूफी लुक उनके आगामी टूर के लिए तैयार किए जा रहे नए मंचीय अंदाज का हिस्सा है।

बिस्मिल ने कहा, कि आईंआईटी दिल्ली में परफॉर्म करने को लेकर वे बहुत उत्साहित हैं। युवा और उत्साही दर्शकों के सामने परफॉर्म करने की ऊर्जा हमेशा खास होती है। मैं अपना संगीत, अपना नया अवतार और अपनी यात्रा के इस नए चरण को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं। बिस्मिल का नया ट्रैक 'नूर के हवाले' समकालीन सूफी संगीत की ओर उनके नए प्रयोग को दर्शाता है। भावपूर्ण आवाज, काव्यात्मक शब्दों और आधुनिक संगीत के मेल से तैयार यह गीत प्रेम और समर्पण की भावना को सामने लाता है। गाने का भाव किसी की रोशनी में खो जाने और बिना मंजिल जाने उस सफर पर आगे बढ़ने के इर्द-गिर्द है। लाइव शो में बिस्मिल ने 'नूर के हवाले' के साथ अपने लोकप्रिय गानों की भी प्रस्तुति दी। कैंपस के दर्शकों के लिए तैयार किए गए खास सेट में उनकी भावपूर्ण गायकी के साथ ऊर्जावान परफॉर्मेंस भी देखने को मिली। बिस्मिल का नया मंचीय अवतार संगीत, विरासत और कॉउचर के मेल के साथ उनकी बदलती कलात्मक पहचान को सामने लाता है।



विशाल अदलखा प्रकरण में बार की एकजुटता की जीतः ओ.पी. शर्मा

फरीदाबाद। अधिवक्ता विशाल अदलखा के साथ 21 सितंबर की रात हुए कथित दुव्यवहार के मामले में जिला बार एसोसिएशन की एकजुटता और लगातार किए गए प्रयासों के बाद पुलिस प्रशासन ने अधिवक्ताओं की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। इस मामले में होमगार्ड संदीप तथा पीपी नंबर.3 के पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की शुरुआत की है। कार्रवाई की मांग को लेकर 22 सितंबर को जिला बार द्वारा हड़ताल शुरू की गई थी और इस दौरान पुलिसकर्मियों को अदालत परिसर में प्रवेश की अनुमति भी नहीं दी गई।

बार काउंसिल के पूर्व वाइस चेयरमैन एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ओ.पी. शर्मा ने इस कार्रवाई के बाद सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिला बार की एकजुटता की बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता विशाल अदलखा के साथ हुई घटना को लेकर पूरी बार मजबूती से उनके साथ खड़ी रही।

2 अक्टूबर के आयोजन को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित, सामाजिक संस्थाओं ने दिया सहयोग का संदेश

विशाल चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा को मंच देगी मिशन जागृति

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद



मिशन जागृति द्वारा आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाली विशाल चित्रकला प्रतियोगिता के संबंध में आज प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने आयोजन के उद्देश्य और बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के महत्व पर अपने विचार रखे।

मिशन जागृति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक गौतम ने कहा कि संस्था का प्रयास बच्चों को ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी कल्पना, भावनाओं और विचारों को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाने का अवसर है। हम अभिभावकों और विद्यालयों से अपील करते हैं कि बच्चों की भागीदारी को प्रोत्साहित करें। संस्था के संरक्षक कविंदर चौधरी ने कहा कि मिशन जागृति बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे आयोजन बच्चों को सकारात्मक दिशा देते हैं और उनमें आगे बढ़ने का उत्साह पैदा करते हैं। बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। सोहम चैरिटेबल ट्रस्ट की प्रतिनिधि प्रतिमा गर्ग ने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, जिसे उचित अवसर और प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि चित्रकला बच्चों को अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता देती है।

मिशन जागृति का प्रयास सराहनीय

रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद के तेजेंद्र भारद्वाज ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ कला और रचनात्मक गतिविधियां भी आवश्यक हैं। मिशन जागृति का यह प्रयास सराहनीय है। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से ऐसे आयोजनों का लाभ अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचाया जा सकता है। मिशन जागृति के फरीदाबाद जिला अध्यक्ष दिनेश राघव ने कहा कि आयोजन को सफल बनाने के लिए संगठन के साथी और सहयोगी संस्थाएं मिलकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने विद्यालयों, अभिभावकों और समाजसेवियों से प्रतियोगिता में भागीदारी एवं सहयोग की अपील की। इस अवसर पर अशोक भाटेज, राजेंद्र नागर, भावना चौधरी, सरदार गुरमीत आदि।

महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश लेकर निकली रैली

गुरुग्राम। डीपीजी डिग्री कॉलेज के कला एवं मानविकी विभाग की ओर से सोमवार को महिला सुरक्षा एवं संरक्षा विषय पर जागरूकता रैली निकाली गई। सुबह 10 से 11 बजे तक आयोजित रैली का शुभारंभ ब्लॉक-ए के रिसेप्शन एरिया से हुआ। रैली का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और समान अधिकारों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना रहा। रैली में करीब 80 विद्यार्थियों के साथ शिक्षक और स्टाफ सदस्य भी शामिल हुए। विद्यार्थियों ने हाथों में महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा के अधिकार और लैंगिक समानता से जुड़े संदेश लिखे चार्ट, बैनर और प्लेकार्ड लेकर जागरूकता का संदेश दिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। साथ ही सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी वातावरण बनाने के लिए सभी से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसएस बोकेन ने कला एवं मानविकी विभाग की पहल की सराहना की।

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/ सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां, (सोनीपत)	बीपीएसएमवी खानपुर कलां में एचआरडीसी / एमएमटीटीसी हॉस्टल बिल्डिंग के पुनरोद्धार हेतु निविदा (पुनः आमंत्रित)।	29.09.2026 29.10.2026	रु. 20,35,643/-	https://etenders.hry.nic.in	9416486361

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/49835/I/88/7 दि. 30.09.26

उत्तर रेलवे
ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जी, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर एनएफआर के विविध अनुबंधों के आवंटन के लिए ई–निविदा आमंत्रित किया है।

ई–कैटलॉग नं.	परिसंपत्ति का प्रकार	रेलवे स्टेशन	ई–नीलामी के लिए दिनांक और समय
Advt-Sept-07-26	विनाइल स्टिकर/बाहरी रैपिंग	ट्रेन संख्या 14041/42	प्रारंभ होने का समयः 12.10.2026 को 11:00 बजे
Advt-Sept-07-26	प्रतीक्षालय	सोनीपत रेलवे स्टेशन	प्रारंभ होने का समयः 12.10.2026 को 11:00 बजे
Advt-Sept-07-26	स्टेशन परिसर में विज्ञापन (गैर–डिजिटल)	कुरुक्षेत्र, करनाल व पानीपत रेलवे स्टेशन	प्रारंभ होने का समयः 12.10.2026 को 11:00 बजे
Advt-Sept-07-26	आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (EMR)	मेरठ शहर, गाजियाबाद, सराय रोहिल्ला, पानीपत, रोहतक रेलवे स्टेशन पर ।	प्रारंभ होने का समयः 12.10.2026 को 11:00 बजे
वेबसाइट विवरण जहां ई–नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है		https://ireps.gov.in/ (E-Auction-Leasing)	

सं.: 7PUB/e-Auction/NIT-2026 दिनांक: 29.09.2026 3391/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सार्वजनिक सूचना
खेल विभाग, हरियाणा
ताऊ देवी लाल खेल परिसर, सेक्टर-3, पंचकूला, हरियाणा-134109
संपर्क नं. : 0172-2992868, ई-मेल आईडी : sportshry@gmail.com
जीईएम बोली आमंत्रण सूचना

खेल विभाग, हरियाणा पात्र एवं प्रतिष्ठित निर्माताओं, अधिकृत डीलरों/आपूर्तिकर्ताओं से निम्नलिखित खेलों के लिए खेल उपकरणों की अधिप्राप्ति और आपूर्ति हेतु जीईएम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित करता है :

क्र. सं.	खेल संकाय का नाम	बोली सं.	प्रकाशन की तिथि	बंद होने की तिथि
1	हॉकी	GEM/2026/B/8050253	18.09.2026	12.10.2026 (1600 बजे)
2	तैराकी	GEM/2026/B/8054614	28.09.2026	17.10.2026 (1600 बजे)
3	ताइक्वांडो	GEM/2026/B/8053540	28.09.2026	16.10.2026 (1600 बजे)
4	साइक्लिंग	GEM/2026/B/8053125	29.09.2026	15.10.2026 (1300 बजे)
5	फेंसिंग	GEM/2026/B/8061736	29.09.2026	21.10.2026 (1300 बजे)
6	भारोत्तोलन	GEM/2026/B/8054794	29.09.2026	17.10.2026 (1700 बजे)
7	तीरंदाजी	GEM/2026/B/8096432	30.09.2026	26.10.2026 (1300 बजे)
8	एथलेटिक्स	GEM/2026/B/8099206	30.09.2026	31.10.2026 (1800 बजे)
9	बैडमिंटन	GEM/2026/B/8095560	30.09.2026	20.10.2026 (1200 बजे)
10	क्रिकेट	GEM/2026/B/8096139	30.09.2026	24.10.2026 (1300 बजे)
11	सामान्य खेल उपकरण	GEM/2026/B/8096750	30.09.2026	26.10.2026 (1400 बजे)
12	जिम्नास्टिक्स	GEM/2026/B/8094221	30.09.2026	28.10.2026 (1900 बजे)
13	लॉन टेनिस	GEM/2026/B/8097624	30.09.2026	29.10.2026 (1500 बजे)
14	वुशु	GEM/2026/B/8097842	30.09.2026	02.11.2026 (1600 बजे)

इच्छुक बोलीदाताओं को विस्तृत विशिष्टियों, पात्रता मानदंड, नियम एवं शर्तों, बोली दस्तावेजों तथा बोलियां जमा करवाने हेतु जीईएम पोर्टल पर पधारने का परामर्श दिया जाता है।
पीआरडीएच-1107/11/59/2027/49833/88/7 दि. 30.09.26

वाटिका ग्रुप से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

वाटिका ग्रुप के सीएमडी अनिल भल्ला और प्रमोटर गौतम भल्ला गिरफ्तार

धर्मेंद्र कौशिक ⏭ गुरुग्राम

प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने वाटिका ग्रुप से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए वाटिका लिमिटेड के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल भल्ला और ग्रुप के प्रमोटर गौतम भल्ला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को मंगलवार को गुरुग्राम की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें 3 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है। ईडी के गुरुग्राम जोनल ऑफिस ने दोनों को सोमवार को पीएमएलए, 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया। एजेंसी के मुताबिक, मामले में करीब 154.36 करोड़ रुपए की अपराध से अर्जित आय (प्रोसीड्स ऑफ़ क्राइम) फिलहाल चिन्हित की गई है। ईडी की जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। एजेंसी का आरोप है कि 2010 से 2012 के बीच सात खरीदार संस्थाओं ने गुरुग्राम के वाटिका इंडिया नेक्स्ट और वाटिका इंडिया नेक्स्ट-2 प्रोजेक्ट्स में आवासीय प्लॉट के लिए करीब 260 करोड़ रुपये की पूरी बिक्री राशि अग्रिम जमा की, लेकिन बड़ी संख्या में प्लॉट अब तक खरीदारों को नहीं दिए गए।

1.10 लाख वर्ग गज जमीन की कीमत लगभग 90 करोड़ रुपए

जांच के अनुसार, प्रोजेक्ट के लेआउट में बदलाव के बाद पहले आवंटित प्लॉटों की संख्या और स्थिति बदली गई तथा संबंधित जमीन अलग-अलग खरीदारों को आवंटित और बेची जाती रही। ईडी का कहना है कि वाटिका इंडिया नेक्स्ट-2 में करीब 1.10 लाख वर्ग गज जमीन, जिसकी कीमत लगभग 90 करोड़ रुपए बताई गई है, करीब 14 साल बाद भी खरीदारों को नहीं सौंपी गई। वहीं वाटिका इंडिया नेक्स्ट में भी डिलीवरी आंशिक रही और करीब 140.73 करोड़ रुपये मूल्य के प्लॉट अब तक लंबित बताए गए हैं। ईडी के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया कि खरीदारों से प्राप्त रकम का इस्तेमाल केवल संबंधित प्रोजेक्ट्स में नहीं हुआ, बल्कि उसे अन्य ग्रुप कंपनियों और प्रमोटर से जुड़ी संस्थाओं में ट्रांसफर किया गया। एजेंसी ने करीब 22 ग्रुप कंपनियों का भी जिक्र किया है, जिनके पास कर्मचारी या अलग कारोबारी गतिविधियां नहीं थीं और जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर जमीन के प्रबंधन, कॉरपोरेट गारंटी और लैंड बैंक को नियंत्रित करने के लिए किया जाता था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 (2) (i) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शिवम झा पुत्रः** अनिल कुमार झा, **निवासः** म.नं. C-331, गली नं. 41, पॉवर हाउस, 7 फुटा रोड़, शनि मंदिर के नज़दीक, सागरपुर, दिल्ली ने **FIR No. 29602/2021 U/s 411 IPC., थानाः हरी नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शिवम झा** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शिवम झा** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 29602/2021 U/s 411 IPC., थानाः हरी नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शिवम झा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मोक्षा बैंस
जेएमएफसी-II (पश्चिम), कमरा नं. 206
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13869/WD/2026
(Court Notice)

खबर संक्षेप

मधुबनी में 102 किलो गांजा बरामद

पटना। मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मधुबनी पुलिस ने 102 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 51 लाख रुपये बताई गई है। एसएसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि मधवापुर थाना की टीम को बुधवार रात गश्त के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि ब्रह्मपुरी गांव से चार पहिया वाहन में गांजा ले जाया जा रहा है।



2 अक्टूबर से प्रदेश में वन्यजीव सप्ताह कार्यक्रम होंगे

रांची। वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से झारखंड वन विभाग की ओर से दो अक्टूबर से वन्यजीव सप्ताह मनाया जाएगा। इसे लेकर बुधवार को फॉरेस्ट हेडक्वार्टर में पत्रकारवार्ता आयोजित की गई।



मासूम से दरिंदगी , 20 साल का कठोर कारावास

लखनऊ। मासूम की चीख, लोगों की तत्परता और अदालत का त्वरित न्याय... शहर के सरायमीरा में दस वर्षीय बच्ची से दरिंदगी करने वाले युवक को आखिरकार उसकी करतूत की सजा मिल गई। विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) की अदालत ने युवक को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दो लाख रुपए का भारी-भरकम जुर्माना भी ठोका गया है।

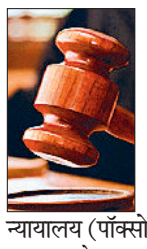

सीएम योगी का बड़ा ऐलान दिव्यांगजन पेंशन में फिर बढ़ोतरी करेगी सरकार

सेवा संकल्प अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में 509 दिव्यांगजनों को वितरित किए 664 सहायक उपकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को दिव्यांगजनों की पेंशन में एक बार फिर बढ़ोतरी का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि पहले 300 रुपए पेंशन मिलती थी। सरकार ने इसे पहले 500 और फिर एक हजार रुपए किया। अब कुछ दिनों में इसमें फिर बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत गोरखपुर क्लब में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग और गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां 509 दिव्यांगजनों को 664 सहायक उपकरण वितरित किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज की प्रगति की पहचान केवल इमारतों से नहीं होती। असली कसौटी यह है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक कितनी सहजता से पहुंच रहा है। बिना भेदभाव अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुशासन का पहला सूत्र है।

- प्रदेश के सभी 18 मंडलों में स्थापित होंगे जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, दिए गए निर्देश
- सही साधन और प्रशिक्षण मिले तो क्षमता छू सकती है ऊंचाई: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा का भेद किए बिना योजनाओं का लाभ हर तबके तक पहुंचा है। उन्होंने 'अयोग्यो पुरुषो नास्ति' का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, जरूरत उसे अवसर से जोड़ने वाले की होती है।

सीएम योगी ने कहा-प्रतिभा को दया नहीं, अवसर चाहिए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शारीरिक चुनौती प्रतिभा की राह में बाधा नहीं बन सकती। प्रतिभा को दया नहीं, अवसर चाहिए। सही साधन और प्रशिक्षण मिले तो प्रतिभा अपनी क्षमता की ऊंचाई तक पहुंच सकती है। उन्होंने ऋषि अष्टावक्र, सूरदास, रवींद्र जैन और अरुणिमा सिन्हा के साथ पैरालंपिक खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि पदक केवल मजबूत भुजाओं से नहीं, मजबूत हौसलों से जीते जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग कर समाज का दृष्टिकोण बदलने का प्रयास किया।

हर विधानसभा क्षेत्र में लगेंगे शिविर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2026-27 में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में शिविर लगाकर पेंशन से छूटे दिव्यांगजनों को योजनाओं से जोड़ने का लक्ष्य है। प्रदेश में 17 लाख से अधिक दिव्यांगजनों की डिजिटल पहचान मजबूत कर उन्हें कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। दिव्यांगजन सशक्तीकरण की शुरुआत बचपन से होनी चाहिए।

गंडक के बढ़ते जलस्तर के बीच योगी सरकार का राहत अभियान तेज, प्रभावितों तक शीघ्र पहुंच रही मदद

कुशीनगर में बाढ़ राहत को युद्धस्तर पर किया गया सक्रिय, एनडीआरएफ-एसडीआरएफ समेत टीमें तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ/कुशीनगर

उत्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति को लेकर योगी सरकार की ओर से प्रशासन को पूरी तरह सक्रिय रखा गया है। कुशीनगर में बड़ी गंडक नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि के बाद राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने जिला प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने प्राथमिकता पर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ ही उन्हें समय पर भोजन, राशन और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराया है।

राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक 29 सितंबर को सुबह आठ बजे बड़ी गंडक नदी का जलस्तर 96.48 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के बिंदु 96 मीटर से 0.48 मीटर ऊपर था। वाल्मीकि नगर बैराज से भी बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण खड्डा तहसील के 18 और तमकुहीराज तहसील के 14 गांव प्रभावित हुए हैं।

बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए 16 राहत शिविर और 10 बाढ़ चौकियां सक्रिय

- 13 हजार से अधिक लंच पैकेट और 2100 राशन किट बांटे
- सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए जा रहे लोग



प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

राहत कार्यों के तहत प्रभावित गांवों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 10 बाढ़ चौकियां और 16 राहत शिविर स्थापित किए हैं। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रभावित परिवारों की जरूरतों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी भी तैनात

बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी बाढ़ राहत दलों की टीमें तैनात की गई हैं। साथ ही स्थानीय स्तर पर भी नावों की व्यवस्था की गई है।

16 सामुदायिक रसोई से उपलब्ध कराया जा रहा भोजन

प्रभावित लोगों को भोजन की समस्या न हो, इसके लिए खड्डा तहसील में 13 और तमकुहीराज तहसील में तीन सामुदायिक रसोई स्थापित की गई हैं। इन रसोइयों के माध्यम से प्रभावित परिवारों को नियमित भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा प्रशासन की ओर से 13,030 लंच पैकेट और 2,100 राशन किट वितरित किए जा चुके हैं। राहत सामग्री की उपलब्धता और वितरण की लगातार निगरानी की जा रही है।

प्लास्टिक हमारे लिए अभिशाप, बांस उद्योग के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध

बांसकार समाज के हुनर को मिलेगा व्यापक बाजार, सरकार करेगी हरसंभव सहयोग: उपमुख्यमंत्री



हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बांस भारत की समृद्ध लोक परंपरा, संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा रहा है। बांसकार समाज ने पीढ़ियों से अपनी मेहनत, हुनर और कारीगरी के माध्यम से इस परंपरा को जीवंत रखा है। आवश्यकता है कि इस पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक और बाजार से जोड़कर बांसकार समाज के लिए रोजगार एवं आर्थिक उन्नति के नए अवसर सृजित किए जाएं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बुधवार को लखनऊ में आयोजित 'बांसकार समाज महासम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे।

सरकार बांस के उपयोग को दे रही बढ़ावा

उन्होंने कहा कि केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार बांस के उपयोग को बढ़ावा देने तथा बांसकार समाज के पारंपरिक हुनर को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। बांस आधारित उत्पादों और उद्योगों को प्रोत्साहन मिलने से कारीगरों के लिए रोजगार, स्वरोजगार और आय के नए अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। इससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

गौरव यात्रा को दिखाई हरी झंडी

युक्रेन युद्ध के ...

सकेगी।

भर्ती से मिलेगा अस्थायी लाभ: मंत्रालय ने नौकरी से मिलने वाले फायदे को लेकर भी अपने परामर्श में पूरी तस्वीर साफ करते हुए कहा कि इससे होने वाला लाभ कहीं से भी स्थायी नहीं होगा। ऐसे में कोई भी फैसला करने से पहले सौ बार जरूर सोचें। कई गैर-सार्वजनिक संस्थाओं द्वारा भी रूस की सेना के लिए युद्ध लड़ने के लिए विदेशी नागरिकों को भर्ती करने की प्रक्रिया जारी है। जिसे देखते हुए यह सलाह दी जाती है कि आम लोग मंत्रालय से गैर-पंजीकृत और ऐसे किसी भी एजेंट के मकड़जाल में फंसने से बचें।

लोगों का अपनी ...

नौकरी पाने के इच्छुक लोगों ने खुद अपने स्तर पर भारतीय अधिकारियों से संपर्क साधा है। जिसमें वो देश की नागरिकता को छोड़कर रूस का पासपोर्ट प्राप्त करने और उसके बाद मास्को की सेना में भर्ती होना चाहते हैं। इनमें कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने बिना किसी पूर्व सलाह के पहले ही ऐसा कदम उठा लिया है।

रूस की सेना...

जानकारी बीते वक्त में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दी थी। उधर, रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने को लेकर भारत ने दोनों देशों के अलावा अन्य सभी संबंधित पक्षों से बातचीत और कूटनीति के रास्ते को अपनाने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कई मौकों पर यह कह चुके हैं कि यह युग युद्ध का नहीं है और विवाद का समाधान युद्धक्षेत्र में नहीं निकाला जा सकता है। उसके लिए संवाद और कूटनीति के मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

कंपाउंड आर्चरी में ...

पदकों की संख्या 60 हो गई है, जिसमें 10 स्वर्ण शामिल हैं। भारत मेडल टैली में ईरान को पीछे छोड़कर सातवें स्थान पर पहुंच गया है। कंपाउंड आर्चरी में भारत ने गोल्ड की हैट्रिक पूरी की। महिला टीम और मिक्स्ड टीम के बाद पुरुष टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पुरुष टीम के फाइनल में भारत ने चीन को बेहद रोमांचक मुकाबले में 238-237 से हराया। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु की भारतीय तिकड़ी एक समय दो अंक पीछे थी, लेकिन आखिरी एंड में शानदार वापसी करते हुए एक अंक से जीत दर्ज की।

भारत 7वें स्थान पर: एशियन गेम्स के 11वें दिन भारत ने 4 स्वर्ण पदक जीते। इनमें 3 गोल्ड तीरंदाजी और 1 निशानेबाजी में आया। इसके साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 60 हो गई है, जिसमें 10 स्वर्ण शामिल हैं। भारत ने ईरान को पीछे छोड़ते हुए मेडल टैली में 7वां स्थान हासिल कर लिया है।

साउथ कोरिया को 2-0 हराकर फाइनल में भारत: भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इशिका ने पेनल्टी कॉर्नर की वैरिएशन पर पहला गोल किया, जबकि कप्तान सलिमा ने दूसरे हाफ में बढ़त दोगुनी कर दी। अब भारत का गोल्ड मेडल मुकाबला चीन से 2 अक्टूबर को होगा।

चिकिथा का डबल गोल्ड: चिकिथा तनिपर्थी ने भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने पहले महिला टीम इवेंट में स्वर्ण हासिल किया और इसके बाद साहिल जाधव के साथ मिक्स्ड टीम का खिताब भी अपने नाम किया। इसके साथ ही कंपाउंड आर्चरी में भारत के खाते में तीन गोल्ड आए।

नीरू-कायनन ने बनाया एशियन रिकॉर्ड: निशानेबाजी के ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में नीरू ढांडा और कायनन चेनाई ने भी भारत को स्वर्ण दिलाया। क्वालिफिकेशन में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 34 का स्कोर कर पहला स्थान हासिल किया। कतर के मोहम्मद अल-रुमैही और रे बासिल ने 32 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। नीरू और कायनन ने स्वर्ण के साथ नया एशियन रिकॉर्ड भी बनाया। इससे पहले 30 का रिकॉर्ड कतर के नाम था।

खरगे ने कहा-...

कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की प्रतिक्रियाएं आने के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तत्काल पलटवार करते हुए साफ शब्दों में कह दिया कांग्रेस के नेता ही राहुल गांधी को नेता मानने के लिए तैयार नहीं हैं आपस में घमासान मचा हुआ है। जहां तक मार्च का सवाल है तो ये मार्च केवल परिवार बचाव मार्च तक सीमित है इससे आगे कुछ नहीं होगा।

इंडिया गठबंधन की बुधवार को हुई बैठक में विपक्षी रणनीति को और धारदार बनाने को लेकर खास रणनीति तैयार की गई। इस दौरान विपक्षी नेताओं की ओर से कई बड़े फैसले लिए गए। इनमें 6 अक्टूबर को विपक्षी सांसदों की ओर से चुनाव आयोग तक मार्च करना भी शामिल है। खरगे ने कहा कि इंडिया ब्लॉक ने युवाओं, राजनीतिक दलों और लोकतंत्र एवं संविधान में विश्वास रखने वाले लोगों के लिए कार्यक्रम तय किए हैं। 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकाला जाएगा। यह मार्च सभी जिलों में आयोजित होगा। इसके जरिए लोगों को जागरूक किया जाएगा और जिला अधिकारियों के कार्यालय में ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इंडिया गठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमला किया है। उन्होंने कहा कि जो दोषी हैं, उन्हें सजा मिलनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि जब ज्ञानेश कुमार जाएंगे, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जाएंगे। खरगे ने कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली में बड़ी मेगा रैली आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं और अब लोग भी इस मुद्दे को समझ रहे हैं। ममता बेनर्जी ने भी कई मौकों पर वोट चोरी का मुद्दा उठाया है। खरगे ने कहा कि पहले लोग इन आरोपों पर विश्वास नहीं करते थे, लेकिन अब चुनाव आयोग के सामने आए तथ्यों के बाद कथित वोट चोरी की सच्चाई सामने आ रही है।

राहुल ने पूछा- ज्ञानेश कुमार को आजीवन इम्युनिटी क्यों?

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कानून के तहत मिले संरक्षण को लेकर सवाल उठाए हैं। राहुल ने बुधवार को पूछा कि ज्ञानेश कुमार को 'आजीवन इम्युनिटी' क्यों दी गई है? राहुल गांधी ने खुद ही इस सवाल का जवाब देने की कोशिश की है। राहुल ने बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सीईसी ज्ञानेश कुमार ही ऐसे एकमात्र भारतीय क्यों हैं जिन्हें आजीवन पूर्ण कानूनी सुरक्षा मिली हुई है? राहुल गांधी ने इस सवाल के जवाब में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ज्ञानेश कुमार का इस्तेमाल 'चुनाव चोरी करने' के लिए करते हैं। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि विपक्षी दलों ने लंबे समय से ईवीएम, मतदाता सूची में हेरफेर और अस्पष्ट बदलाव को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष कहा कि राहुल गांधी ने कर्नाटक, हरियाणा और महाराष्ट्र में कथित अनियमितताओं को प्रमाण के साथ सामने रखा तथा इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने भी इस संबंध में सवाल और आपत्तियां उठाईं। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया।

चुनाव आयोग ने ...

नियम, 1960 के तहत लागू सामान्य फॉर्म का ही इस्तेमाल किया जाएगा। इसी के बाद एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुके राज्यों में फॉर्म 6 से अतिरिक्त घोषणा को हटा दिया गया है। अगर कोई व्यक्ति पहली बार मतदाता बन रहा है और उसका नाम वोटर लिस्ट में जोड़ना है, तो उसे फॉर्म 6 भरना होता है। यह कोई नया फॉर्म नहीं है। फॉर्म 6 पहले से निर्धारित वैधानिक फॉर्म है और इसका इस्तेमाल नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए होता है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान वोटर लिस्ट की गहन जांच और पुनरीक्षण किया जा रहा था। इसी प्रक्रिया के तहत नए मतदाता के फॉर्म 6 के साथ एक अतिरिक्त घोषणा जोड़ दी गई। चुनाव आयोग ने इसे मूल फॉर्म 6 में बदलाव के बजाय अतिरिक्त एनेक्सर बताया। आयोग के मुताबिक एसआईआर के दौरान फॉर्म 6 के साथ यह अतिरिक्त घोषणा देनी थी। घोषणा के तहत नए आवेदक से पुराने वोटर रिकॉर्ड को लेकर विकल्प चुनने को कहा गया था। मसलन, आवेदक को यह बताना था कि क्या उसका अपना नाम पिछली एसआईआर के दौरान बनी पुरानी वोटर लिस्ट में था?

इंडी गठबंधन राहुल...

कांग्रेस और इंडी गठबंधन संवैधानिक संस्थाओं, न्यायपालिका और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाकर अपनी हार का बहाना खोज रहे हैं। चौहान ने कहा कि एक के बाद एक चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद देश यह सोचता था कि कांग्रेस अपनी गलतियों पर जनता से माफी मांगेगी और आत्मचिंतन करेगी। लेकिन कांग्रेस ने तय कर रखा है कि हम नहीं सुधरेंगे। चाहे मल्लिकार्जुन खड़गे हों या राहुल गांधी, कांग्रेस लगातार अपनी गलतियों पर माफी मांगने के बजाय भ्रम फैला रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं और मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं। आज इंडी गठबंधन की बैठक थी, लेकिन बैठक के पहले ही गठबंधन बिखर गया। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य, जहां चुनाव होने वाले हैं, अगर मुद्दा इतना महत्वपूर्ण है तो अखिलेश यादव बैठक में क्यों नहीं थे? एम. के. स्टालिन भी नहीं थे। डीएमके ने तो कह दिया है कि जहां कांग्रेस रहेगी, हम बैठेंगे ही नहीं। अरविंद केजरीवाल भी नहीं थे। उद्धव ठाकरे फिजिकली नहीं जुड़े, वर्चुअली जुड़े। वहीं, हेमंत सोरेन का अता-पता नहीं था। इंडी गठबंधन की हालत तो यह हो गई है कि 'एक दिल के टुकड़े हजार हुए, कोई इधर गिरा, कोई उधर गिरा।' सच तो यह है कि इंडी गठबंधन राहुल गांधी को नेता मानने के लिए तैयार नहीं है। यह राहुल गांधी की अपने आपको स्थापित करने और री-लॉन्च करने की 50वीं बार कोशिश है। मगर आखिर वे कितनी बार कोशिश करेंगे? इंडी गठबंधन तो राहुल गांधी को नेता मानता ही नहीं है। कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की बैठक में राहुल गांधी कह रहे थे कि, "मुझ पर भरोसा करो, मुझ पर भरोसा करो, मुझ पर विश्वास करो।" अर्थात कांग्रेस को ही राहुल गांधी पर भरोसा नहीं है। ये अलग-अलग तरह से भ्रम फैला रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी इंडी गठबंधन की जो बैठक हुई, उसका नतीजा है—शून्य विजन, 100 प्रतिशत हताशा और हार का एडवांस बहाना। आने वाले चुनाव से पहले ही हार की भूमिका तैयार कर दो। ये अभी से हार के बहाने ढूंढ रहे हैं। 2 से 8 अक्टूबर तक कार्यक्रम घोषित किया गया है, 'सेव डेमोक्रेसी मार्च'। यह 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' नहीं है, यह 'सेव डायनेस्टी मार्च' है। लेकिन जनता ने तय कर लिया है कि अब परिवारवाद की राजनीति चलने नहीं देंगे। राहुल गांधी ने बंगाल चुनाव के पहले एक वीडियो जारी करके कहा था कि ममता बनर्जी की गलतियों के कारण बंगाल में भाजपा जीत रही है। एसआईआर के कारण नहीं, ममता बनर्जी की गलतियों के कारण भाजपा जीत रही है। राहुल गांधी ने खुद ही असली कारण बता दिया था। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, तब इंडी गठबंधन, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे या तो अदालतों पर सवाल उठाने लगते हैं या संवैधानिक संस्थाओं का राजनीतिकरण करने लगते हैं। अगर कोई अदालत मन के मुताबिक फैसला न दे, तो न्यायपालिका पर सवाल उठाते हैं। राहुल गांधी को इसका जवाब देना चाहिए। राहुल गांधी विदेशी धरती पर जाकर विदेशी शक्तियों से भारत के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने की वकालत करते हैं। ये देश की बात करेंगे? देश के लोकतंत्र की बात करेंगे? सारी तिकड़में करने के बाद भी जब जनता के दिल से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को नहीं हटा पाए, तो एक बार फिर देश में अराजकता और अशांति फैलाने की साजिश रच रहे हैं।

रबी सीजन के ...

है। सरकार के मुताबिक एमएसपी में बढ़ोतरी से किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। दिल्ली में स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंटतीसरे फैसले के तहत दिल्ली के लिए इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को मंजूरी दी गई है। इसके जरिए तकनीक की मदद से ट्रैफिक की निगरानी और प्रबंधन बेहतर किया जाएगा। सिस्टम का इस्तेमाल यातायात जाम कम करने, सड़क सुरक्षा बढ़ाने और वाहनों की आवाजाही को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने में किया जाएगा।

हवा में था विमान, ...

पर काबू पाया। 2020 में रिश्ते सामान्य होने के बाद यूएई और इजराइल के बीच वाणिज्यिक उड़ानें जारी हैं, लेकिन इस खौफनाक वारदात ने विमानन सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईरानी नाव संग ...

ऐसी कुल 25 घटनाएं सामने आई हैं। जिनमें तटरक्षकबल ने अभियान चलाकर 8 हजार किलोग्राम से अधिक की मात्रा में नशीले पदार्थों (नारकोटिक्स) को जब्त किया है। इनका बाजार मूल्य 43 हजार करोड़ रुपए से अधिक है। वहीं, इसी अवधि में निषिद्ध माल (कांट्राबैंड) की बात करें तो उससे जुड़ी कुल 89 घटनाएं बल के सामने आई हैं, जिनमें 4 लाख किलोग्राम से अधिक का प्रतिबंधित माल पकड़ा गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जिसकी कीमत 127.571 करोड़ रुपए है।

ईरान की नाव की आड़ में नहीं दे पाए धोखा: अभियान के दौरान आईसीजी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए समुद्री इलाके में सटीक समुद्री हवाई निगरानी और लगातार नजर बनाए रखी। जिसका परिणाम 526 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन और मेथामफेटामाइन जैसे नशीले पदार्थों की जब्ती और पाकिस्तान के पांच नागरिकों की गिरफ्तारी के रूप में सामने आया है। अपनी कार्रवाई के दौरान बल ने सबसे पहले ईरान की एक संदिग्ध नाव का पीछा करते हुए उसे रोका। बाद में व्यापक जांच पड़ताल के बाद उसमें मौजूद मादक पदार्थों को जब्त किया गया है। फिलहाल नशीले पदार्थों की इस खेप को आगे की पड़ताल के लिए मुंबई लेकर जाया गया है।

'नशा मुक्त भारत' अभियान को मिलेगी मजबूती: तटरक्षकबल और गुजरात एटीएस का यह साझा अभियान 'ऑपरेशन नशा मुक्त भारत' के राष्ट्रीय विजन में महत्वपूर्ण योगदान के समान है। इसके अलावा यह नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने और समुद्री इलाकों में गैर-कानूनी गतिविधियों को लेकर बनी हुई आईसीजी की शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस) की नीति को लेकर बनी हुई प्रतिबद्धता को भी बखूबी प्रदर्शित करता है।

2026 में सामने आई 4 घटनाएं: बीते 5 वर्षों में तटरक्षकबल द्वारा चलाए गए 25 अभियानों के जरिए 8 हजार 46.821 किलोग्राम मादक पदार्थों की खेप पकड़ी गई है। जिसकी वैश्विक बाजार में कीमत 43 हजार 543.214 करोड़ रुपए है। मौजूदा साल 2026 में कुल 4 मामले सामने आए हैं। जिसमें पहले के 3 मामलों में 166.977 किलोग्राम नशीले पदार्थ को जब्त किया गया। जिसकी कीमत 1 हजार 174 करोड़ रुपए है। जबकि 25 सितंबर को सामने आए मामले में 526 किलोग्राम नशीले पदार्थों की खेप पकड़ी गई और उसका बाजार मूल्य 3 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसके साथ ही ये स्पष्ट हो जाता है कि मौजूदा साल में कुल 4 हजार 174 करोड़ रुपए का मादक पदार्थ तटरक्षकबल ने जब्त किया है। जबकि इसके अलावा निषिद्ध माल की बात करें तो 2022 से 2026 तक ऐसे कुल 89 मामले सामने आए हैं। जिनमें तटरक्षकबल ने देश की अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ अभियान चलाकर 4 लाख 54 हजार 126.796 किलोग्राम निषिद्ध माल जब्त किया है। जिसकी कीमत 127.571 करोड़ रुपए है।

2022 में समुद्री क्षेत्र में बढ़ी तस्करी : पूर्व अवधि में मादक पदार्थों की तस्करी के सबसे ज्यादा 9 मामले 2022 में सामने आए और उनमें 2 हजार 907.540 करोड़ रुपए के बाजार मूल्य वाला 886.5 किलोग्राम वजनी नशीला पदार्थ पकड़ा गया था। इसके अगले साल 2023 में आईसीजी के समक्ष ऐसा सिर्फ 1 ही मामला सामने आया और उसमें तटरक्षकबल ने 425 करोड़ रुपए की कीमत वाला 61 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया। 2024 में 7 मामले हुए, 6 हजार 477.16 किलोग्राम मादक पदार्थ पकड़ा गया था। जिसका बाजार मूल्य 37 हजार 193.25 करोड़ रुपए था। इसी प्रकार से 2025 में समुद्री क्षेत्र में कुल 5 घटनाएं हुईं। जिनमें 455.634 किलोग्राम के साथ 1 हजार 843.649 करोड़ रुपए का नशीला पदार्थ जब्त किया गया।

सेना ने जम्मू-...

की इसमें अहम भूमिका रही है। सेना के एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि मूसा का मारा जाना जम्मू- कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है।

खुफिया इनपुट संग की गई कार्रवाई: सेना की पोस्ट के मुताबिक, उनकी इस कार्रवाई का आधार खुफिया इनपुट रही। जिसकी मदद से सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय अर्धसैन्यबलों ने एक संयुक्त अभियान चलाकर आतंकियों की धरपकड़ के लिए 29 सितंबर की रात यूसमर्ग के कोराग इलाके में एक सघन तलाशी अभियान चलाया था। शुरुआत में सैनिकों को कुछ संदिग्ध गतिविधि दिखाई दी। उन्होंने चेतावनी दी जिसे आतंकियों ने अनसुना कर गोलीबारी की। जिसका पूरी मजबूती के साथ जवाब दिया गया और एक आतंकी हाशिम मूसा को मार गिराया गया है। सेना द्वारा इलाके में अभी भी सैन्य अभियान (कॉम्बिंग ऑपरेशन) चलाया जा रहा है। जिसके पीछे की असल वजह इलाके में लश्कर या पाकिस्तान समर्थित कुछ अन्य आतंकी संगठनों के दहशतगर्दों की मौजूदगी का होना है।

5 सितंबर से ढूंढ रही थी सेना: आतंकी मूसा केंद्रशासित प्रदेश में हुई कई हमलों को लेकर वांछित था। सेना के साथ हुई उसकी ये दूसरी मुठभेड़ थी। इससे पहले 4 से 5 सितंबर के बीच भी सैन्य बल के साथ हुई उसकी मुठभेड़ में वह बच निकला था। उस दौरान मूसा का एक साथी व एक अन्य आतंकवादी यासिर मारा गया था। सेना 5 सितंबर से ही उसकी बड़े पैमाने पर तलाश कर रही थी। इस दौरान उसके इलाके के जंगल में छिपे हुए होने की आशंका बनी हुई थी। आतंकी मूसा का काम तमाम होने के साथ ही सेना सहित अन्य सुरक्षाबलों द्वारा 2022 से लेकर अब तक जम्मू-कश्मीर में सक्रिय लश्कर के 4 आतंकियों का खात्मा किया जा चुका है। मौजूदा सितंबर महीने की बात करें तो उसमें 5 आतंकवादियों को मारा गया है।

कभी मुशर्रफ की ....

वाली यलगार बटालियन के साथ बलूचिस्तान में तैनात रह चुका है। इसके अलावा एक वक्त में मूसा पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की वीवीआईपी सुरक्षा टीम का सदस्य भी रहा है। मीडिया में चल रही कुछ खबरों में ये दावा भी किया जा रहा था कि मूसा का संबंध पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले से भी रहा है। लेकिन सूत्रों ने फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं की है। यहां यह भी सनद रहे कि हमले के तुरंत बाद जारी किए गए आतंकियों में सुरक्षा एजेंसियों ने मूसा का स्केच भी जारी किया था। जिसके आधार पर मीडिया में ये कयास लगाए जा रहे हैं।

'आप' सरकार ने ...

रहे। अमित शाह ने कहा कि आज नशा मुक्त पंजाब बनाने का समय इसलिए आया है क्योंकि आम आदमी पार्टी की सरकार ने चिट्टे के व्यापार को खुलेआम चलने दिया है। पंजाब के चुनाव में किसानों, इंडस्ट्री, कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा जैसे कई मुद्दे हैं, मगर आने वाला चुनाव भारतीय जनता पार्टी केवल और केवल नशा मुक्त पंजाब के मुद्दे पर लड़ने वाली है। मैं पंजाब की माताओं और युवाओं से वादा करता हूं कि इस चुनाव में भाजपा का समर्थन कर कमल के फूल पर वोट डालिए और 31 दिसंबर 2029 से पहले हम पंजाब को चिट्टे के व्यापार से मुक्त कर देंगे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पठानकोट से यात्रा शुरू की थी, जो 13 दिनों में 4,000 किलोमीटर और 117 विधानसभाओं में घूमकर आज यहां समाप्त हो रही है। जब हम कहते हैं कि 31 दिसंबर 2029 को पंजाब को चिट्टा मुक्त कर देंगे, तो हमें मालूम है कि केजरीवाल एंड कंपनी क्या कहे

बुजुर्गों में होने वाली अधिकांश समस्याओं को दूर करने के लिए उनकी डाइट न्यूट्रिशस और बैलेंस्ड होना बहुत जरूरी है। बुजुर्गों की डाइट कैसी होनी चाहिए, यहां डिटेल में बता रहे हैं।

न्यूट्रिशस-बैलेंस्ड हो बुजुर्गों की डाइट

डाइट सजेशन

सवी जैन, डाइटीशियन

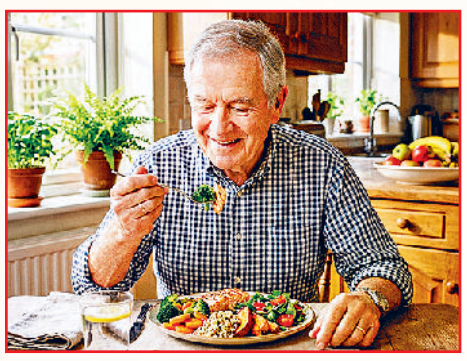

साठ की उम्र के बाद शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। ऐसे में उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने के लिए स्वस्थ आहार लेते रहना महत्वपूर्ण हो जाता है। इस उम्र में डाइजेशन सिस्टम धीमा हो जाता है, शारीरिक गतिविधियां कम होती हैं और हड्डियां तथा मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में सही और संतुलित आहार बुजुर्गों को ऊर्जावान बनाए रखने, बीमारियों से बचाने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मसल्स के लिए प्रोटीन: उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। इसलिए दालें, बींस, अंकुरित अनाज, सोयाबीन, दूध, दही, पनीर के रूप में पर्याप्त प्रोटीन डाइट में जरूर शामिल करें। नॉन-वेजिटेरियन हैं तो उबला अंडा या ग्रिल्ड मछली खा सकते हैं। मांसपेशियों के निर्माण, अच्छी सेहत और संतुलित पोषण के लिए मीट, सफेद मांस वाली मछली, अंडे का सफेद भाग और बींस डाइट में शामिल करें।

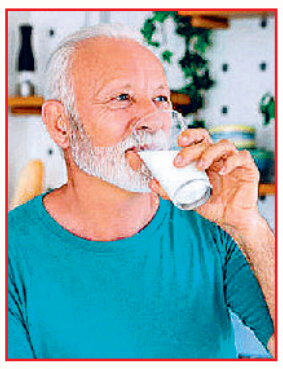

बोंस के लिए कैल्शियम-विटामिन डी: हड्डियों को मजबूत रखने और फ्रैक्चर के जोखिम को कम करने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन करें। कम फैट वाले डेयरी उत्पाद जैसे टोंड दूध और पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें, क्योंकि इनमें कैल्शियम काफी मात्रा में होता है। डाइट में कम वसा वाला दूध, दही, छाछ, पनीर और रागी खाएं। थोड़ी देर सुबह की धूप में बैठें।

पाचन के लिए फाइबर: बुजुर्गों में कब्ज की समस्या आम होती है, जिससे फाइबर युक्त खाना राहत देता है। इसके लिए डाइट में ओट्स, दलिया, छिलके वाली दालें, सेब, पपीता, अमरूद और हरी सब्जियां शामिल करें। उच्च फाइबर वाले फूड्स, पोषण से भरपूर होते हैं उनके सेवन से कब्ज में राहत मिल सकती है।

इम्यूनिटी के लिए विटामिन सी: रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए ताजे फल और सब्जियां जैसे संतरे, आंवला, नीबू, पालक, ब्रोकली और टमाटर डाइट में शामिल करें।

याददाश्त के लिए: बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त में कमी आना एक आम समस्या होती है, जिसे अकसर डिमेंशिया के रूप में जाना जाता है। इसे पूरी तरह रोकना संभव नहीं होता, लेकिन सही खानपान अपनाकर इसके प्रभाव और गति को कम जरूर किया जा सकता है। डिमेंशिया के प्रभाव और गति को कम करने के लिए रोजाना के भोजन में ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां और साबुत अनाज शामिल करें। ये दिमाग को आवश्यक एंटी-ऑक्सीडेंट्स प्रदान करते हैं।

डेली डाइट चार्ट: बुजुर्गों का डेली डाइट चार्ट कुछ ऐसा होना चाहिए। सुबह सबसे पहले 1 गिलास गुनगुना पानी, 4-5 भीगे बादाम और अखरोट। नाश्ते में ओट्स/दलिया/बेसन का चीला/पोहा/इडली और 1 कप टोंड दूध या चाय।

दोपहर के खाने में 1-2 रोटी (मल्टीग्रेन), 1 कटोरी चावल, दाल, हरी सब्जी, 1 कटोरी दही/सलाद। शाम के नाश्ते में 1 कप मखाना/भुना चना/सूप/कोई 1 मौसमी फल, मट्ठा या हर्बल-टी। रात के खाने में 1-2 रोटी, पतली दाल या लौकी/तोरई की सब्जी रात 8 बजे तक खा लें। सोने से पहले 1 छोटा गिलास हल्दी वाला गुनगुना दूध। इनके अलावा कुछ अन्य बातों पर भी ध्यान देना चाहिए।

- जिन बुजुर्गों को दांतों की समस्या है या चबाने में कठिनाई होती है, उन्हें अच्छी तरह पका खाना, मैश करके दलिया/सूप के रूप में खाना चाहिए।
- ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को कंट्रोल में रखने के लिए सीमित मात्रा में नमक और चीनी का प्रयोग करना चाहिए।
- सैचुरेटेड फैट को कम करें और तले हुए भोजन, हाई फैट वाले डेयरी और मांस को कम करें। इसके बजाय एवोकैडो, मछली और वनस्पति तेलों जैसे अनसैचुरेटेड फैट वाले फूड्स का सेवन करें।
- उम्र के साथ प्यास कम लगती है, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। इससे बचने के लिए दिनभर में 7-8 गिलास पानी या नारियल पानी, छाछ, सूप लेना चाहिए। पानी से दिमाग को हेल्दी रखने, शरीर का तापमान मेंटेन करने में मदद मिलती है। *

प्रस्तुति: ललिता गोयल

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस
1 अक्टूबर, विशेष

वृद्धावस्था में गिरने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। किसी बीमारी या कमजोरी से ज्यादा सही तरीके से न चलने के कारण वृद्ध अधिक गिरते हैं। ऐसे में गिरने से बचाव के लिए डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट से चलने-फिरने का सही तरीका सीखना जरूरी है। इस बारे में सभी वृद्धजनों के लिए बहुत उपयोगी सलाह दे रहे हैं।

सीख लें चलने का सही तरीका वृद्धावस्था में गिरने से होगा बचाव

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. मोहसिन वली

सीनियर फिजिशियन, सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

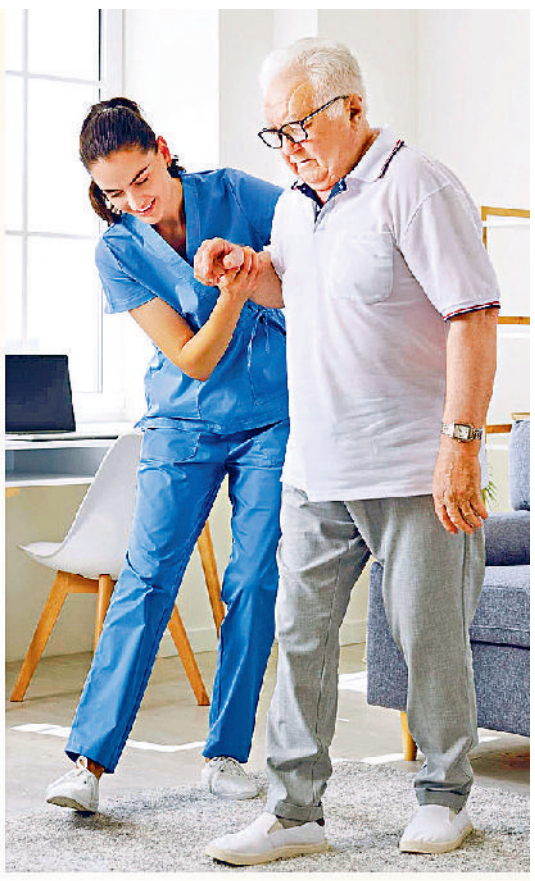

अकसर लोग बढ़ती उम्र में गिरने को सामान्य घटना मान लेते हैं। लेकिन वैज्ञानिक मानते हैं कि बुजुर्गावस्था में गिरना स्वाभाविक नहीं है, इसे समय रहते पहचाना और रोका जा सकता है। बुजुर्ग कमजोरी या अधिक उम्र के बजाय शारीरिक-असंतुलन, स्थिरता, चलने-फिरने की सही तकनीक और गिरने से बचाव में की जाने वाली असावधानियों की वजह से ज्यादा गिरते हैं। जो बुजुर्ग एक विशेष तरीके से चलते हैं, वे न केवल बहुत कम गिरते हैं और कम चोटिल होते हैं और अधिक समय तक स्वतंत्र (बिना दूसरों पर निर्भर हुए) जीवन जी पाते हैं। इसलिए बुजुर्गों के लिए सही ढंग से चलना सीखना, गिरने से बचाव का सबसे प्रभावी उपायों में से एक है।



बड़ी समस्या है ओल्ड एज में गिरना: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार गिरना दुनिया भर में अनजाने में होने वाली चोटों और उनसे होने वाली मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। हर साल करीब 6 लाख 84 हजार लोगों की मौत गिरने की वजह से होती हैं। 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में गिरने से होने वाली मौतों की दर सबसे ज्यादा है। करीब 3 करोड़ 73 लाख गिरने की घटनाएं, ऐसी शारीरिक क्षमता में गिरावट की शुरुआत होती हैं, जिससे इंसान अकसर उबर नहीं पाता। ऐसे लोग एक बार बिस्तर पकड़ लेते हैं तो दुबारा अपने बल पर पूरी तरह खड़े नहीं हो पाते हैं।

क्या हैं कारण: शोध बताते हैं कि 65 साल की उम्र के बाद कदम की चौड़ाई में भिन्नता स्वाभाविक रूप से बढ़ने लगती है, क्योंकि पैरों के तलवों से मिलने वाला संवेदी फीडबैक, आंखों की दृष्टि और भीतरी कान का संतुलन-तंत्र (वेस्टीबुलर सिस्टम), ये तीनों उम्र के साथ धीरे-धीरे कमजोर पड़ते हैं। दिमाग को शरीर की स्थिति और जमीन की सतह की जानकारी सही समय पर नहीं मिल पाती, जिससे पैर रखने में मामूली चूक होने लगती है। गिरने का खतरा सिर्फ कमजोरी या उम्र से नहीं, बल्कि चलने के पैटर्न में आई सूक्ष्म अनियमितताओं से भी जुड़ा होता है। गिरना अकसर चलने के तरीके में आई एक बहुत छोटी और लगभग अदृश्य गड़बड़ी से शुरू होता है। पैर थोड़ा कम उठना, कदम का थोड़ा असमान होना या शरीर का संतुलन एक पल के लिए डगमगाना- ये सब मिलकर उस स्थिति को जन्म देते हैं, जब शरीर संभल नहीं पाता।

क्या होता है असर: गिरने की घटना बुजुर्गों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। आत्मविश्वास कम होने और दोबारा गिरने का डर विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। वे चलना-फिरना, घर से बाहर निकलना या सामान्य गतिविधियां करना कम कर देते हैं। जिससे उनकी मांसपेशियां और कमजोर होने लगती हैं, शारीरिक सक्रियता और स्वतंत्रता दोनों प्रभावित होती है, गिरने का खतरा और बढ़ जाता है।

किन्हें है ज्यादा रिस्क: कुछ लोगों में गिरने का खतरा अपेक्षाकृत अधिक होता है। इन्हें चलने की सही तकनीक सीखने के साथ-साथ नियमित तौर पर चिकित्सकीय जांच भी करानी चाहिए।

- 65 वर्ष से अधिक आयु के लोग।
- जिनकी दृष्टि कमजोर हो।
- जिन्हें गठिया या ऑस्टियोपोरोसिस हो।
- पैरों की संवेदना कम हो गई हो।
- पार्किंसन या स्ट्रोक की समस्या रही हो।
- जिन्हें बार-बार चक्कर आते हों।
- जो ऐसी दवाएं लेते हों जिनसे नींद या चक्कर आ सकते हों।

तब डॉक्टर से करें कंसल्ट: अगर किसी बुजुर्ग को बार-बार चक्कर आते हों, चलते समय पैर कांपते हों, संतुलन लगातार बिगड़ता हो या बिना कारण बार-बार गिर रहे हों, तो इसे केवल बढ़ती उम्र का असर मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह पार्किंसन रोग, स्ट्रोक, तंत्रिका संबंधी समस्या, विटामिन बी-12 की कमी, लो ब्लड प्रेशर या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक या फिजियोथेरेपिस्ट से परामर्श लेना आवश्यक है।

कैसे करें बचाव: गिरने से बचाव के लिए चलने की सही तकनीक अपनाना, सही चाल विकसित करना जरूरी है। चलने की कुछ आदतों में छोटे-छोटे बदलाव करके संतुलन और आत्मविश्वास दोनों को बेहतर बनाया जा सकता है। लंबे समय तक सुरक्षित, सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन जिया जा सकता है।



हमेशा सामने देखें: अधिकांश बुजुर्ग चलते समय अपने पैरों या जमीन की ओर देखते रहते हैं। उन्हें लगता है कि नीचे देखने से वे गड्ढों या बाधाओं को आसानी से देख पाएंगे और गिरने से बच जाएंगे। लेकिन वास्तव में यह आदत संतुलन को कमजोर कर सकती है।

क्या करें: चलते समय सिर झुकाने के बजाय सामने देखने की आदत डालें। इससे ठोकर लगने और दूरी का गलत अनुमान लगाने की संभावना कम हो सकती है।

नियंत्रित कदमों से चलें: कुछ लोग चलते समय पैर जोर से जमीन पर पटकते हैं। यह केवल आवाज ही नहीं पैदा करता, बल्कि घुटनों, टखनों और कूल्हों पर अतिरिक्त दबाव भी डालता है। भारी कदमों से चलने पर शरीर का संतुलन बिगड़ सकता है और अचानक प्रतिक्रिया देने की क्षमता भी कम हो जाती है। जबकि कदम हल्के, मुलायम और नियंत्रित हों, तो शरीर सहज रूप से आगे बढ़ता है और पैर के जोड़ों पर कम दबाव पड़ता है।

क्या करें: धीरे-धीरे चलें। धीरे, आराम से और बिना पैरों को पटकते हुए चलने से संतुलन और चलने की स्थिरता दोनों बेहतर होती हैं।

सही पैटर्न को करें फॉलो: कई बुजुर्ग चलते समय पूरे पैर को एक साथ जमीन पर रखते हैं या पैरों को घसीटते हुए चलते हैं। इससे चाल अस्थिर हो जाती है और ठोकर लगने का खतरा बढ़ जाता है।

क्या करें: बुजुर्गों को फिजियोथेरेपिस्ट से सीखकर एड़ी से पंजे तक चलने की सही तकनीक अपनानी चाहिए। यानी पहले एड़ी जमीन को छुए, फिर पूरा तलवा धीरे-धीरे आगे बढ़े और अंत में पंजे के सहारे शरीर को आगे धकेला जाए। इससे पिंडली, टखने और कूल्हे की महत्वपूर्ण मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जो संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

खड़े होने के बाद तुरंत न चलें: कई बुजुर्ग कुर्सी, बिस्तर या सोफे से उठने के तुरंत बाद गिर जाते हैं। अचानक खड़े होने पर कुछ लोगों का रक्तचाप कुछ क्षणों के लिए कम हो जाता है। इससे चक्कर, धुंधलापन या अस्थिरता महसूस हो सकती है।

क्या करें: जब भी बैठी या लेटी हुई अवस्था से उठें, तो पहले आराम से खड़े हों और लगभग दो सेकेंड तक वहीं रुकें। जब शरीर सामान्य महसूस होने लगे, तभी चलना शुरू करें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

बरतें ये भी सावधानियां

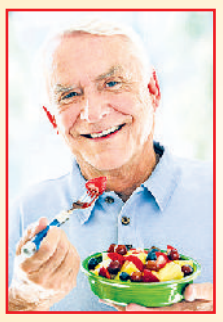

- हड्डियों-मांसपेशियों की मजबूती और संतुलन बढ़ाने के लिए रोज 20-30 मिनट टहलें।
- फिसलन वाली चप्पल या ढीले जूते न पहनें।
- पौष्टिक और संतुलित आहार का सेवन करें। आहार में प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन-डी को पर्याप्त मात्रा में शामिल करें।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार विटामिन-डी और कैल्शियम सप्लीमेंट लें।
- पैरों की संवेदनशीलता का ध्यान रखें। सुन्नपन, डायबिटीज से जुड़ी न्यूरोपैथी की समस्या या तलवों की कमजोर संवेदना को नजरअंदाज न करें, ये सीधे चाल को प्रभावित करते हैं।
- आंख और कान की जांच कराएं। दृष्टि और भीतरी कान का संतुलन-तंत्र ठीक रखने से पैर रखने की सटीकता बेहतर होती है।
- दवाओं की समीक्षा करवाएं। कुछ दवाएं (जैसे नींद की गोलियां, ट्रैंक्विलाइजर) संतुलन और सतर्कता को प्रभावित करके चाल बिगाड़ सकती हैं।
- घर को सुरक्षित बनाएं। बाथरूम में ग्रैब बार (पकड़ने की रॉड) लगवाएं। फिसलन वाले फर्श पर एंटी-स्लिप मैट रखें।

ऐसे पूरी करें विटामिन बी-12 की कमी

सजेशन

विधि गोयल



विटामिन-बी12 एक ऐसा पोषक तत्व है, जिसकी मात्रा अगर शरीर में कम हो जाए, तो एक नहीं कई परेशानियां शुरू हो सकती हैं। इसकी कमी के कारण नर्व डैमेज होना, एनीमिया, थकान, कमजोरी, हाथ-पैरों में सुन्नपन या झनझनाहट, चक्कर आने और मुंह में छाले जैसे लक्षण नजर आते हैं। डाइटिशियन सवी जैन बताती हैं, विटामिन बी-12 की कमी से बोन डेंसिटी भी कम होती है, जिससे हड्डियां नाजुक हो जाती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। विटामिन बी-12 रेड ब्लड सेल्स बनाने से लेकर डीएनए बनाने तक के लिए जरूरी होता है। इसकी उचित मात्रा से स्किन, बालों और आंखों को भी फायदा मिलता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स: आहार में नियमित रूप से दूध, पनीर और दही का सेवन शरीर में विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करता है। इससे शरीर में एनर्जी का स्तर बना रहता है और बढ़ने वाली थकान कम होने लगती है। रोज एक गिलास दूध या एक कटोरी दही, पनीर और छाछ का सेवन करने से शरीर में दिनभर की 46 फीसदी विटामिन बी-12 की कमी को पूरा किया जा सकता है।

फोर्टिफाइड फूड: बाजार में मिलने वाले ऐसे ओट्स, कॉर्न फ्लेक्स या सोया मिल्क लें, जिनमें बी-12 मिलाया गया हो।



अंडे: उबले अंडे का पीला हिस्सा विटामिन बी-12 से भरपूर होता है। इसका सेवन करने से शरीर को विटामिन बी-12 और प्रोटीन की प्राप्ति होती है। दिनभर में 2 अंडों का सेवन करने से दिन भर की 39 फीसदी विटामिन बी-12 की कमी पूरी हो जाती है। इससे विटामिन-डी भी मिलता है।

मछली और सी फूड: सैल्मन, ट्राउट और टूना जैसी मछलियां शरीर में विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करने में मदद करती है। इसके अलावा क्लैम, केकड़े, शेलफिश भी बी-12 का बेहतरीन स्रोत हैं। मछली का सेवन करने से जहां शरीर को फैटी एसिड की प्राप्ति होती है, तो वहीं प्रोटीन की भी कमी को पूरा किया जा सकता है। कलेजी में सबसे ज्यादा बी-12 पाया जाता है। चिकन और रेड मीट भी बी-12 के अच्छे सोर्स होते हैं।

न्यूट्रिशनल यीस्ट: यह एक तरह का पावडर होता है, जिसका स्वाद चीज जैसा होता है। इसे सब्जी या सूप में डालकर खाया जा सकता है।

नट्स-सीड्स: विभिन्न प्रकार के ड्राय फ्रूट्स में भी विटामिन बी12 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। बादाम, काजू, किशमिश, अखरोट और मूंगफली में भी विटामिन बी-12 पाया जाता है। *

डॉक्टर्स सजेशन



डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब कोल्ड डिश खाने पर लगातार आने लगें छींकें



मेरी उम्र 46 वर्ष है। मैं जब भी कुछ ठंडा खाता-पीता हूं तो तुरंत छींकें आने लगती हैं। प्लीज इस समस्या का समाधान बताएं।

-संजीत, रायपुर

हालांकि आजकल मौसम बदल रहा है, इसलिए इस तरह समस्याएं काफी लोगों में दिख रही हैं। बदलते मौसम में वायरल इंफेक्शन की समस्या बढ़ रही हैं। इससे बचाव के लिए सबसे बेहतर तरीका है कि इस समय ज्यादा ठंडा या फ्रिज में रखी चीज ना खाएं। अगर समस्या हो रही है तो आपको सुबह-शाम नमक वाले पानी का गरारा करना चाहिए। फिलहाल इस तरह बचाव से राहत मिल सकती है।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। दो साल पहले मैंने अपने घुटने का ऑपरेशन करवाया था। पिछले कुछ समय से फिर से दर्द होना शुरू हो गया है। कृपया उचित समाधान बताएं।

-मूलचंद, बिलासपुर

सबसे पहले इस बात पर गौर करें कि आपके घुटने में कोई चोट तो नहीं लगी, क्योंकि सर्जरी के बाद चोट लगने पर इस तरह दर्द शुरू हो सकता है। अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार उसी सर्जन से संपर्क करना चाहिए, जिन्होंने आपकी सर्जरी की है। क्योंकि उन्हें आपकी केस हिस्ट्री पूरी मालूम है और वी दर्द का कारण जानकर ट्रीटमेंट करेंगे। फिलहाल सीढ़ियां अधिक चढ़ना उतरना, रनिंग न करें और ज्यादा वजन न उठाएं।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मेरी सिटिंग जॉब है। पिछले कुछ महीनों से अक्सर मेरी कमर और गर्दन में अकड़न बनी रहती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-विपिन, रोहतक

आप अपनी समस्या का कारण खुद ही बता रहे हैं, क्योंकि आपकी लंबी सीटिंग जॉब है और इस वजह से यह समस्या आ रही है। मौजूदा समय में लंबी सिटिंग करने वालों में इस तरह की समस्या ज्यादा देखी जा रही है। इसका सबसे बेहतर तरीका यह होगा कि आप सुबह और शाम नियमित रूप में सर्वाइकल और कमर की एक्सरसाइज करें। इसके साथ ही ऑफिस में बीच-बीच में चहलकदमी करते रहें। एक बार आप कैल्शियम, बी-12 और विटामिन-डी की जांच जरूर करवा लें। ऑफिस में बैठने वालों को इसकी कमी हो सकती है, जिस वजह से भी दर्द शुरू होता है।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मेरे चेहरे और माथे पर झाइयां हो गई हैं। मार्केट में मिलने वाले कई सारे प्रोडक्ट्स यूज करने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ। कृपया इसका सॉल्यूशन बताएं।

-प्रकाश, भोपाल

मार्केट में मिलने वाले तरह-तरह के प्रोडक्ट के इस्तेमाल से भी इस तरह की समस्याएं आती हैं। सबसे पहले आप बाजार में मिलने वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल बंद करें और कुछ समय के लिए साबुन का इस्तेमाल भी नहीं करें। आपको एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वह फिजिकल जांच कर इसका ट्रीटमेंट बताएंगे। बगैर डॉक्टर से संपर्क किए कोई दवा या प्रोडक्ट का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मेरे मुंह में छाले हो रहे हैं। दवाइयां लेने पर कुछ समय ठीक रहता है, फिर वापस से छाले निकल आते हैं। प्लीज मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-किशोर, महासमुंद

सामान्य तौर पर मुंह में छाले होने का संबंध पेट की गड़बड़ी से होता है। अगर आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है तो मुंह में छाले हो जाते हैं लेकिन अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार ईएनटी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वह जांच कर इसका कारण बताएंगे और जरूरत पड़ने पर इसका ट्रीटमेंट शुरू करेंगे। बगैर डॉक्टर से संपर्क के कोई भी दवा आप न लें। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।



कैबिनेट की बैठक में कई जरूरी निर्णयों को मिली मंजूरी

दो अभ्यर्थियों के अंक समान होने पर छग के मूल निवासी अभ्यर्थी को वरीयता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सीएम विष्णुदेव साय कैबिनेट की बैठक बुधवारो सुबह 11.30 बजे से दोपहर एक बजे मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर में हुई। इसकी अध्यक्षा मुख्यमंत्री साय ने की। मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में लागू अतिथि व्याख्याता नीति (पॉलिसी)-2024 में प्रशासकीय अनुमोदन के बाद जारी संशोधित नीति-2026 का कार्योत्तर अनुमोदन किया गया। संशोधित नीति में पूर्व की व्यवस्था को और अधिक स्पष्ट करते हुए यह प्रावधान किया गया है कि मेरिट सूची में एक ही श्रेणी के दो अभ्यर्थियों के अंक समान होने की स्थिति में छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थी को वरीयता दी जाएगी।

वहीं अनुभव के लिए निर्धारित अधिकतम 30 अंकों के अंतर्गत अब शासकीय महाविद्यालय के साथ राजकीय विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र में न्यूनतम 5 माह अध्यापन कार्य पूर्ण करने पर 5 अंक दिए जाने का प्रावधान किया गया है। पूर्व नीति में राजकीय विश्वविद्यालय में किए गए अध्यापन अनुभव का यह लाभ स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं था।

मुख्यमंत्री साय ने की कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता

अतिथि व्याख्याता नीति 2024 में प्रशासकीय अनुमोदन के बाद जारी संशोधित नीति-2026 का कार्योत्तर अनुमोदन



कालखंड के स्थान पर कार्य-दिवस आधारित मानदेय व्यवस्था लागू होगी

साय कैबिनट ने यह भी निर्णय लिया गया है कि शासकीय महाविद्यालयों के साथ राजकीय विश्वविद्यालयों के विस्थापित अतिथि व्याख्याताओं के कार्यानुभव का उपयोग करते हुए उन्हें रिक्त पदों पर पुनर्नियोजन का अवसर दिया जाए। मानदेय निर्धारण में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए कालखण्ड आधारित व्यवस्था के स्थान पर कार्य-दिवस आधारित मानदेय व्यवस्था लागू की जाए। अतिथि व्याख्याताओं एवं अन्य अतिथि शैक्षणिक अमले के कार्य-दायित्व, कार्य-अवधि एवं आकस्मिक अवकाश संबंधी प्रावधानों को भी स्पष्ट किया गया है।

इन महत्वपूर्ण निर्णयों से आम जनता को मिलेगा लाभ

बैठक में सीएम ने 10 सितंबर को फिल्म 'हनुमान अंश' को टैक्स फ्री किए जाने की घोषणा के परिपालन में देय एस.जी.एस.टी. के समतुल्य धनराशि की प्रतिपूर्ति सिनेमाघरों को किए जाने के लिये वाणिज्यिक कर विभाग की ओर से जारी आदेश का अनुसमर्थन किया गया। मंत्रिपरिषद के पूर्व अग्निवीर सैनिकों को राज्य की सिविल सेवाओं के तृतीय श्रेणी पदों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है। इसके तहत पुलिस विभाग में आरक्षक, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में वनरक्षक और जेल विभाग में जेल प्रहरी के पदों पर पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। अब इस आरक्षण को लागू करने छत्तीसगढ़ लोक सेवा पूर्व अग्निवीर सैनिक भर्ती नियम, 2026 बनाया गया है, जिसका मंत्रिपरिषद की ओर से अनुमोदन किया गया है।

भारतीय पद्म विभूषण सम्मान 2026-27 से डॉ. अतुल सम्मानित



भोपाल। लेखक एवं समाजसेवी डॉ. अतुल मलिकराम को सामाजिक सरोकार, जनसेवा के लिए नई दिल्ली में वर्ल्ड कल्चर एंड एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन कमीशन द्वारा आयोजित 'भारतीय पद्म विभूषण सम्मान 2026-27' से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान समाज, शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए दिया गया। डॉ. अतुल ने कहा कि यह उनके लिए गौरव और कृतज्ञता का विषय है तथा यह सम्मान सामाजिक सरोकारों, जनसेवा और समाज के लिए सकारात्मक योगदान देने के उनके संकल्प को और मजबूत करता है। डॉ. मलिकराम ने कहा, यह सम्मान मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के प्रयासों का सम्मान है, जिनसे मैं लंबे समय

कर चोरी व फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए एआई से होगी निगरानी : मुख्यमंत्री

कर की दरें बढ़ाए बिना राजस्व बढ़ाने पर जोर विभागों के आंकड़ों को आपस में जोड़ा जाएगा

'हरियाणा की अपनी कर-राजस्व व्यवस्था' पर राष्ट्रीय सेमिनार को सीएम सैनी ने संबोधित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंडीगढ़



हरियाणा में कर चोरी और फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई) और उन्नत आंकड़ा विश्लेषण का सहारा लिया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार करों की दरें बढ़ाए बिना कर संग्रह बढ़ाएगी। इसके लिए विभिन्न विभागों के आंकड़ों को आपस में जोड़कर संदिग्ध लेनदेन और कर चोरी की पहचान की जाएगी। मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान की ओर से आयोजित 'हरियाणा की अपनी कर-राजस्व व्यवस्था' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उद्देश्य केवल निगरानी रखना नहीं, बल्कि पारदर्शी व्यवस्था कायम करना और ईमानदार करदाताओं को सुविधाजनक सेवाएं देना भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का अपना कर-राजस्व वर्तमान में सकल राज्य घरेलू उत्पाद के सात प्रतिशत से कम है। इसे 2030 तक 10 प्रतिशत और 2047 तक 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, "दर नहीं, आधार बढ़ाना है; बोझ नहीं, अनुपालन बढ़ाना है।" उन्होंने बताया कि पुराने लंबित कर विवादों के निपटारे के लिए 'हरियाणा एकबारगी व्यवस्थापन योजना-2026' की अवधि बढ़ाकर 30 नवंबर 2026 कर दी गई है। वर्ष 2025 की योजना का लाभ करीब 1.15 लाख व्यापारियों ने उठाया था। कार्यक्रम में भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि हरियाणा में 2047 तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता और आवश्यक ढांचा मौजूद है। उन्होंने विश्वास आधारित और जोखिम आधारित व्यवस्था के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा आंकड़ों के एकीकरण जैसे कदमों की सराहना की।

जीएसटी, संपत्ति पंजीकरण व हर बिल पर रहेगी नजर

उन्होंने बताया कि जीएसटी, संपत्ति पंजीकरण, वाहन, बिजली बिल, शहरी विकास सहित विभिन्न विभागों के आंकड़ों को आपस में जोड़ा जाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन आधारित विश्लेषण से कारोबारियों की वास्तविक आर्थिक गतिविधियों और उनके द्वारा जमा कर का मिलान किया जाएगा। इससे कर चोरी और कर रिसाव वाले क्षेत्रों की पहचान कर कार्रवाई की जा सकेगी।

उद्योगों को बढ़ावा, युवाओं को रोजगार व किसानों को बाजार प्राथमिकता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि राज्य सरकार बजट घोषणाओं और संकल्प पत्र में किए वादों को धरातल पर उतारने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में राज्य में निवेश, औद्योगिक विकास, रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए तीन नई नीतियों से संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में निवेश करने वाले उद्यमियों को पारदर्शी, समयबद्ध और परेशानी-मुक्त व्यवस्था उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को चंडीगढ़ में स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी की बैठक आयोजित हुई।

■ मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी की बैठक

मुख्यमंत्री ने की पंचकूला के विकास कार्यों की समीक्षा

पंचकूला। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला के सुनियोजित, समग्र एवं आधुनिक विकास को नई गति देने के निर्देश देते हुए कहा कि शहर की मौजूदा आवश्यकताओं के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक विकास योजनाओं को तेजी से अमलीजामा पहनाया जाए। उन्होंने पंचकूला में बेहतर नागरिक सुविधाओं, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे, सुगम यातायात व्यवस्था, पर्याप्त एवं स्वच्छ पेयजल, आधुनिक आवासीय सुविधाओं, विकसित बाजारों, हरित क्षेत्रों, बेहतर पार्कों, खेल एवं मनोरंजन सुविधाओं तथा स्मार्ट सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था पर विशेष बल दिया।

भोपाल को विकसित और हरित बनाने में मील का पत्थर साबित होगा मास्टर प्लान



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पहले 21 साल बाद सुगम बस के रूप में सरकारी बस सेवा शुरू हुई। अब 21 साल बाद भोपाल के मास्टर प्लान का ड्राॅफ्ट जारी किया गया। यह मास्टर प्लान भोपाल को वर्ष 2047 में विकसित और हरित बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अनुरोध है कि वे मास्टर प्लान के प्रारूप पर अपने दावे-आपत्ति और सुझाव देने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती और अनंत चतुर्दशी के अवसर पर सुगम परिवहन सेवा के रूप में प्रदेश में एक बार फिर सरकारी बसें शहर-शहर और गांव-गांव तक सड़कों पर दौड़ने लगी है।

सुगम परिवहन शहर के अंदर चलने वाली ई-बसें, जिले के अंदर चलने वाली बसें, एक से दूसरे जिले को जोड़ने वाली बसें और अन्य राज्यों को जाने वाली बस सेवाएं प्रदेशवासियों को उपलब्ध होंगी।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के संदर्भ में सेवा संकल्प अभियान-2026

सीएम ने बताया कि पीएम के जन्मदिवस के संदर्भ में आरंभ सेवा-संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में करीब 3 करोड़ 88 लाख दीये सम्पूर्ण मप्र में प्रज्ज्वलित किए गए। प्रदेश में 650 से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित हुए, जिनमें लगभग 11 हजार यूनिट रक्त एकत्र हुआ। भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता में 87 हजार से अधिक स्कूल-कॉलेजों के 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। आंगन मिलन कार्यक्रम अब तक 43 हजार से अधिक आंगनवाड़ियों में आयोजित हो चुका है, जिनमें 17 लाख से अधिक माताओं और बच्चों ने भाग लिया है। नमो - सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 484 नुक्कड़ टोलियों की ओर से 3000 से अधिक प्रस्तुतियां दी गईं।

आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने लिया आशीर्वाद



भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने मंगलवार को भोपाल स्थित विद्योदय तीर्थ में विद्या शिरोमणि परम पूज्य आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन उपस्थित रहे।

मंत्री संपतिया उइके ने स्वागत कर सेवा कार्यों व मां नर्मदा की आरती में की सहभागिता

'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' का जिलों में हुआ स्वागत, किए सेवा कार्य

पीएम मोदी के की जनसेवा युवाओं तक पहुंचाना उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा जिलों में पहुंची।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के निरंतर जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के तहत युवा मोर्चा द्वारा आयोजित 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' प्रदेश के अलग-अलग जिलों में पहुंची। यात्रा के दौरान पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं सेवा यात्रियों ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित सेवा गतिविधियों में सहभागिता की। मार्ग क्रमांक-1 की यात्रा मंडला जिले के जरगी और खैरी पहुंचने के बाद मोहगांव में रात्रि विश्राम हुआ। यात्रा का प्रदेश सरकार की मंत्री संपतिया उइके, दिलीप जायसवाल एवं जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने स्वागत कर सेवा कार्यों व मां नर्मदा की आरती में सहभागिता की।

पांचों पार्षद कुछ समय पूर्व कांग्रेस छोड़ भाजपा में हो गए थे शामिल

टीकमगढ़ नगर पालिका के पांच पार्षदों ने की कांग्रेस में घर वापसी

टीकमगढ़ विधायक के नेतृत्व में सदस्यता ग्रहण की

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल



कांग्रेस में घर वापसी करने वाले टीकमगढ़ के पार्षद

प्रदेश की टीकमगढ़ नगर पालिका के पांच पार्षदों ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पुनः कांग्रेस परिवार में शामिल होकर घर वापसी की। कुछ समय पूर्व ये पांचों पार्षद कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे। टीकमगढ़ विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला के नेतृत्व में तथा राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह चौहान एवं अन्य कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पांचों पार्षदों ने पुनः कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस परिवार में वापस आने वाले पार्षदों में चीता भाई कुशवाहा, अरविंद सिंह, राखी ध्रुव यादव, अंशुल जैन और रामकुमार शामिल हैं। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने पार्षदों का पार्टी में पुनः स्वागत किया और कहा कि कांग्रेस का संगठन लोकतांत्रिक मूल्यों, जनहित और जनता की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीज उत्पादन में तकनीकी नवाचार, स्थानीय फसलों और पीएसीएस-एफपीओ के माध्यम से वितरण पर जोर

बीज संघ को बनाएंगे देश का अग्रणी संस्थानः सारंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



मप्र बीज संघ को अमूल, इफको और कृभको की तर्ज पर एक सशक्त एवं अग्रणी सहकारी संस्था के रूप में विकसित किया जाएं। मप्र बीज संघ को देश के प्रमुख बीज संस्थानों में स्थापित करने के लक्ष्य को मजबूत किया जाना आवश्यक है। यह निर्देश सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने बीज संघ की आम सभा की बैठक में संस्था की वर्तमान गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए दिए। सारंग ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज, बेहतर, फसल, उन्नत खेती, किसान की समृद्धि की पूरी श्रृंखला को सहकारिता के माध्यम से मजबूत किया जाएगा। किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के साथ-साथ बीज उत्पादन में आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आम सभा में एपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता, बीज संघ के प्रबंध संचालक महेंद्र दीक्षित सहित प्रदेश की विभिन्न सहकारी समितियों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तकनीकी नवाचार और नई फसलों पर फोकस

बीज संघ द्वारा हॉर्टीकल्चर और धान के साथ-साथ तिल, अलसी, कपास, मूंगफली और मक्का जैसी फसलों के बीजों पर भी कार्य किया जा रहा है। छोटे आकार के बीजों में उन्नत कोटिंग एवं लोडिंग तकनीक के उपयोग की संभावनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में वैज्ञानिकों के साथ आवश्यक बैठकें एवं चर्चा की जा चुकी हैं।

पीएसीएस-एफपीओ के माध्यम से किसानों तक पहुंचेंगे बीज

सारंग ने निर्देश दिए कि बीजों की बिक्री एवं वितरण व्यवस्था को प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से और मजबूत किया जाए। साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों की स्थानीय एवं पारंपरिक फसलों को भी बीज उत्पादन और विपणन की कार्ययोजना में प्राथमिकता दी जाए।

गोदाम पर छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में गुटखा जब्त

रायपुर। डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने शंकाणी दरबार मार्केट स्थित एक गोदाम पर छापामारी करके सितार ब्रांड गुटखा के 50 से अधिक बोरे जब्त किए हैं। महाराष्ट्र से मिले महत्वपूर्ण इनपुट के आधार पर अधिकारियों की टीम तीन गाड़ियों में कारोबारी के ठिकाने पर पहुंची। अधिकारियों ने वहां मौजूद कारोबारी दस्तावेज और गुटखा के पूरे स्टॉक को अपनी जांच के दायरे में ले लिया।

पूर्वोत्तर रेलवे
निविदा सूचना सं. 09 वर्ष 2026–27
अधोलिखित कार्यों के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं:–
कार्यों का विवरण:– इज्जतनगर मंडल में काशीपुर–रामनगर खण्ड में 2x48 फाइबर ओ. एफ.सी. केबिल, विभिन्न स्टेशनों पर GPS-Enabled मास्टर फोन एवं काठगोदाम–रामपुर खण्ड में अतिरिक्त मास्टर फोन का प्रावधान और IPIS की ओवरऐज्ड बैट्रियों का बदलाव।
अनुमानित लागत: ₹2,94,96,997.03, बयाना राशि: ₹5,89,900, कार्य समापन अवधि: 12 माह। ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: दिनाँक 21.10.2026 को 11.00 बजे।
पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।
वरि. मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर
मु.अधि./सिगनल–127 इज्जतनगर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कांग्रेस पीड़ित परिवारों के साथ, निरंतर जारी रहेगा न्याय के लिए संघर्ष

स्वास्थ्य व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर मांगा

बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मृत्यु की निष्पक्ष व पारदर्शी जांच की जाए: पटवारी

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बालाघाट के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में मासूम बच्चों की मौतों को अत्यंत गंभीर और पीड़ादायक घटना बताते हुए भाजपा सरकार से स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर स्पष्ट जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए तथा जांच के आधार पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। हाईकोर्ट द्वारा भी इस मामले में राज्य सरकार और बालाघाट जिला प्रशासन से जवाब मांगा गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और न्याय की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

बीमार बच्चों तक क्यों नहीं पहुंचीं स्वास्थ्य सुविधाएं



पटवारी ने कहा कि प्रदेश सरकार को यह बताना होगा कि आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति क्या है? बीमार बच्चों तक समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं क्यों नहीं पहुंचीं? प्रशासन को बीमारी और संक्रमण की स्थिति का समय पर पता क्यों नहीं चला? प्रभावित परिवारों को बेहतर उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में कहां कमी रही? उन्होंने कहा कि आखिर कब तक व्यवस्था की विफलताओं का खामियाजा प्रदेश के गरीब और आदिवासी परिवारों के मासूम बच्चे भुगतते रहेंगे? जिन क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है, वहां समय पर उपचार, जांच, दवाइयां, टीकाकरण और पोषण की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार का आरोप, भाजपा की कठपुतली हैं मुख्य चुनाव आयुक्त



प्रभावित आदिवासी परिवारों की पीड़ा सुनने की बजाय आवाज कुचल रही सरकार

विस में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि भाजपा सरकार ने राज्यों में सीईसी ज्ञानेश कुमार के जरिए वोट चोरी करवाई की। पोल खुलने पर खुद को बचाने की कोशिश कर रही है। ज्ञानेंद्र कुमार भाजपा की कठपुतली बने हुए हैं। कांग्रेस एसआईआर को लेकर और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से आंदोलन जारी रखेगी। सिंघार ने कहा कि छतरपुर-पन्ना जिले में केन-बेतवा लिंक एवं मझगांय-रूंझ सहित अन्य परियोजनाओं से प्रभावित आदिवासी परिवार अपने हक के लिए लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन सरकार उनकी पीड़ा सुनने के बजाय दमनतंत्र का इस्तेमाल कर रही है। आंदोलनकारियों को पुलिस द्वारा जबरन हिरासत में लिए जाने की तस्वीरें इसी असंवेदनशीलता की गवाही दे रही हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 सीआरपीसी देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शंकर, पुत्र मनुलाल निवासी मकान नंबर डी-35, जेजे कॉलोनी पत्थर वाला बाग वजीरपुर, दिल्ली** दूसरा पता ग्राम पुतरिया बुधुड़ी, थाना अहिल्यापुर, जिला गिरिडीह, झारखंड ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 225/2015 भा.द.सं. की धारा 454/380/325/34 के तहत, थाना भारत नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **शंकर** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **शंकर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 225/2015 भा.द.सं. की धारा 454/380/325/34 के तहत, थाना भारत नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शंकर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **27.11.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री अनुराधा जिंदल
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
कोर्ट कमरा नं.101, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/13899/NW/2026

चिंतन

कॉकपिट की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

विमान की सुरक्षा की सबसे मजबूत दीवार कॉकपिट का दरवाजा माना जाता है, लेकिन जब खतरा इसी दरवाजे के भीतर से पैदा होने लगे तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था कठघरे में खड़ी हो जाती है। फ्लाईदुबई की दुबई-तेल अवीव उड़ान में पायलटों के बीच हिंसक घटना और विमान के अचानक हजारों फीट नीचे आने की प्रारंभिक खबरों ने विमानन सुरक्षा के एक बेहद गंभीर पहलू पर बहस छेड़ दी है। यह घटनाक्रम महज दो पायलटों का आपसी विवाद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक कॉकपिट में हिंसक टकराव हुआ, एक पायलट घायल हुआ और विमान तेजी से नीचे आया। विमान से पहले 7700 और फिर 7500 जैसे आपात संकेत प्रसारित हुए। इसके बाद विमान का मार्ग बदला गया और उसे सऊदी अरब के तबूक में उतारा गया। विमान में करीब 180 यात्री सवार बताए गए थे। वे सुरक्षित उतर गए, लेकिन घटना एक बुनियादी सवाल छोड़ गई। अगर विमान की कमान संभालने वाले पायलट ही हिंसा पर उतर आएं तो सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा किसके भरोसे होगी? ऐसे में कॉकपिट तक पहुंच रखने वाले लोगों के मामले में सुरक्षा मानकों की गंभीरता और बढ़नी चाहिए। पायलट की तकनीकी दक्षता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी उसका जिम्मेदार और संतुलित व्यवहार भी है। इसलिए पायलटों की पृष्ठभूमि जांच को केवल नियुक्ति के समय की औपचारिकता नहीं बनाया जा सकता। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और नशे की जांच के साथ मानसिक एवं व्यवहारिक स्वास्थ्य की समय-समय पर समीक्षा भी सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा होनी चाहिए। काउंसलिंग की ऐसी व्यवस्था हो, जिसमें पायलट तनाव या व्यक्तिगत संकट की स्थिति में बिना किसी भय के मदद मांग सके। मानसिक स्वास्थ्य को संदेह का आधार बनाना गलत होगा, लेकिन गंभीर जोखिम के संकेतों को नजरअंदाज करना भी खतरनाक है। सवाल यह है कि मौजूदा व्यवस्था ऐसे संकेतों को कितनी जल्दी पहचान पाती है। घटना ने कॉकपिट सुरक्षा प्रोटोकॉल पर भी सवाल खड़े किए हैं। यदि दो पायलटों के बीच विवाद अचानक हिंसा में बदल जाए तो केबिन क्रू कितनी जल्दी हस्तक्षेप कर सकता है? विमान का नियंत्रण सुरक्षित रखने की वैकल्पिक व्यवस्था क्या है? एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना देने और सुरक्षा एजेंसियों को सक्रिय करने की प्रक्रिया कितनी तेज है? इन सवालों के जवाब केवल नियम पुस्तिका में दर्ज होना पर्याप्त नहीं हैं। उनका नियमित अभ्यास और सिमुलेशन भी जरूरी है। 7500 कोड संभावित गैरकानूनी हस्तक्षेप या हाइजैकिंग का संकेत होता है। इसलिए आपात संचार प्रणाली की विश्वसनीयता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता की समीक्षा भी जरूरी है। विमानन सुरक्षा में बाहरी खतरों हाइजैकिंग, आतंकवादी हमले या घुसपैठ पर लंबे समय से ध्यान दिया जाता रहा है। अब अंदरूनी खतरे को भी उतनी ही गंभीरता से देखने की जरूरत है। घटना की जांच से यह स्पष्ट होगा कि कॉकपिट में हिंसा की शुरुआत कैसे हुई और विमान के तेजी से नीचे आने की वजह क्या थी। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना भी उचित नहीं। इसलिए पायलटों की चयन प्रक्रिया, पृष्ठभूमि जांच, नशे की जांच, काउंसलिंग और कॉकपिट में हिंसा की स्थिति से निपटने के प्रोटोकॉल हर कड़ी को मजबूत करना होगा। कॉकपिट में अनुशासन के लिए जीरो टॉलरेंस जरूरी है। क्योंकि कॉकपिट का दरवाजा यात्रियों को खतरे से बचाने के लिए बनाया गया है, खतरे का दरवाजा बनने के लिए नहीं।



मुद्दा
ज्ञानेन्द्र रावत

खत्म नहीं हो रहा वायु प्रदूषण का संकट

दुनिया में बढ़ती गर्मी और जंगलों में लग रही विनाशकारी आग की बेतहाशा बढ़ती घटनाओं से दुनिया की हवा जहरीली हो रही है। डब्ल्यूएमओ के वैज्ञानिक लोरेंगो लैब्रेडोर का कहना है कि जंगलों में लगी आग का जहरीला धुंआ दुनियाभर के शहरों की हवा को तेजी से बुरी तरह प्रदूषित कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी डब्ल्यूएमओ की हालिया रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है कि वायु प्रदूषण का संकट वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और लोगों की सेहत सुधारने के अंतराष्ट्रीय प्रयासों पर पानी फेर रहा है। जलवायु परिवर्तन के चलते डब्ल्यूएमओ के वायु गुणवत्ता मानकों को पाना अब मुश्किल होता जा रहा है। भारत भी उस मार से अछूता नहीं रहा है।

वायु प्रदूषण का संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुनिया में बढ़ती गर्मी और जंगलों में लग रही विनाशकारी आग की बेतहाशा बढ़ती घटनाओं से दुनिया की हवा जहरीली हो रही है। डब्ल्यूएमओ के वैज्ञानिक लोरेंगो लैब्रेडोर का कहना है कि जंगलों में लगी आग का जहरीला धुंआ दुनियाभर के शहरों की हवा को तेजी से बुरी तरह प्रदूषित कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी डब्ल्यूएमओ की हालिया रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है कि वायु प्रदूषण का संकट वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और लोगों की सेहत सुधारने के अंतराष्ट्रीय प्रयासों पर पानी फेर रहा है। जलवायु परिवर्तन के चलते डब्ल्यूएमओ के वायु गुणवत्ता मानकों को पाना अब मुश्किल होता जा रहा है। भारत भी उस मार से अछूता नहीं रहा है।

यहां पर भी पराली आदि जलाये जाने से पीएम 2.5 के स्तर में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। वैसे यह एक आम मिथक सा बन गया है कि अक्सर भारत में, जबकि यह समस्या विश्व व्यापी है, खासकर उत्तर भारत में वायु प्रदूषण के लिए पराली को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है, जबकि वायु प्रदूषण में पराली का योगदान डीजल-पेट्रोल व कारखानों से निकलने वाले प्रदूषकों के मुकाबले काफी कम है जो वायु गुणवत्ता सम्बंधी समस्याओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निबाहते हैं। देखा जाए तो वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेवार 32 से 44 फीसदी प्रदूषक किन स्त्रोतों से आते हैं, उनकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है, जिनसे वायु गुणवत्ता खराब होती है। इनसे निपटने का कोई प्रभावी उपाय भी अभी तक ईजाद नहीं हो सका है। जहां तक पराली का सवाल है, वायु प्रदूषण में उत्तर भारत के राज्यों खासकर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पराली यानी फसलों के अवशेष जलाने का योगदान आमतौर पर 22 से 35 फीसदी तक रहता है। यह हवा की स्थिति और मौसम के आधार पर कभी-कभी बढ़ता-घटता रहता है। इस बारे में आईआईटी और टेरी के वैज्ञानिक अध्ययनों की मानें तो सर्दियों की शुरुआत में जब पंजाब और हरियाणा में पराली जलाई जाती है, तब उत्तर-पश्चिम हवाओं के कारण यह धुंआ एनसीआर की हवा में पीएम 2.5 का स्तर काफी बढ़ा देता है, लेकिन अभी तो सितम्बर का महीना भी खत्म नहीं हुआ है और मौसम के बदलाव और मानसून के कमजोर पड़ने के साथ ही पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से सटे कई राज्यों में पराली जलाये जाने का असर वायु गुणवत्ता पर साफ-साफ दिखाई देने लगा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के क्रीम्स यानी कंसोर्टियम फार रिसर्च आन एग्रो इकोसिस्टम मानीटरिंग एंड माडलिंग फ्राम स्पेस उपग्रह निगरानी की मानें तो आने वाले दिनों में पराली जलाने से निकलने वाला धुंआ हवा की दिशा और मौसम सम्बंधी परिस्थितिजन्य हालातों के चलते एनसीआर की हवा को और खराब हालात में पहुंचा देगी। देश में राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर हर बार सवाल उठते रहे हैं। यहां वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु बीते सालों में उठाये गये कई कदमों और कुछ नये प्रयोगों के बावजूद यहां की हवा नहीं सुधरी। हां, उन प्रयासों से प्रदूषण के स्तर में कुछ मात्रा में ही सही, कमी तो आई। आज भी स्वच्छ वायु सर्वेक्षण रैंकिंग में दिल्ली 21वें नम्बर पर है। उसे 200 में से 172 अंक हासिल हुए हैं और अभी भी दिल्ली देश में



साफ हवा वाले शहरों की सूची में पहले दस स्थानों में भी शामिल नहीं है। जबकि एनसीआर में गाजियाबाद और फरीदाबाद भी दिल्ली से ऊपर 184 और 179.1 स्थान यानी 9वें और 14वें स्थान पर हैं। दिल्ली में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण की रैंकिंग सबूत है कि हवा की गुणवत्ता की स्थिति उस स्तर तक नहीं पहुंची है जिसकी राजधानी दिल्ली को जरूरत है। इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण हेतु उपलब्ध एनसीएपी यानी राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की राशि के इस्तेमाल की धीमी रफ्तार, खर्च का सीमित दायरा और व्यवस्था की प्राथमिकताएं जिम्मेवार हैं। यदि सीपीसीबी के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2016 में प्रदूषण कण पीएम 10 का औसत स्तर 245.22 पर था, जो साल 2026 में सुधर कर 177.48 आ गया।

मानकों के मुताबिक पीएम 10 का औसत स्तर 60 पर रहना चाहिए। इसमें सबसे बड़ी समस्या सरकार का प्रदूषण के स्रोत घटाने के स्थान पर प्रदूषण दिखने के बाद धूल दबाने और तत्काल नियंत्रण वाले उपायों पर ज्यादा निर्भर रहना है। यही वजह है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के प्रमुख न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव को कहना पड़ा कि स्वच्छ हवा केवल पर्यावरण से जुड़ी आकांक्षा नहीं है, बल्कि यह ऐसा व्यावहारिक लक्ष्य है जिसे ठोस प्रयास और जमीन पर प्रभावी अमल से ही हासिल किया जा सकता है। अब इस बाबत दिल्ली सरकार की वायु प्रदूषण से निपटने हेतु उद्योग, निर्माण, सड़क से उठने वाली धूल, वाहनों के प्रदूषण, कचरे को जलाने से रोकने जैसे सात इलाकों पर फोकस करने, स्थानीय निवासियों व आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाने, हरियाणा सरकार की 14 जिलों के मुताबिक प्लान बनाने, हर जिले में नोडल अधिकारी की तैनाती, वहीं उत्तर प्रदेश की एनसीआर से सटे पांच थर्मल पावर सहित आठ जिलों में पराली जलाने से रोकने, सड़कों की मशीनों से सफाई व मरम्मत कराने, पुराने वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर लगाम लगाने के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, उद्योगों में ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली लगाए जाने और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाये जाने की योजना है।

अब देखना यह है कि इन योजनाओं पर अमल कब तक हो पाता है या इनका क्रियान्वयन भी पुराने ढर्रे पर ही होगा, यह तो भविष्य के गर्भ में है। अब तो उत्तरी भारत के मुकाबले साफ माने जाने वाले देश के दक्षिणी राज्यों के प्रमुख शहर चेन्नई और बंगलुरू में भी वायु गुणवत्ता बिगड़ने के संकेतों के पीछे मौसम को जिम्मेदार बताया जा रहा है। देश के दिल्ली, मुंबई, बंगलुरू, पटना, कोलकाता और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों के विश्लेषण से खुलासा हुआ है कि वायु प्रदूषण को केवल उत्सर्जन की समस्या मानना अधूरा दृष्टिकोण है। उत्सर्जन और मौसम के बीच की परस्पर क्रिया ही वायु गुणवत्ता को नियंत्रित करती है। वायु प्रदूषण से जुड़ी होने वाली ज्यादातर स्वास्थ्य समस्यायें एयरोसोल से जुड़ी होती हैं, जिसके कण मानव आंखों को मुश्किल से दिखाई देते हैं जो जलवायु, मौसम और शरीर में विषाक्तता सम्बंधी प्रतिक्रियाओं को जन्म देते हैं। इसके लम्बे समय तक संपर्क में रहने से फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। अत्याधिक सांद्रता के कारण श्वसन तंत्र अवरुद्ध होने से मृत्यु तक हो सकती है। इसके प्रभाव से जानवर और पौधे भी अछूते नहीं रह सके हैं।

इसके अलावा स्ट्रोक से होने वाली लगभग 40 फीसदी मौतों के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची की आला पीठ ने सही ही कहा है कि वायु प्रदूषण अब एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। अब इसका फौरी निदान के बजाय दीर्घकालिक उपाय ढूंढना जरूरी हो गया है।

(लेखक पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

वृद्ध दिवस पर विशेष



ऋतुपर्ण दवे

बुजुर्ग समाज की शान अनुभव-ज्ञान के भंडार

वृद्ध हमारे परिवार और समाज की गरिमा हैं, शान हैं। एक तरह से धरोहर हैं। समाज में वृद्धजनों की भूमिका केवल एक परिवार के बुजुर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक आधार भी हैं। उनका जीवन, अनुभव और ज्ञान समाज को सही दिशा दिखाने में महत्वपूर्ण होता है। आज जब इस दौर में समाज में अलगाव और व्यस्तताएं बढ़ रही हैं, वृद्धजनों की देखभाल और सम्मान के प्रति समाज की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। समाज, परिवार और राष्ट्र के निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों के अमूल्य योगदान का सम्मान करना तथा उनके स्वास्थ्य, अधिकारों और गरिमापूर्ण जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया जाता है। इस नेक काम की शुरुआत पहली बार 1 अक्टूबर 1991 में हुई। हर वर्ष इसी दिन मनाने का निर्णय 14 दिसंबर 1990 को संयुक्त राष्ट्र महासभा लिया गया। हर साल 1 अक्टूबर को, हम अपने करीब के चिकित्सालयों में ऐसा कुछ देखते हैं जो वास्तव में कैलेण्डर में नहीं होता है। 70-80 वर्ष की आयु के मरीज जो अभी भी अकेले आते हैं, अपनी दवाइयों का समय खुद तय करते हैं और लक्षणों को कम करके आंकते हैं क्योंकि वे किसी को परेशान नहीं करना चाहते। यह दिन स्वस्थ वृद्धावस्था वास्तव में कैसी होती है, इस पर चर्चा करने का अवसर है, न कि केवल इसे सरसरी तौर पर रस्म अदायगी कर मनाने का। बुजुर्गों की देखभाल के बारे में हम बातें तो बहुत करते हैं लेकिन अमल में नहीं लाते। बस इसी कथनी और करनी की खाई पाटने के लिए अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस की परिकल्पना की गई। निश्चित रूप से इस दिन को समारोहपूर्वक मनाने से समाज में काफी बदलाव आया है। लोग सजग हुए हैं, खासकर वो युवा जो कल वृद्ध होंगे, एक सकारात्मक सोच और अपना भविष्य देखने के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

यह एक अच्छा संकेत है। हर वर्ष एक नए थीम के साथ इस दिन को इसलिए भी मनाया जाता है ताकि बुजुर्गों की देखरेख को लेकर नए-नए विचार और सुधार को अंजाम दिया जा सके। इस वर्ष की थीम 'दी एज ऑफ लॉन्गेविटी, रीथिंकिंग सिस्टम्स फॉर लांगर लाइव्स' यानी 'दीर्घायु का युग, दीर्घायु के लिए प्रणालियों पर पुनर्विचार' है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अब दुनिया के आधे देशों में औसत आयु 75 वर्ष से अधिक हो गई है, जो 1950 की तुलना में 2030 तक 25 वर्ष अधिक होने का अनुमान है। एक अनुमान के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वृद्धों की संख्या युवाओं से अधिक है और विकासशील देशों में यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसीलिए वृद्धों की देखरेख, उनके योगदान, ज्ञान, गरिमा और जरूरतों को स्वीकार करने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी और उसमें नए-नए संशोधनों और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए इस दिन पूरे विश्व में गहन विचार-विमर्श होता है और नए कार्यक्रमों, सुधारों और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को शामिल किया जाता है। इसीलिए हर वर्ष एक नए थीम के साथ यह दिन मनाया जाता है। विश्व में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों की संख्या वर्तमान में लगभग 1.25 अरब है, जो कुल वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2020 में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 1 अरब थी।

अब दुनिया में हर 9 में से 1 व्यक्ति की उम्र 60 साल या उससे अधिक है। 65 वर्ष से अधिक उम्र के आज दुनिया में लगभग 83 करोड़ लोग हैं। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया में हर 6 में से 1 व्यक्ति 65 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा और तब इनकी संख्या लगभग 1.4 अरब होगी। 2050 तक का अनुमान है कि यह संख्या लगभग दोगुनी यानी 2.1 अरब हो जाएगी। जबकि 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों की संख्या 2030 से 2050 के बीच तीन गुना बढ़कर 42.6 करोड़ हो जाने का अनुमान है। अभी चीन दुनिया में सबसे बड़ी बुजुर्ग जनसंख्या वाला देश है, जो लगभग 193.8 मिलियन है। जबकि भारत लगभग 97.7 मिलियन बुजुर्गों के साथ दूसरे स्थान पर है, वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका 57.1 बुजुर्गों के साथ तीसरे क्रम पर है। इस बार बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, ऑस्टियोआर्थराइटिस और जोड़ों का दर्द, ऑस्टियोपोरोसिस, हृदवाहिनी रोग, संज्ञानात्मक गिरावट और मनोभ्रंश, दृष्टि और श्रवण हानि, अवसाद और सामाजिक अलगाव, स्वस्थ दीर्घायु को बढ़ावा देने में अस्पतालों की भूमिका पर आधारित थीम के साथ निश्चित रूप से वृद्धजनों की बेहतरी के लिए काफी कुछ होगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

श्वास जीवन की पहली और आखिरी क्रिया



संकलित
दर्शन

क्या आपने कभी गिना है कि एक मिनट में आप कितनी बार श्वास लेते हैं? श्वास जीवन की पहली और अंतिम क्रिया है। पूरे जीवन भर हम श्वास लेते रहते हैं, पर उस पर ध्यान नहीं देते। शरीर की लगभग 90 प्रतिशत अशुद्धियाँ श्वास से बाहर निकलती हैं, क्योंकि हम 24 घंटे श्वास लेते हैं, पर अपनी फेफड़ों की क्षमता का केवल 30 प्रतिशत ही उपयोग करते हैं। एक मिनट में हम लगभग सोलह-सत्रह बार श्वास लेते हैं। यदि आप चिंतित हैं तो यह बीस तक बढ़ सकती है, यदि आप क्रोध या अत्यधिक तनाव में हैं तो यह पच्चीस तक जा सकती है। शांत और प्रसन्न होने पर यह लगभग 10 रहती है और ध्यानावस्था में केवल दो-तीन श्वास प्रति मिनट। गहरा ध्यान श्वास की गति को अत्यंत धीमा कर देता है। मन पतंग के समान है और श्वास उसकी डोर। पतंग जितनी ऊंची उड़ानी हो, डोर उतनी लंबी चाहिए। यदि आप श्वास पर ध्यान देना सीख लें, तो किसी औषधि की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। श्वास अपार ऊर्जा प्रदान करती है और प्राणशक्ति को बढ़ाती है। ऊर्जा के चार स्रोत बताए गए हैं- भोजन, नींद, प्राणायाम (सुदर्शन क्रिया) और ध्यान में बिताए गए क्षण। इन सबका संतुलन समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। सुदर्शन क्रिया के लयबद्ध श्वास-प्रवाह से शरीर की विषाक्तता घटती है और मन में शांति बढ़ती है। शोध से यह प्रमाणित हुआ है कि सुदर्शन क्रिया रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाती है।

जीवन में सब ईश्वर की दया ही है



संकलित
प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहां एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछा- ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोला- आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएं दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं। असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हम केवल जीवन में अच्छे व उजले पक्ष को ही देखते हैं। हमें सुख, आराम पसंद है, पर दुख व कष्ट के क्षण आते ही हमारा मन विचलित होने लगता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही पल होते हैं।

अंतर्मन

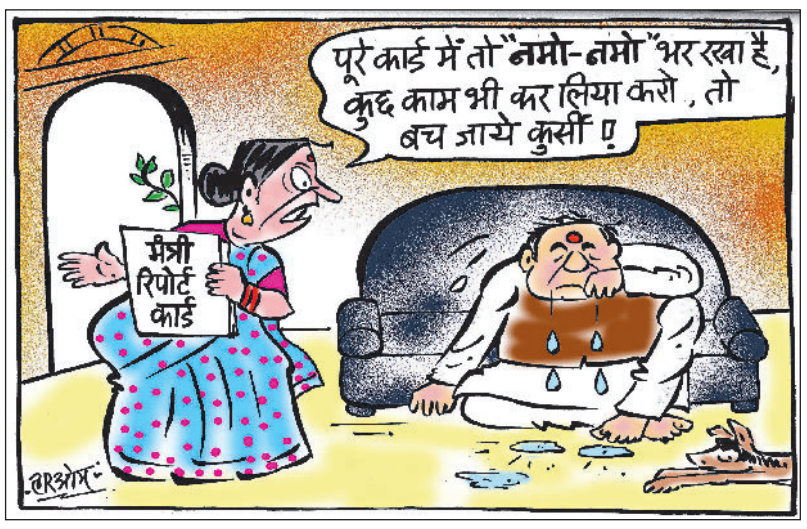

आज की पाती

जीवित मां-बाप व सास ससुर की सेवा की है?

कहते हैं कि कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं, बाद में अमृत पिलाने से क्या फायदा? जिन लोगों ने अपने माता-पिता, सास-ससुर और पूर्वजों की उनके जीवित रहते हुए सेवा नहीं की हो, उन्हें लोक दिखावे के लिए उनका श्राद्ध भी नहीं करना चाहिए। इससे ऐसे लोगों के पूर्वजों की आत्मा को शायद ही शांति मिले। हमारे देश में पत्थर को पूजा जाता है। नदियों की पूजा की जाती है। अपने पूर्वजों को याद करने के लिए हमारे देश में श्राद्धों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश की महान संस्कृति हमेशा ही संदेश देती है कि हमें अपने पूर्वजों का सम्मान करना चाहिए। पूर्वजों को सम्मान करने से एक तो नैतिकता का संचार होता है, दूसरा उनके चलाए रास्तों पर चलने से कोई भी इनसान कभी नाकामयाब नहीं होता। - *संदीप चतुर्वेदी, दुर्ग*

ट्रेंड

जनगणना में भाग लें



जनगणना में भाग लेना हम सभी का राष्ट्रीय कर्तव्य है। इससे देश के भविष्य की सही तस्वीर बनाने में मदद मिलती है। मैं एक बार फिर अपने सभी देशवासियों से आग्रह करता हूँ कि वे इसके लिए ज़रूर समय निकालें।
- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

मेडल जीतने पर बधाई



नायब सूबेदार गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने तीन इवेंट्स में तीन मेडल अपने नाम किए।गुलवीर ने लगातार अच्छा प्रदर्शन और ज़बरदस्त जज़्बा दिखाया है। एक और मेडल जीतने पर उन्हें बधाई!
- **जेपी नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

वोटों की चोरी



भारतीय लोकतंत्र के सामने वोटों की चोरी एक बेहद गंभीर समस्या बन गई है। हमारे नेता राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से उठा रहे हैं लेकिन दुर्भाग्य से, चुनाव आयोग चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और ईमानदार बनाने की दिशा में काम करने को तैयार नहीं है।
- **कमलनाथ,** पूर्व सीएम, मध्यप्रदेश

छात्राओं की सुरक्षा



आज सभी छात्राएं अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। और सरकार क्या कर रही है? वह सलाह दे रही है। शाम के बाद घर से बाहर न निकलें। अरे सरकार! अपना काम करो। सुरक्षा का इंतज़ाम करो।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

अमेरिका में ईबी-5 ग्रीन कार्ड की फीस बढ़ेगी



अमेरिका ने देश में निवेश करने और आगे चलकर स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) हासिल करने की इच्छा रखने वाले प्रवासियों के लिए ईबी-5 निवेशक कार्यक्रम की फीस में भारी बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। ईबी-5 निवेशक कार्यक्रम भारतीय उद्यमियों और उनके परिवारों के लिए ग्रीन कार्ड हासिल करने के भरोसेमंद रास्तों में से एक माना जाता है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने मंगलवार को एक अंतिम नियम जारी किया, जिसके तहत ईबी-5 वीजा के लिए आवेदन करने की फीस दोगुने से भी अधिक बढ़ जाएगी। यह नियम 30 नवंबर से प्रभावी होगा। अमेरिका का 'ईबी-5 निवेशक कार्यक्रम' उन विदेशी निवेशकों और उनके निकटतम परिजनों को स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) प्राप्त करने का अवसर देता है, जो किसी अमेरिकी व्यावसायिक उद्यम में निर्धारित पूंजी निवेश करते हैं और अमेरिकी कामगारों के लिए कम से कम 10 पूर्णकालिक नौकरियां पैदा करते हैं। अकेले निवेश करने वाले आवेदकों के लिए फॉर्म आई-526 की फीस 3,675 डॉलर से बढ़कर 7,615 डॉलर हो जाएगी। स्वीकृत रीजनल सेंटर के माध्यम से निवेश करने वाले आवेदकों के लिए शुरुआती फॉर्म आई-526 फीस 3,675 डॉलर से बढ़कर 7,850 डॉलर हो जाएगी।

ऑफ बीट

एआई भाषाई असमानता को बढ़ावा दे सकता है



कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर यह चिंता लगातार बढ़ रही है कि इससे सामाजिक और आर्थिक असमानता बढ़ सकती है। हालांकि, एआई भाषाई असमानता को भी बढ़ावा दे सकता है, क्योंकि जनरेटिव एआई के पीछे काम करने वाले बड़े भाषा मॉडल में कुछ भाषाओं का प्रतिनिधित्व बहुत अधिक है, जबकि कई अल्पसंख्यक भाषाएं लगभग गायब हैं। जनरेटिव एआई बहुसंख्यक भाषाओं पर बेहतर काम करता है। इसके विपरीत, जिन भाषाओं की ऑनलाइन मौजूदगी बहुत कम है, उनके बारे में एआई मॉडल के पास पर्याप्त आंकड़े नहीं होते। इससे ऐसी भाषाओं में पूछे गए सवालों के गलत या अधूरे जवाब मिलने की संभावना बढ़ जाती है। पापुआ न्यू गिनी की हुला भाषा के करीब 10,000 भाषाभाषी हैं, जबकि तिमोर-लेस्ते में व्यापक रूप से बोली जाने वाली टेटुन भाषा के करीब 10 लाख से अधिक वक्ता हैं। दोनों भाषाओं का एआई मॉडल के प्रशिक्षण आंकड़ों में प्रतिनिधित्व बेहद कम है। शोधकर्ताओं ने पिछले एक वर्ष में एक अलग प्रवृत्ति भी देखी है। एआई स्थानीय समुदायों को अपनी जरूरत के मुताबिक डिजिटल उपकरण बनाने में सक्षम बना रहा है, जिससे वे अपनी भाषाओं और ज्ञान को संरक्षित कर सकते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

वित्त मंत्री से मुलाकात के बाद व्यापारियों ने बदला फैसला

अब व्यापारिक संगठनों के नेताओं ने बदला रुख, कल का होने वाला आंदोलन 'नो यूपीआई डे' लिया वापस,सरकार से करेंगे समाधान पर चर्चा

0.40 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को लेकर व्यापारियों ने दी थी चेतावनी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

यूपीआई इस्तेमाल करने वालों के लिए बड़ी खबर है। 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने का ऐलान अब वापस ले लिया गया है। 2,000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर प्रस्तावित 0.40 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को लेकर व्यापारियों के एक बड़े वर्ग ने विरोध जताया था। इसी विरोध में 2 अक्टूबर को यूपीआई से दूरी बनाने का आह्वान किया गया था। अब व्यापारिक संगठनों के नेताओं की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात के बाद यह फैसला वापस ले लिया गया है।

पहले एमडीआर को लेकर वायपारियों ने जताया था केंद्र का विरोध



20 वरिष्ठ व्यापारिक नेता वित्तमंत्री से मिले

सांसद खंडेलवाल के नेतृत्व में वित्तमंत्री से की मुलाकात

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल के नेतृत्व में करीब 20 वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं ने वित्त मंत्री से मुलाकात की। बैठक में कारोबारियों ने 2,000 रुए से ज्यादा के रुपए लेन-देन पर 0.40 फीसदी एमडीआर लगाने के प्रस्ताव को लेकर अपनी चिंता बताई। व्यापारियों का कहना है कि डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अगर हर बड़े यूपीआई लेन-देन पर दुकानदारों पर अतिरिक्त शुल्क आता है, तो खासकर छोटे और मध्यम कारोबारियों पर इसका असर पड़ सकता है।

हमारे आंदोलन का मकसद सरकार तक बात पहुंचानी थी

एआईसीपीडीएफ और एआईएमआरए समेत कुछ व्यापारिक संगठनों ने 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने का आह्वान किया था। इसका मकसद यूपीआई को बंद करना नहीं, बल्कि प्रस्तावितएमडीआर के खिलाफ सरकार तक अपनी बात पहुंचाना था। अब वित्त मंत्री के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों संगठनों ने यह आह्वान वापस ले लिया है। सरकार ने उनकी चिंताओं पर उचित विचार करने का भरोसा दिया है।

दुकानदारों को इस बात की थी चिंता

यदि किसी दुकान पर ग्राहक ने 10,000 रुपए का यूपीआईपेमेंट किया। प्रस्तावित 0.40 फीसदी एमडीआर के हिसाब से शुल्क करीब 40 रुपए बनता है। कारोबारियों की चिंता है कि बड़ी संख्या में डिजिटल पेमेंट होने पर ऐसे छोटे-छोटे शुल्क मिलकर उनके खर्च को बढ़ा सकते हैं। खासकर छोटे दुकानदारों और कम मार्जिन वाले कारोबार में व्यापारी यह देखना चाहते हैं कि डिजिटल पेमेंट की सुविधा बनी रहे, लेकिन उसका खर्च सीधे उनकी जेब पर न आए।

व्यापारी बोले- हम यूपीआई के खिलाफ नहीं

व्यापारिक संगठनों ने साफ किया कि उनका विरोध यूपीआई से नहीं है। कारोबारियों का कहना है कि यूपीआई ने देश में पेमेंट करना बेहद आसान बना दिया है। छोटी दुकान से लेकर बड़े स्टोर तक लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। हम इसके खिलाफ नहीं हैं।

खबर संक्षेप

6 साल बाद फिर खुला पुरी का गुंडिचा मंदिर

पुरी। ओडिशा के पुरी में प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के समीप स्थित गुंडिचा मंदिर 6 साल के अंतराल



के बाद बुधवार को श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिया गया। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढ़ी की मौजूदगी में अनुष्ठान संपन्न होने के बाद सुबह 7.45 बजे द्वार खोले गए। कोविड से बंद था।

भाजपा पार्षद के घर लूट, नौकर पर शक

देहरादून। भाजपा पार्षद अमिता सिंह के घर लूट की वारदात में सामने आई है। नेपाल निवासी



नौकर को उनकी बेटी मेघा ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये हायर किया था। मेघा दिल्ली में रहती हैं। 25 दिन पहले ही नौकर को घर के कामकाज के लिए रखा गया था। मेघा ने नौकर की जानकारी जुटाने के बाद काम दिया था।

भाजपा विधायक को पाक से मिली धमकी

मथुरा। यहां के मांट विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री राजेश चौधरी ने



पाकिस्तानी नंबर से धमकी भरे फोन आने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। उन्होंने मामले में मुकदमा दर्ज कर अपने और परिवार की सुरक्षा की व्यवस्था कराने की मांग की है। मंगलवार रात 10:38 बजे कॉल आई।

पूर्व पुलिस अधिकारी वाजे की जमानत पर रोक

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट से मुंबई के पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट



ने वाजे को मिली जमानत पर रोक लगा दी है। वाजे को 2021 के एंटीलिया बम धमकी मामले और मनसुख हिरेन हत्याकांड में स्पेशल कोर्ट ने 29 सितंबर को जमानत दी थी। वाजे बॉम्बे हाई कोर्ट गए थे।

रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए सभी 6 फसलों की एमएसपी बढ़ोतरी को केंद्रीय कृषि मंत्री ने सराहा

किसानों को उनकी मेहनत का पूरा व लाभकारी मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकता: शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

गेहूं : 25 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी, नई एमएसपी 2,610 रुपए प्रति क्विंटल तथा सरसों 413 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि, नई एमएसपी 6,613 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

केंद्रीय कैबिनेट बैठक में रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए सभी 6 अनिवार्य फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए इसे देश के किसानों के हित में लिया गया निर्णय बताया।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की किसान हितैषी नीतियों, वैज्ञानिकों के शोध और किसानों के अथक परिश्रम से आज भारत खाद्यान्न सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा और पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर है। एक जमाना था जब देश आयातित गेहूं पर निर्भर था, लेकिन आज देश के अन्न भंडार लबालब भरे हुए हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि देश की 46% आबादी की आजीविका कृषि पर आधारित है और 86फीसदी किसान छोटे व सीमांत हैं, इसलिए सरकार का मूल ध्येय केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि किसानों को उनकी मेहनत का पूरा और लाभकारी मूल्य दिलाना है।

लागत पर 50% से 106% तक का बंपर मार्जिन

शिवराज सिंह ने कहा कि सरकार का स्पष्ट नीतिगत फैसला है कि किसानों को उनकी औसत उत्पादन लागत पर कम से कम 50फीसदी या उससे अधिक का लाभ मिलना चाहिए। इसी क्रम में रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए घोषित एमएसपी में



अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 50 से लेकर 106फीसदी तक का मार्जिन दिया गया है। इसमें किसानों को सबसे अधिक मार्जिन गेहूं पर 106फीसदी, रेपसीड एवं सरसों पर 96फीसदी और मसूर पर 92फीसदी सुनिश्चित किया गया है जिससे किसानों की शुद्ध आय में सीधा इजाफा होगा।

एमएसपी भुगतान और खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

चौहान ने कहा कि 2004-05 से 2013-14 में 6 प्रमुख रबी फसलों की एमएसपी खरीद पर कुल 2.65 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किसानों को किया गया था। मोदी सरकार के कार्यकाल (2014-15 से 2025-26) में यह राशि तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 8.36 लाख करोड़ तक पहुंच गई है।

रबी फसलों की नई एमएसपी दरें: एक नजर में (सत्र 2027-28)

कैबिनेट निर्णय के अनुसार सभी 6 रबी फसलों की संशोधित एमएसपी दरें और वृद्धि इस प्रकार निर्धारित की गई हैं: कुसुम : सबसे अधिक 675 प्रति क्विंटल की भारी वृद्धि, नई एमएसपी 7,215 रुपए प्रति क्विंटल। रेपसीड एवं सरसों 413 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि, नई एमएसपी 6,613 रुपए प्रति क्विंटल। मसूर : 390 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि, नई एमएसपी 7,390 रुपए प्रति क्विंटल। जौ : 136 प्रति रुपए क्विंटल की वृद्धि, नई एमएसपी 2,286 रुपए प्रति क्विंटल। चना: 83 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि, नई एमएसपी 5,958 रुपए प्रति क्विंटल। गेहूं : 25 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी, नई एमएसपी 2,610 रुपए प्रति क्विंटल।

दलहन क्षेत्र में ऐतिहासिक उछाल 35 गुना बढ़ी सरकारी खरीद

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि देश वर्तमान में लगभग 60 लाख मीट्रिक टन दालों का आयात करता है और कनाडा जैसे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। इस विदेशी निर्भरता को समाप्त करने और 'राष्ट्रीय दलहन मिशन' को गति देने के लिए ही मसूर (390 रुपए /क्विंटल) और चना (83रुपए/क्विंटल) की एमएसपी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है।

जमीन धोखाधड़ी मामला

'विशेष पीएमएलए' ने हेमंत के खिलाफ आरोप तय किए

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुए सीएम

एजेंसी ⏭ रांची



रांची की विशेष पीएमएलए अदालत ने 8.86 एकड़ जमीन की कथित धोखाधड़ी से जुड़े मामले में बुधवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ आरोप तय किए। उनके वकील ने यह जानकारी दी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य की राजधानी के बरगाईं क्षेत्र में जमीन के कथित अवैध अधिग्रहण और हस्तांतरण के संबंध में धनशोधन का मामला दर्ज किया है। अधिवक्ता संजीव सहाय ने कहा कि विशेष पीएमएलए अदालत ने झारखंड के मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं और अब मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। सोरेन सुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुए। इस मामले में अब सुनवाई शुरू होगी और गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

लालू और परिवार के खिलाफ नए सिरे से दलीलें सुनेगी कोर्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत रेलवे में जमीन के बदले नौकरी से जुड़े धनशोधन मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू प्रसाद यादव और अन्य के खिलाफ आरोपों पर दलीलें नए सिरे से सुनेगी। विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार ने कहा कि ईडी के वकील आरोप तय करने के बिंदु पर नए सिरे से दलीलें पेश करने के लिए कुछ समय मांग रहे हैं। 14 अक्टूबर को मामला सूचीबद्ध किया जाए। विशेष न्यायाधीश ने आरोप तय करने के संबंध में आदेश सुरक्षित रख लिया था।

जो राम का विरोध कर भगवान शिव की पूजा करे, वह रावण के समान

भाजपा ने सीएम रेड्डी को कटघरे में खड़ा किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भाजपा ने तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी की भगवान राम और शिव के संबंध में हालिया टिप्पणियों की आलोचना की और कांग्रेस पर हिंदुओं के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश का आरोप लगाया। दक्षिणी राज्यों में शिव की पूजा होती है। शिव गरीबों के भगवान हैं, राम अमीरों के भगवान हैं और भाजपा अमीरों की पार्टी है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि हिंदू समाज को पूरी ताकत के साथ बांटने की हर साजिश में शामिल रही कांग्रेस अब हिंदू देवी-देवताओं को भी बांटने के स्तर तक गिर गई है।

यह राजनीति में घृणित उदाहरणों में से एक बताया

सुधांशु ने कहा कि मेरा मानना है कि यह भारत की राजनीति में सबसे घृणित उदाहरणों में से एक है। ऐसा प्रतीत होता है कि मुस्लिम लीग के साथ सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पर पड़ा इस्लामी प्रभाव इतना गहरा हो गया है कि पार्टी हिंदू देवी-देवताओं को इस्लाम और ईसाई धर्म के चश्मे से देखने लगी है। जो कोई भगवान राम का विरोध करते हुए भगवान शिव की पूजा करता है, वह 'रावण की तरह' है।

'इंडिया ब्लाक' की बैठक पर बोले भाजपा नेता शाहनवाज़

आप बाहर अब डीएके भी आउट | गठबंधन में न कोई नेता न लीडरशिप बैठक में हर बार गिरते जा रहे विकेट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

गठबंधन की बैठक पर भाजपा नेता शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि इंडीगठबंधन जैसी कोई चीज़ नहीं है।



गठबंधन के लोगों के पास न तो कोई ऑफ़िस है, न कोई अध्यक्ष। कोई पॉलिसी नहीं है, न कोई लीडरशिप। हर बैठक में उनकी संख्या कम होती जा रही है। जब भी वे कोई बैठक करते हैं, तो अगली बैठक तक उनके एक-दो 'विकेट' गिर चुके होते हैं। आप का विकेट पहले ही गिर चुका है। डीएमके का विकेट गिर चुका है। इस बीच शिवराज सिंह चौहान ने कहा, गठबंधन के नेताओं को राहुल गांधी की लीडरशिप पसंद ही नहीं, इसीलिए तो बड़े बड़े नेता इस बैठक से दूर हैं।

बंगाल में ऐतिहासिक चुनाव कराया

टीएमसी का बागी गुट बोला- ज्ञानेश को मिले भारत रत्न

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर सियासत तेज है। एसआईआर मामले के बाद से विपक्ष उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है। इसी बीच नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया ने उन्हें भारत रत्न देने की मांग की है। पार्टी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न देने का अनुरोध किया है। पार्टी के अध्यक्ष ज्योतिप्रकाश चटर्जी ने बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान कुमार के नेतृत्व की तारीफ की और शांतिपूर्ण मतदान, वोटर लिस्ट में सुधार और रिकॉर्ड मतदान का जिक्र किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहन सिंह पुत्र: पान सिंह पता: एडी–14बी, पीतमपुरा, दिल्ली** ने case **FIR No. 267/2026 U/s 468/471 IPC, थाना: मौर्या एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहन सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहन सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 267/2026 U/s 468/471 IPC, थाना: मौर्या एन्क्लेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहन सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकदमा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 26.11.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अनुराधा प्रसाद
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी
उत्तर पश्चिम, कोर्ट नं. 101, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/13945/NW/2026 (Court Matter)

उत्तर रेलवे

TENDER NOTICE

ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

	एन.आई.टी	50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57 - W4
1	काम का नाम (स्थान का नाम)	**50.** SSE/P.WAY/ROK सेक्शन में ट्रैक के रोजाना रखरखाव के लिए एक साल की अवधि का सालाना जोन। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी तरह का ट्रैक का काम **52.** SSE/P.WAY/BGZ सेक्शन में ट्रैक के रोजाना रखरखाव के लिए एक साल की अवधि का सालाना जोन। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी तरह का ट्रैक का काम **52.** ABO-RE सेक्शन में ट्रैक के रोजाना रखरखाव के लिए एक साल की अवधि का सालाना जोन कॉन्ट्रैक्ट। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी तरह का ट्रैक का काम **53.** ROK-PNP सेक्शन में ट्रैक के रोजाना रखरखाव के लिए एक साल की अवधि का सालाना जोन कॉन्ट्रैक्ट। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी तरह का ट्रैक का काम **54.** JHI-SNP सेक्शन में ट्रैक के रोजाना रखरखाव के लिए एक साल की अवधि का सालाना जोन कॉन्ट्रैक्ट। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी तरह का ट्रैक का काम **55.** SSE/P.Way/जाखल सेक्शन में एक साल की अवधि के लिए मुख्य लाइन के ट्रैक के रखरखाव हेतु वार्षिक जोन। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी तरह का ट्रैक का काम **56.** SSE/P.Way/MSZ सेक्शन में मुख्य लाइन के ट्रैक के रखरखाव के लिए एक साल की अवधि का वार्षिक जोन। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी तरह का ट्रैक का काम **57.** SSE/P.Way/जींद सेक्शन में एक साल की अवधि के लिए मुख्य लाइन के ट्रैक के रखरखाव हेतु वार्षिक जोन। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी तरह का ट्रैक का काम
2	काम की अनुमानित लागत रुपये	**50.** रुपये 14999994.02, **51.** रुपये 14999995.57 **52.** रुपये 7999952.88 **53.** रुपये 9999972.50, **54.** रुपये 8999963.02, **55.** रुपये 9999344.14 **56.** रुपये 9999937.00, **57.** रुपये 14999804.72
3	अग्रिम राशि (रुपये)	(यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) **(नोट:** रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई -आई/ सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआरईपीएस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए, ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा।) **50.** रुपये 300000.00, **51.**रुपये 300000.00 **52.** रुपये 160000.00 **53.** रुपये 200000.00 **54.** रुपये 180000.00, **55.** रुपये 200000.00 **56.** रुपये 200000.00, **57.** रुपये 300000.00
4	काम की समाप्ति अवधि	**50.** 12 महीने, **51.** 12 महीने, **52.** 12 महीने, **53.** 12 महीने, **54.** 12 महीने, **55.** 12 महीने, **56.** 12 महीने, **57.** 12 महीने
5	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	23.10.2026 को 15:00 बजे तक तथा 23.10.2026 15:00 बजे निविदा खुलना है।
6	वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा विवरण	यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

No. 128-W/280/OET/2026-27/W-IV/NIT- 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57
Date : 29.09.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3392/26

सुप्रीम कोर्ट लेगा फैसला

पटाखों पर पूरी तरह रोक फिलहाल नहीं लगा सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली से पहले पटाखे जलाने वाले मामले पर कहा कि पूरे देश में पटाखों पर पूरी तरह रोक लगाने पर विचार नहीं



किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक भावनाओं, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। जस्टिस एमएम सुंद्रेश ने कहा कि चौबीसों घंटे पटाखे जलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। कोर्ट पटाखे जलाने के लिए तय समय और इस्तेमाल किए जा सकने वाले पटाखों के प्रकार पर विचार करेगा।

आज से एलपीजी यूपीआई और रेलवे टिकट के नियम बदले

ग्राहकों से एमडीआर नहीं कटेगा,केवाईसी जरूरी

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की डेडलाइन 21 नवंबर की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अक्टूबर में एसबीआई की नई लिमिट, एलपीडी के लिए आधार ऑथेंटिकेशन, एनपीएस और यूपीआई नियमों में बदलाव अहम हैं। नया यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क, जो 2000 रुपए से ऊपर के खास मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर लागू होगा। ग्राहकों से कोई एमडीआर नहीं कटेगा और यूपीआई ट्रांजैक्शन मुफ्त रहेंगे। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट फाइल करने की डेडलाइन बढ़ाकर 21 अक्टूबर कर दी गई है, जबकि इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की डेडलाइन 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर कर दी गई है।

■ 1 अक्टूबर से होंगे लागू

एलपीजी के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी

1 अक्टूबर से घरेलू एलपीजी ग्राहकों को सब्सिडी के साथ तय रिटेल सेलिंग प्राइस पर



रिफिल बुक करने के लिए बायोमीट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन पूरा करना होगा। जो पूरा नहीं करते, वे भी एलपीजी ले सकते हैं, लेकिन उन्हें बिना सब्सिडी के लागू मार्केट प्राइज पर एलपीजी मिलेगी। यह कंपनियों के नियमों के अधीन होगा।

दूसरे बैंकों के एटीएम पर मुफ्त मासिक ट्रांजैक्शन संख्या 5 होगी

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सैलरी पैकेज अकाउंट होल्डर्स के लिए दूसरे बैंकों के एटीएम पर मुफ्त



मासिक ट्रांजैक्शन की संख्या 10 से घटाकर 5 कर देगा। इस लिमिट में फाइनेंशियल और नॉन-फाइनेंशियल, दोनों तरह के ट्रांजैक्शन शामिल होंगे।बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट्स के लिए, महीने में 4 बार कैश निकालना मुफ्त रहेगा, फिर 15 रुपए और जीएसटी का चार्ज लगेगा।

रेलवे यात्रा के दौरान ओरिजिनल पहचान पत्र

सेंट्रल रेलवे 31 अक्टूबर तक एक खास 'टिकट चेकिंग अभियान' चलाने जा रहा है। इस अभियान का



सबसे बड़ा नियम है 'वन टिकट, वन ओरिजिनल आईडी'। अब सफर के दौरान सिर्फ टिकट होना ही काफी नहीं है, बल्कि ओरिजिनल पहचान पत्र भी होना चाहिए।

खबर संक्षेप

आधार हाउसिंग फाइनेंस की रेटिंग एए+ में अपग्रेड हुई

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों में शामिल आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की रेटिंग आईसीआरए ने बढ़ाकर आईसीआरए एए+/स्टेबल कर दी है। कंपनी मुख्य रूप से कम आय वाले वर्ग को आवास ऋण उपलब्ध कराती है। इससे पहले केयर ने आधार हाउसिंग फाइनेंस की रेटिंग केयर एएसे बढ़ाकर केयर एए+ और इंडिया रेटिंग्स ने आईएनडी एए से बढ़ाकर आईएनडी एए+/स्टेबल की थी। आईसीआरए की रेटिंग बढ़ने के साथ आधार हाउसिंग फाइनेंस ऐसी एकमात्र एचएफसी बन गई है, जिसे तीनों रेटिंग एजेंसियों से स्वतंत्र आधार पर एए+ रेटिंग मिली है।इसके अलावा, 504.40 करोड़ रूपये के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर एनसीडी की रेटिंग वापस ले ली गई है।

स्वस्तिक इंफ्रा का शेयर आठ फीसदी बढ़कर हुआ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। स्वस्तिक इंफ्रा लिमिटेड का शेयर अपने 185 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले आठ प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। एनएसई दोनों पर 200 रुपये के भाव पर शुरुआत की, जो निर्गम मूल्य से 8.10 प्रतिशत अधिक है। बीएसई पर शेयर 13.48 प्रतिशत उछलकर 209.95 रुपये पर पहुंच गया। जो दिन की 'अपर सर्किट' सीमा है। एनएसई पर शेयर 13.51 प्रतिशत चढ़कर 210 रुपये पर पहुंच गया, जो दिन की अधिकतम कारोबार सीमा है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 716.35 करोड़ रुपये रहा।

नए सीएएफई -3 मानक एक अप्रैल 2027 से होंगे लागू

नए सीएएफई मानक जारी, पांच साल में ईंधन दक्षता 16.7 फीसदी सुधारने का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अधिसूचित मानक 31 मार्च 2032 तक प्रभावी रहेंगे

औसत ईंधन खपत का मानक घटकर 3.327 लीटर प्रति 100 किमी होगा

वाहनों के औसत वजन को बढ़ाकर 1,229 किलोग्राम कर दिया गया

सरकार ने यात्री वाहन विनिर्माताओं के लिए सीएएफई-3 के कड़े ईंधन दक्षता मानक अधिसूचित किए हैं, जिनका लक्ष्य पांच साल में वाहनों की औसत ईंधन खपत में 16.7 प्रतिशत सुधार करना है। इसके लिए वाहन कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहन, हाइब्रिड, वैकल्पिक ईंधन और ईंधन बचाने वाली प्रौद्योगिकियों के जरिये लक्ष्य हासिल करने के अधिक विकल्प भी दिए गए हैं।

बिजली मंत्रालय की तरफ से अधिसूचित नए 'कॉरपोरेट औसत ईंधन अर्थव्यवस्था' (सीएएफई-3) मानक एक अप्रैल, 2027 से लागू होंगे और 31 मार्च, 2032 तक प्रभावी रहेंगे। इसके तहत औसत ईंधन खपत का मानक 2027-28 में 3.996 लीटर प्रति 100 किलोमीटर से घटकर 2031-32 में 3.327 लीटर प्रति 100 किलोमीटर हो जाएगा।

हल्के वाहनों के लिए नरम लक्ष्य

नए ईंधन दक्षता मानक मौजूदा सीएएफई व्यवस्था की जगह लेंगे। इनमें वाहनों के औसत वजन को भी अधिक महत्व दिया गया है। संदर्भ वाहन का वजन मौजूदा 1,082 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,229 किलोग्राम कर दिया गया है। इससे हल्के वाहनों के लिए अपेक्षाकृत नरम लक्ष्य और भारी वाहनों के लिए अधिक ईंधन दक्षता सुधार की जरूरत होगी।

इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को अधिक भार दिया जाएगा

नए मानकों के तहत इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को कंपनी के औसत ईंधन दक्षता लक्ष्य की गणना में उनकी वास्तविक संख्या से अधिक भार दिया जाएगा। इसके तहत बैटरी इलेक्ट्रिक और रेंज एक्सटेंडेड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 3.0, प्लग-इन हाइब्रिड और फ्लेक्स-फ्यूल एथनॉल आधारित मजबूत हाइब्रिड वाहनों के लिए 2.5, मजबूत हाइब्रिड वाहनों के लिए 1.6 और फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए 1.1 का गुणक तय किया गया है।



नई प्रौद्योगिकी शामिल होगी : इनमें स्टार्ट-स्टॉप प्रणाली, टायर प्रेशर निगरानी, रीजनरेटिव ब्रेकिंग, अधिक दक्षता वाले अल्टरनेटर, माइक्रो-हाइब्रिड प्रणाली और एलईडी लाइटिंग जैसी प्रौद्योगिकी शामिल हैं। वैकल्पिक ईंधन से चलने वाले वाहनों को भी सीएएफई-3 के तहत कार्बन निरपेक्षता घटक के जरिये अनुपालन में अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

आठ प्रतिशत का कार्बन निरपेक्षता घटक लागू होगा

इसके तहत ई20 या इससे अधिक एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल से चलने वाले वाहनों के टेलपाइप सीओ2 उत्सर्जन पर आठ प्रतिशत का कार्बन निरपेक्षता घटक लागू होगा। फ्लेक्स-फ्यूल एथनॉल वाहनों के लिए यह घटक 22.3 प्रतिशत होगा। सीएनजी वाहनों के मामले में पांच प्रतिशत या अधिसूचित सीबीजी मिश्रण के प्रतिशत, जो भी अधिक हो, का कार्बन तटस्थता घटक लागू होगा।

नए नियम अनुपालन की पहली अवधि तीन वर्ष की होगी : नए नियमों के अनुपालन की पहली अवधि वित्त वर्ष 2027-28 से तीन साल की होगी, जबकि दूसरी अवधि वित्त वर्ष 2030-31 से दो साल की होगी। किसी भी अवधि के अंत में निपटान नहीं किए गए क्रेडिट समाप्त हो जाएंगे।

उद्देश्य जीवाश्म ईंधन की खपत कम करना

इसका उद्देश्य भारत में जीवाश्म ईंधन की खपत कम करने के साथ इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड, एथनॉल और अन्य स्वच्छ वाहन प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। एक हजार से कम पात्र वाहनों का सालाना उत्पादन या आयात करने वाली कंपनियां किसी विशिष्ट औसत ईंधन दक्षता लक्ष्य को पूरा करने से मुक्त रहेंगी। हालांकि, उन्हें ईंधन खपत से जुड़े आंकड़ों की जानकारी देनी होगी।

उद्योगों में कुल रोजगार वर्ष 2024-25 में दो करोड़ के पार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



■ रोजगार उपलब्ध कराने में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान सबसे अधिक रहा

उद्योगों में कुल रोजगार का आंकड़ा 2024-25 में दो करोड़ के पार पहुंच गया। इसमें मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र का योगदान रहा, जिसने 14 लाख से अधिक कामगारों को रोजगार दिया। बुधवार को जारी वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एएसआई) से यह जानकारी मिली। एएसआई के अनुसार, उद्योगों में काम करने वाले लोगों की अनुमानित संख्या 2024-25 में 7.19 प्रतिशत बढ़कर 2.10 करोड़ हो गई जो 2023-24 में 1.96 करोड़ थी। आधिकारिक बयान के अनुसार, पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार का विस्तार जारी रहा। कामगारों को दिए गए कुल वेतन एवं अन्य पारिश्रमिक में भी 2024-25 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सर्वेक्षण के अनुसार, 2024-25 में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार देने के मामले में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पांच प्रमुख राज्य रहे। इन राज्यों में मिलकर देश के कुल विनिर्माण रोजगार का करीब 56 प्रतिशत हिस्सा रहा। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एएसआई के परिणाम जारी किए। एएसआई 2024-25 के लिए सर्वेक्षण का क्षेत्रीय काम अक्टूबर, 2025 से जून, 2026 के बीच किया गया। वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विनिर्माण उद्योगों में उत्पादन, मूल्यवर्धन, रोजगार, पूंजी निर्माण और अन्य मानकों के आधार पर उनकी संरचना, वृद्धि और बदलाव की स्थिति की जानकारी देना है।

सोना 700 रुपये बढ़कर 1.49 लाख रुपये

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में दो महीने के निचले स्तर से सुधार हुआ और ये 700 रुपये बढ़कर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं।

वैश्विक बाजार में मजबूती के रुख के बीच निवेशकों की कम कीमत पर की गई खरीदारी से सोने में तेजी आई। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में दो सत्रों से जारी गिरावट थम गई और यह 700 रुपये बढ़कर 1,49,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई, जबकि मंगलवार को यह 1,48,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत लगातार दूसरे सत्र में 2.32 लाख रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर स्थिर रही। ब्रोकरेज मंच लेमन के शोध प्रमुख, गौरव गर्ग के अनुसार, हालिया नुकसान के बाद व्यापारियों द्वारा नीचे दाम पर की गई लिवाली से बुधवार को सोने की कीमतों में सुधार हुआ।



■ सोने में दो महीने के निचले स्तर से सुधार हुआ

■ चांदी की कीमत 2 .32 लाख रुपये प्रति किलो पर स्थिर रही

सोना 4,195 डॉलर प्रति औंस के आसपास

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड की जिंस और मुद्रा शोध विश्लेषक, वेदिका नार्वेकर ने कहा, ''सोना 4,195 डॉलर प्रति औंस के आसपास बना हुआ था और सितंबर में पांच प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद होने की राह पर था, जो समर्थन करने वाले कारकों और लगातार बनी हुई चुनौतियों के बीच खींचतान को दिखाता है।''

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 48 अंक और टूटा

मुंबई (एजेंसी)। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, ऊंचे वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल और विदेशी पूंजी की निकासी से निवेशकों में चिंता के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट का सिलसिला जारी रहा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स दिन के अंत में हुई बिकवाली के कारण 48.78 अंक टूटकर 72,480.29 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 533.16 अंक बढ़कर 73,062.23 अंक तक पहुंच गया था। वहीं पचास शेयर वाला एनएसई निफ्टी 95.75 अंक यानी 0.42 प्रतिशत फिसलकर 22,620.45 अंक पर बंद हुआ। इस महीने बीएसई सेंसेक्स में 4,476.98 अंक जबकि निफ्टी में 1,459.95 अंक की गिरावट आई। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इटर्नल, सन फार्मा, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरावट में रहे। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंटरग्लोब एविएशन और एक्सिस बैंक के शेयर में तेजी दर्ज की गई।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रही, वैश्विक बांड प्रतिफल के कारण निवेशक का रुझान बदला

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद कारोबारी भरोसा बरकरार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



■ सूचकांक में सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत सुधार हुआ : एसोचैम

पश्चिम एशिया संकट, ऊंची ऊर्जा कीमतों, महंगाई और रुपये में गिरावट जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अप्रैल-सितंबर, 2026-27 के दौरान भारत में कारोबारी भरोसा बरकरार है। उद्योग मंडल एसोचैम द्वारा बुधवार को परीक्षण के आधार पर जारी नए सूचकांक से यह जानकारी मिली। एसोचैम व्यापार भरोसा (एबीसी) सूचकांक सितंबर में 128.25 रहा, जो पिछले साल इसी महीने में 118.72 था। अप्रैल-सितंबर, 2026-27 के दौरान सूचकांक में सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत सुधार हुआ। इस सूचकांक में अप्रैल, 2023 को आधार महीना माना गया है और इसका आधार मूल्य 100 रखा गया है। एसोचैम ने कहा कि उद्योग जगत और विश्लेषकों से मिले सुझावों के आधार पर सूचकांक को आगे और मजबूत किया जाएगा। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल कुमार मिंडा ने कहा, एबीसी सूचकांक भारत की आर्थिक स्थिति का समग्र आकलन करता है। इसमें 20 प्रमुख संकेतकों को शामिल किया गया है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि आर्थिक परिस्थितियों में सुधार हो रहा है, गिरावट आ रही है या वे स्थिर हैं। समग्र सूचकांक तैयार करने में जीएसटी संग्रह, यात्री वाहन बिक्री, सेंसेक्स, भारत का संयुक्त खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई), निर्यात, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी), बुनियादी उद्योगों का सूचकांक (आईसीआई), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई), बैंक ऋण और डिजिटल भुगतान की संख्या समेत 20 संकेतकों को शामिल किया गया है।

ज्योतिष

कहते नहीं करके दिखाते है
सभी समस्याओं का समाधान जैसा चाहोगे करके दूगां
कारोबार, प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृहक्लेश, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपटी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनचाही इच्छा
A to Z समस्या का समाधान
स्पेशलिस्टः मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह
पंडित पी. के. शास्त्री
हमारे किये हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मांगा ईनाम।
काम ना होने पर पैसे वापस
+91 99974 92579

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

उत्तर रेलवे कर्मियों ने कबाड़ से तैयार की कलाकृतियां

नई दिल्ली। "स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026" के अंतर्गत स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा अपशिष्ट पदार्थों के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे की विभिन्न इकाइयों में "कबाड़ से जुगाड़/कबाड़ से कला" कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस रचनात्मक पहल के तहत रेलवे कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभा और टीम भावना का परिचय देते हुए बेकार व अनुपयोगी सामग्री से आकर्षक कलाकृतियाँ तैयार की हैं जैसे आलमबाग डीजल शेड तथा इलेक्ट्रिक लोको शेड, लुधियानाः रेलकर्मियों द्वारा दरियाई घोड़ा, घड़ी व इस प्रकार की कई सुंदर कलाकृतियों का निर्माण, डीजल शेड, तुगलकाबाद तथा इलेक्ट्रिक लोको शेड, गाजियाबादः रेलकर्मियों द्वारा फूलदान व इस प्रकार की अन्य आकर्षक कलाकृति का निर्माण किया जा रहा है। "कबाड़ से जुगाड़/कबाड़ से कला" का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों में पर्यावरण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और "वेस्ट टू आर्ट" की अवधारणा को प्रोत्साहित करना है। यह प्रयास यह संदेश देता है कि सही सोच, नवाचार और रचनात्मकता के माध्यम से अनुपयोगी व व्यर्थ समझे जाने वाले सामान का भी सार्थक उपयोग किया जा सकता है। इन कलाकृतियों के माध्यम से न केवल कबाड़ को आकर्षक रूप दिया गया है।



लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में नहीं हुआ कोई बदलाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र जैसी विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए कोई बदलाव नहीं किया है। एक अक्टूबर, 2026 से शुरू होने वाली चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए दरों को यथावत रखा गया है। यह लगातार दसवीं तिमाही है जब लघु बचत योजनाओं की दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वित्त मंत्रालय की बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, ''वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही (एक अक्टूबर, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक) के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वही रहेंगी, जो चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए अधिसूचित की गई थीं।'बनी रहेगी। किसान विकास पत्र (केवीपी) पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और इसमें किया गया निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। वहीं, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए ब्याज दर 7.7 प्रतिशत पर बनी रहेगी।



■ लगातार 10वीं तिमाही में इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया

आईआरएफसी को जीएसटी का कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों से 396.90 करोड़ रुपये से अधिक का कारण बताओ नोटिस मिला है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। 29 सितंबर को बिहार राज्य जीएसटी प्राधिकारियों से यह नोटिस मिला है। कंपनी इस नोटिस का मूल्यांकन कर रही है और कर सलाहकारों की राय के आधार पर न्याय निर्णय प्राधिकारी के समक्ष विस्तृत जवाब दाखिल करेगी।

NOTICE

I, Junaid Khan R/o 50, Kashmir House, Raja Ji Marg, Teen Murti, Nirman Bhawan, Central Delhi-110011 declare that my minor son's name was Mohd Yusuf Khan. I have changed my minor son's name from Mohd Yusuf Khan to Mohammad Yusuf Khan. In future he will be known by new name i.e. Mohammad Yusuf Khan for all purposes.

राशिफल

मेष संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

उद्योगों में कुल रोजगार वर्ष 2024-25 में दो करोड़ के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उद्योगों में कुल रोजगार का आंकड़ा 2024-25 में दो करोड़ के पार पहुंच गया। इसमें मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र का योगदान रहा, जिसने 14 लाख से अधिक कामगारों को रोजगार दिया। बुधवार को जारी वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एएसआई) से यह जानकारी मिली। एएसआई के अनुसार, उद्योगों में काम करने वाले लोगों की अनुमानित संख्या 2024-25 में 7.19 प्रतिशत बढ़कर 2.10 करोड़ हो गई जो 2023-24 में 1.96 करोड़ थी। आधिकारिक बयान के अनुसार, पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार का विस्तार जारी रहा। कामगारों को दिए गए कुल वेतन एवं अन्य पारिश्रमिक में भी 2024-25 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सर्वेक्षण के अनुसार, 2024-25 में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार देने के मामले में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पांच प्रमुख राज्य रहे। इन राज्यों में मिलकर देश के कुल विनिर्माण रोजगार का करीब 56 प्रतिशत हिस्सा रहा। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एएसआई के परिणाम जारी किए। एएसआई 2024-25 के लिए सर्वेक्षण का क्षेत्रीय काम अक्टूबर, 2025 से जून, 2026 के बीच किया गया।

उत्तर रेलवे
निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	115-SRDEE-G-DLI-2026-27 TKJ रेलवे कॉलोनी, नई दिल्ली में कॉम्पैक्ट सब-स्टेशन और आउटडोर फीडर पिलर की व्यवस्था।
निविदा की अनुमानित लागत	रु० 7734060.00/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य, डीआरएम कार्यालय, दिल्ली मंडल, उत्तरी रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली, 110055
बयाना राशि	रू० 154700.00/-
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	21.10.2026, 13.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	21.10.2026, 13.00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3399/26

शब्द पहेली - 6364

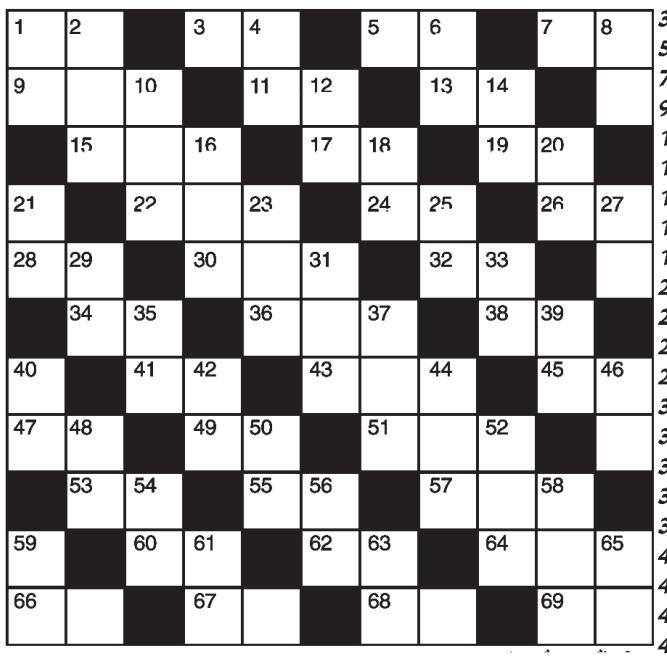

बाएँ से दाए
1. उम्मीद, आशा-2
3. जी, चित्त-2
5. भस्म, खाक-2
7. जाल, फंदा-2
9. चिंतन, सोचना-3
11. ठाठ-बाट-2
13. क्रिकेट में बनते हैं-2
15. एक राशि-3
17. काया, बदन-2
19. एक विदेशी शराब-2
22. बोलने का तरीका-3
24. शालीन, सभ्य-2
26. बल, ताकत-2
28. भैंस जैसा एक पशु-2
30. पुत्री की पुत्री-3
32. कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34. मोटा आटा-2
36. जुड़वा-3
38. आनंदित-2
41. नौकर, गुलाम-2
43. बूंद-3
45. लक्ष्मी, विष्णुप्रिया -2
47. जंगल, कानन-2
49. मेहंदी-2
51. दृष्टि, निगाह-3
53. बुरी आदत -2
55. बुढ़ापा -2
57. नमस्कार, प्रणाम -3
60. खुमार, सरूर -2
62. भीगा हुआ -2
64. पक्षाघात-3
66. चुनौती-2
67. ऋण, उधार -2
68. भूमि, जमीन-2
69. चस्का, बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे
1. फलों का राजा-2
2. साजन, बलमा-3
4. खुमार-2
6. खच्चर, गधा-2
8. वहम, संदेह-2
10. अनुकृति-3
12. झुका हुआ-2
14. आदमी-2
16. वास करना-3
18. आकाश-2
20. घमंड-2
21. बदन-2
23. जातिवाद-3
25. पिघले पत्थर-2
27. रोग, -2
29. हाथ, टैक्स-2
31. लवण-3
33. ताकत-2
35. वचन-2
37. प्रयत्न-3
39. स्थिति -2
40. नवीन-2
42. सच्चा-2
44. राजा-3
46. हार-2
48. टौंटी-2
50. गुमान-2
52. पासों का खेल-3
54. काया-2
56. रात्रि-2
58. हुबहू-3
59. समय-2
61. सब्जी-2
63. गाड़ी-2
65. गैस-2

शब्द पहेली- 6363 का हल

	स	र	ग	ना		आ	म	रा	य	
कि		न	ज	ला		कि	क	र		त
त	ल		ल	य		स	र		ला	ल
र	ह	ना		क	हा	र		ज	ल	वा
त	र	सा	ना		ति		ज	ल	च	र
			र	ह	म	दि	ल			
ब	ग	दा	द		ता		न	ज	रा	ना
र	म	ल		स	ई	स		प	ह	रा
ग	ला		स	दा		ल	स		त	य
द		ग	ली	चा		वा	न	र		ण
	का	श्त	का	र		र	म	जा	न	

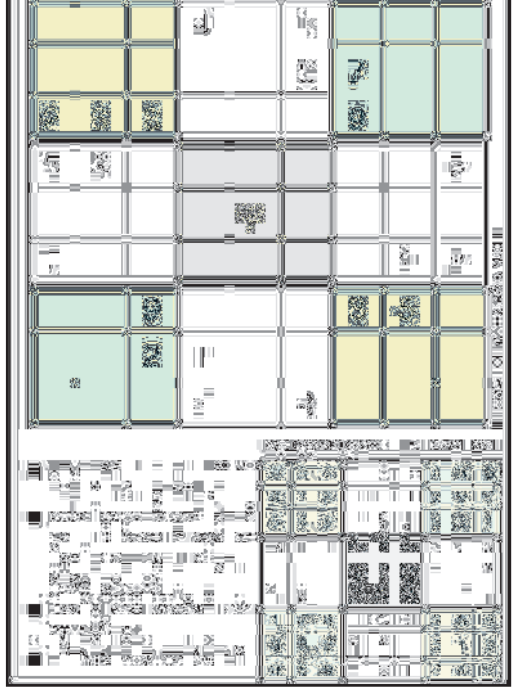

44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने के करीब पहुंची महिला हॉकी टीम



कोरिया को हराकर फाइनल में बनाई जगह, अब सामना चीन से

एजेंसी ▶▶ काकामिगाहारा

शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने के करीब पहुंच गई, जिसने बुधवार को दक्षिण कोरिया को 2-0 से हराकर 8 साल बाद फाइनल में जगह बनाई।

भारत के लिए इशिका ने 44वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया जबकि चार मिनट बाद कप्तान सलीमा टेटे ने गोल दागा। एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिर्फ एक बार दिल्ली में 1982 में स्वर्ण पदक जीता था जब पहली बार महिला हॉकी को इन खेलों में शामिल किया गया। पिछली बार भारत ने कांस्य जीता और 2018 में रजत पदक जीता था। भारत का सामना अब मौजूदा चैंपियन चीन से होगा।

ग्रुप चरण में अजेय रही भारतीय टीम

ग्रुप चरण में सारे मैच जीतकर अजेय रही भारतीय टीम को कोरिया के डिफेंडरों ने बांधे रखा और मैच में बारह पेनल्टी कॉर्नर में से सिर्फ एक पर गोल हो सका। भारत ने पहले दो क्वार्टर में आठ पेनल्टी कॉर्नर बनाए लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर दूसरे ही मिनट में मिला लेकिन दीपिका की फ्लिक को कोरियाई गोलकीपर सियोयिओन ली ने कुशलता से बचाया। दो मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर नवनीत कौर को कामयाबी नहीं मिली। कोरियाई गोलकीपर ने 13वें मिनट में फिर बचाव किया जब दूर से मिले पास पर रुतुजा पिसाल का डिफ्लैक्शन सफल नहीं रहा। दूसरे क्वार्टर में भारत को तीन और पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। दूसरे हाफ में भी भारत ने लगातार हमले बोले जबकि कोरिया का डिफेंस मजबूत रहा।

आज सेमीफाइनल : पाकिस्तान से भिड़ेगा भारत



गत चैंपियन भारत गुरुवार को यहां एशियाई खेलों के पुरुष हॉकी सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय हॉकी की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक को फिर जीवंत करेगा तो टीम की नजरें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने पर भी टिकी होंगी।

एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम सीधे लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेगी और भारत इस मौके को गंवाना नहीं चाहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

कुश्ती : सुनील ने लगातार जीता दूसरा कांस्य



सुनील कुमार दो एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले भारत के पहले ग्रीको रोमन पहलवान बन गए, जिन्होंने बुधवार को पुरुषों के 87 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता जबकि निशा दहिया प्रतियोगिता के पहले ही दिन हारकर बाहर हो गई। सुनील ने फिलीपीन के रॉबर्टस कालम जॉनस्टन को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी का दाहिना हाथ बांधकर उन्हें पटखनी देते हुए 4-0 से बढत बना ली। रक्षात्मक खेल रहे जॉनस्टन को 'पार टेरे' पोजिशन से जमीन पर गिराते हुए सुनील ने स्कोरिंग मूव बनाते हुए पहले ही पीरियड में मुकाबला जीत लिया।



टेनिस : नागल ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नागोया। टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने बुधवार को पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली जबकि दक्षिणेश्वर सुरेश तीसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। सातवीं वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 249वें स्थान पर काबिज नागल ने उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन को सीधे सेट में 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। नागल ने फोमिन के खिलाफ मुकाबले में शुरू से नियंत्रण बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त चीन के यीबिंग वू से होगा, जो विश्व रैंकिंग में 111वें स्थान पर हैं। नागल और वू इससे पहले 2024 शंघाई मास्टर्स में एक बार आमने-सामने हुए थे, जहां भारतीय खिलाड़ी को चीनी खिलाड़ी के खिलाफ 3-6, 3-6 से हार मिली थी। दूसरी ओर दक्षिणेश्वर को तीसरे दौर में चीनी ताइपे के छठी वरीयता प्राप्त चुन शिन सेंग के हाथों 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

मुक्केबाजी : गोल्ड से एक जीत दूर लवलीना



निशियो। मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने बुधवार को एशियाई खेलों में महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में जगह पक्की की, लेकिन प्रिया घंघास और कपिल पोखरिया को सेमीफाइनल में हारने के कारण कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिछले एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता लवलीना ने 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की मुक्केबाज नतालिया बोगदानोवा पर 3-2 के विभाजित फैसले से जीत हासिल की। बोगदानोवा 70 किलोग्राम में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं। इससे लवलीना लगातार दो बार एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं।

प्रिया और कपिल को कांस्य

प्रिया हालांकि महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन यांग चेंग्यू से हार गई और इस तरह से उन्हें कांस्य पदक मिला। एशियाई खेलों में पदार्पण कर रही 20 वर्षीय प्रिया को अपने कहीं अधिक अनुभवी चीनी प्रतिद्वंद्वी से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य भारतीय मुक्केबाज कपिल भी पुरुषों के 90 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन तुराबेक खबीबुल्लाएव से 1-4 के समान अंतर से हार गए और उन्हें भी कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

मुकाबला काफी कठिन था : लवलीना

लवलीना ने कहा, 'यह शानदार अनुभव रहा। यह मेरे दूसरे एशियाई खेल हैं। पिछली बार मैंने रजत पदक जीता था। इसलिए इस बार मैं निश्चित रूप से स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगी। देखते हैं फाइनल में क्या होता है।' उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि यह मुकाबला काफी कठिन था।



स्क्वाश : पुरुष और महिला टीम ने किए पदक पक्के

नागोया। भारतीय पुरुष और महिला टीम ने बुधवार को क्रमशः कुवैत और सिंगापुर को हराकर एशियाई खेलों की स्क्वाश प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई और अपने लिए पदक पक्के किए। भारतीय महिला टीम गुरुवार को सेमीफाइनल में हांगकांग से भिड़ेगी जबकि पुरुष टीम का सामना मलेशिया से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में कुवैत पर 2-0 से जीत हासिल की। वीर चोटरानी ने पहले एकल मुकाबले में बदर अलमोगरेबी के खिलाफ काफी पसीना बहाया लेकिन आखिर में वह 34 मिनट तक चले मैच में 12-10, 8-11, 11-0, 11-5 से जीत हासिल करने में सफल रहे।

गिल का रिकॉर्ड दोहरा शतक, रोहित का शतक भारत ने सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई

- गिल सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने
- गिल ने ईशान किशन के 126 गेंद में दोहरे शतक के रिकॉर्ड को तोड़ा
- रोहित ने 101 रन की पारी में 10 चौके, 6 छक्के लगाए

पहाड़ सा स्कोर फिर भी 39 गेंद पहले जीते

भाषा ▶▶ गुवाहाटी

कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 233 रन) के रिकॉर्ड सबसे तेज दोहरे शतक और रोहित शर्मा (101 रन) के शतक से भारत ने बुधवार को यहां दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज पर आठ विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। दो पीढ़ियों के इन सुपरस्टार बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने 50 ओवर के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा सफल 'रन चेज' पूरा किया। वेस्टइंडीज ने शायद उम्मीद की होगी कि 405 रन का लक्ष्य भारतीय बल्लेबाजों के लिए बहुत मुश्किल साबित होगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। गिल ने अपनी ही टीम के साथी ईशान किशन के 126 गेंद में दोहरे शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 117 गेंद में 200 रन पूरे किए और वनडे में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ दिया। वहीं पूर्व कप्तान रोहित ने वनडे में अपना 35वां शतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 26.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 255 रन की साझेदारी कर दी और भारत ने 43.3 ओवर में दो विकेट पर 406 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस रात काफी रिकॉर्ड टूटे जिसमें भारत ने वनडे में अपना सबसे बड़ा लक्ष्य भी हासिल। अब भारत से आगे सिर्फ दक्षिण अफ्रीका है जिसने 2006 में जोहानिसबर्ग में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 435 रन के लक्ष्य का सफल पीछा किया था। बारसापारा की पिच बल्लेबाजी के अनुकूल रही जिस पर 811 रन बने जो एक मैच में सबसे ज्यादा कुल रन का रिकॉर्ड रहा। वेस्टइंडीज ने जॉन कैंपबेल (101 रन) , शाई होप (104 रन) और आमिर जांगू (114 रन) के शतकों की बदौलत 50 ओवर के प्रारूप में 400 रन से अधिक का पहला स्कोर खड़ा किया। लेकिन मेजबान टीम ने 2013 में जयपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक विकेट पर 362 रन के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य का पीछा करने के रिकॉर्ड को बेहतर कर दिया। हालांकि भारत के सामने शुरुआती चुनौती अपना पहला 400 से अधिक के लक्ष्य का सफल पीछा करना था। रोहित और गिल ने शानदार शॉट्स की झड़ी लगाकर इसे एक पायदान और ऊपर उठा दिया। इस दौरान रोहित ने 12,000 वनडे रन पूरे किए जिससे वह ऐसा करने वाले केवल सातवें क्रिकेटर तथा सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय बने। इसके बाद उन्होंने एक और वनडे शतक पूरा किया और अपने अंदाज से हटकर हल्की उछल-कूद के साथ जश्न मनाया। गिल ने इससे पहले केवल 62 गेंदों में अपना 11वां वनडे शतक पूरा किया, यह इस प्रारूप में उनका सबसे तेज शतक था। भारत 22वें ओवर तक बिना कोई विकेट गंवाए 200 रन तक पहुंच गया था। यह पहली बार था जब किसी वनडे में 350 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी सलामी जोड़ी ने ऐसा किया। पर यह साझेदारी 254 पर समाप्त हुई जब रोहित 75 गेंद पर 101 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद कैंपबेल ने 65 गेंदों में शतक जड़कर लय तय की। कैंपबेल ने 68 गेंदों पर 101 रन की पारी के दौरान भारतीय आक्रमण की धुनाई की जिसमें नौ चौके और पांच छक्के जड़े थे। इसके बाद होप और जांगू ने बीच के और अंतिम ओवरों में दबदबा बनाते हुए करीब आठ रन प्रति ओवर की दर से स्कोर में इजाफा किया।

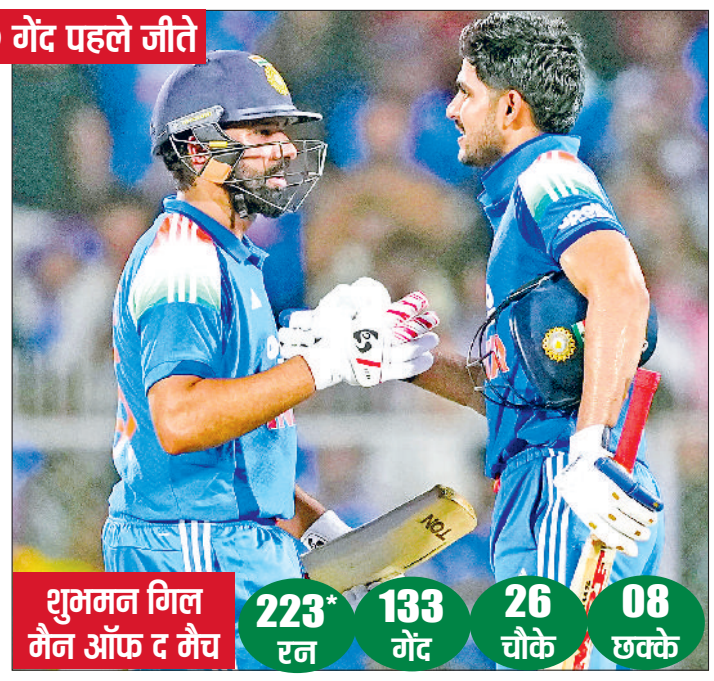

- रोहित ने वनडे में 35वां शतक जड़ा, गिल का 11वां सैकड़ा
- भारत ने वनडे में पहली बार 400+ का टारगेट चेज किया
- रोहित-गिल ने मिलकर 26.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 255 रन की साझेदारी की

वेस्टइंडीज-405/7 (50)

खिलाड़ी	रन
जॉन कैंपबेल का धीर बो बरार	101
कीसी कार्टी का धीर बो प्रसिद्ध	09
शाई होप का नबी बो कुलदीप	104
आमिर का गायकवाड़ बो जडेजा	114
रदरफोर्ड का जायसवाल बो बरार	00
रोस्टन चेस नाबाद	29
कीमो पॉल का कोहली बो कुलदीप	03
जोसेफ का रोहित बो जडेजा	08
शामार जोसेफ नाबाद	14
अतिरिक्त : 23 रन	

कुल : 50 ओवर में सात विकेट पर 405 रन
विकेट पतन : 1-37, 2-147, 3-329, 4-330, 5-348, 6-369, 7-385
गेंदबाजी : प्रसिद्ध 5-0-45-1, नबी 8.5-0-84-0, बरार 10-0-96-2, धीर 6.1-0-38-0, जडेजा 10-0-75-2, कुलदीप 10-0-65-2

भारत- 406/2 (43.3)

खिलाड़ी	रन
रोहित शर्मा पगबाधा बो सील्स	101
शुभमन गिल नाबाद	233
कोहली का रदरफोर्ड बो शमार	29
रुतुराज गायकवाड़ नाबाद	31
अतिरिक्त : 22	

कुल : 43.3 ओवर में दो विकेट पर 406 रन
विकेट पतन : 1-255, 2-320
गेंदबाजी : जेडन सील्स 8-0-78-1, अल्जारी जोसफ 8-0-89-0, शमार जोसफ 6-0-52-1, कीमो पॉल 3-0-49-0, रोस्टन चेज 8.3-0-63-0, विटेल लॉएस 10-0-73-0



ऑस्ट्रेलियाई टीम 176 रन पर ढेर इंडिया-ए विमेंस की पकड़ मजबूत

एजेंसी ▶▶ धर्मशाला

इंडिया-ए विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया-ए विमेंस के खिलाफ जारी अनाधिकारिक टेस्ट मुकाबले में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जारी इस मुकाबले के दूसरे दिन की समाप्ति तक भारतीय टीम के पास 322 रन की मजबूत बढ़त है। चार दिवसीय मुकाबले में टॉस जीतकर



बल्लेबाजी के लिए उतरी इंडिया-ए विमेंस ने अपनी पहली पारी में 364 रन बनाए। शुभा सतीश और प्रिया पुनिया की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी की। शुभा 59 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जबकि प्रिया ने 46 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में सिर्फ 176 रन पर सिमट गई। कप्तान रेचल ट्रेनामन ने ताहलिया विल्सन के साथ पहले विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। ताहलिया 44 रन, जबकि विल्सन 35 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

आज से ईरानी कप, आकाश पर नजर

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

कमर में खिंचाव के कारण 7 महीने तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी करने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू कश्मीर के बीच गुरुवार से शुरू होने वाले ईरानी कप मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।



आकाश दीप आखिरी बार फरवरी में रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में खेले थे और अब उन्हें सात महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद अपनी फिटनेस साबित करने के साथ-साथ गेंदबाजी की लय हासिल करने का मौका मिलेगा। इस मैच के दौरान कम से कम दो राष्ट्रीय चयनकर्ता उपस्थित रहेंगे और उनका ध्यान निश्चित तौर पर आकाश दीप के प्रदर्शन पर रहेगा, जो जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ के साथ न्यूजीलैंड जाने वाली टेस्ट टीम में पांचवां तेज गेंदबाज बनने की दौड़ में हैं।

शेष भारत की अगुवाई करेंगे पंत

खूबसूरत शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में होने वाले इस मैच में शेष भारत की अगुवाई ऋषभ पंत करेंगे जिसमें घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ी शामिल हैं। जम्मू कश्मीर को हालांकि अपने मुख्य तेज गेंदबाज औकिब नबी की कमी खलेगी, जो अभी राष्ट्रीय टीम के साथ हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने लंबे समय बाद श्रीनगर में कोई महत्वपूर्ण मैच का आयोजन किया है।

कुलदीप के वनडे में 200 विकेट पूरे कुंबले और वॉर्न से निकले आगे

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में कुलदीप यादव ने वनडे में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए। उन्होंने कीमो पॉल को विराट कोहली के हाथों कैच कराकर यह उपलब्धि हासिल की। कुलदीप ने सिर्फ 123 वनडे में 200 वनडे विकेट पूरे कर लिए हैं। वह वनडे में भारत के लिए सबसे कम मैच में 200 विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। वह मोहम्मद शमी से पीछे हैं, जिन्होंने सिर्फ 104 वनडे मैच में ही अपने 200 विकेट पूरे कर लिए थे। कुलदीप ने इस मैच में अपने 200 विकेट पूरे करने के साथ ही अनिल कुंबले और शेन वॉर्न जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। वह सबसे कम गेंदों में 200 वनडे विकेट लेने के स्पिन गेंदबाजों में शकलैन मुश्ताक और राशिद खान के बाद तीसरे नंबर पर हैं।



शुभमन की बादशाहत बरकरार, चौथे नंबर पर रोहित शर्मा

कोहली को मिला इनाम, वनडे रैंकिंग में पहुंचे दूसरे नंबर पर

एजेंसी ▶▶ दुबई

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में शतकीय पारी खेलने का इनाम विराट कोहली को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है।

बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोहली ने एक पायदान की छलांग लगाई है और वह अब दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली से आगे वनडे रैंकिंग में अब सिर्फ शुभमन गिल हैं, जो पहले एकदिवसीय मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी बादशाहत को बरकरार रखने में सफल रहे हैं। विराट के एक पायदान ऊपर चढ़ने से न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को नुकसान पहुंचा है। वह बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में अब तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। हालांकि, रोहित शर्मा की पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह चौथे नंबर पर बने हुए हैं।



मेंडिस ने हासिल की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

श्रीलंका के बल्लेबाज कुशल मेंडिस वनडे क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे हैं।

उन्होंने तीन पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। मेंडिस को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 121 रनों की शानदार पारी का इनाम मिला है। हैरी ब्रूक टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल होने से महज एक पायदान दूर हैं। वह ताजा रैंकिंग में 11वें नंबर पर आ गए हैं। आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर 10वें नंबर पर बने हुए हैं।

बावुमा ने लगाई की 10 पायदान की लंबी छलांग

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलने वाले टेंबा बावुमा ने 10 पायदान ऊपर की छलांग लगाई हैं और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें नंबर पर आ गए हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 19 पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। डेविड मिलर 142 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही 41वें नंबर पर आ गए हैं।

एफिल टावर की देखरेख वाली कंपनी के प्रमुख रुइवो साल के अंत तक छोड़ेंगे पद

एजेंसी ▶▶ पेरिस

हिंदू संगठन के दौरे पर महिला कर्मियों को हटाए जाने का मामला

एक स्वतंत्र कंपनी द्वारा की गई जांच, अब जल्द देंगे इस्तीफा

जांच में कई संचालन और व्यवस्थागत खामियां सामने आई थीं

हड़ताल के कारण उसे बंद करना पड़ा था

फ्रांस की राजधानी पेरिस स्थित एफिल टॉवर में एक हिंदू धार्मिक समूह के दौरे के दौरान महिला कर्मचारियों को हटाए जाने को लेकर हुए विवाद के बाद अब इस ऐतिहासिक इमारत का संचालन करने वाली कंपनी के प्रमुख साल के अंत में अपने पद से हट जाएंगे। एफिल टॉवर के संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी 'सोसिएते डी एक्सप्लॉयटेशन डे ला टूर एफिल' (सीईटीई) के महानिदेशक पैट्रिक ब्रांको रुइवो एक स्वतंत्र कंपनी द्वारा की गई जांच के बाद अपना पद छोड़ेंगे। इसके बाद उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। जांच में 5 सितंबर को हुए धार्मिक समूह के दौरे से संबंधित मामले में कई व्यवस्थागत और कामकाज की खामियां सामने आईं।



पैट्रिक ब्रांको रुइवो



5 सितंबर को बीएपीएस के प्रतिनिधि एफिल टॉपर पहुंचे थे — फाइल फोटो

सीईटीई ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि इन खामियों के कारण उस दिन महिला कर्मचारियों को दौरे से अलग रखा गया, जो एक अस्वीकार्य स्थिति थी। रुइवो को 2018 के अंत में सीईटीई का महानिदेशक नियुक्त किया गया था। हर साल करीब 70 लाख पर्यटक 1,083 फुट ऊंचे एफिल टॉवर को देखने आते हैं। एफिल टॉवर को 7 सितंबर को कर्मचारियों की हड़ताल के कारण बंद करना पड़ा था।

यूनियन ने की थी हड़ताल

एक यूनियन पदाधिकारी ने प्रबंधन के निर्देशों को 'अस्वीकार्य' बताते हुए हड़ताल की थी। 330 मीटर (1,083 फुट) ऊंचे इस प्रतिष्ठित स्थल के कर्मचारियों में उस समय नाराजगी बढ़ गई थी, जब प्रबंधन ने कर्मचारियों से कहा कि महिला कर्मियों को बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के प्रतिनिधिमंडल के संपर्क में नहीं आना चाहिए। एफिल टावर के कर्मचारियों की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि उन्हें ऐसी स्थिति में डाल दिए जाने से काफी हैरानी हुई। 'एफिल टावर की महिला कर्मचारियों और ठेकेदारों के लिए काम करने वाली महिला कर्मचारियों को निर्देश दिया गया था कि वे इस प्रतिनिधिमंडल के स्वागत के दौरान खुद को 'नजरों से दूर रखें'। कुछ महिला कर्मचारियों से अपनी ड्यूटी की जगह छोड़कर दूसरी जगह जाने को कहा गया। कुछ जगहों पर उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। इसके अलावा, सभी महिला कर्मचारियों को निर्देश दिया गया कि जब तक प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहे, वे कुछ खास जगहों से न गुजरें और न ही उन इलाकों को पार करें।

बीएपीएस के प्रतिनिधिमंडल ने किया था वहां का दौरा

बीएपीएस के नाम से जाना जाने वाला यह समूह स्वामीनारायण संप्रदाय (हिंदू धर्म की एक शाखा) का एक वैश्विक धार्मिक और नागरिक संगठन है। यह समूह पेरिस में एक पारंपरिक हिंदू पत्थर के मंदिर के उद्घाटन पर कार्यक्रम आयोजित कर रहा था। इस मामले पर बाप्स संस्था ने कहा था कि वह इन चिंताओं को 'गंभीरता से' लेती है और 'इस स्थिति से किसी को भी ठेस पहुंचने या असुविधा होने पर ईमानदारी से माफी मांगती है। हमारी जानकारी के मुताबिक, किसी भी समय किसी को एफिल टावर में प्रवेश करने से नहीं रोका गया। प्रतिनिधिमंडल की संख्या अधिक होने के कारण, अन्य पर्यटकों को होने वाली असुविधा को यथासंभव कम रखने के लिए एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय करके, सामान्य समय पर टावर खुलने की शुरुआत में इस यात्रा का आयोजन किया गया था।

खबर संक्षेप

नीदरलैंड में 24 महीने के बच्चे को इच्छामृत्यु

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड में पहली बार 24 महीने के बच्चे को इच्छामृत्यु दी गई। साल 2024 में लागू हुए नियम के बाद यह पहला मामला है। स्वास्थ्य मंत्री सोफी हरमन्स ने बताया कि 2025 के अंत में गंभीर बीमारी से पीड़ित एक बच्चे की इच्छामृत्यु दी गई थी। बच्चे का जन्म 26 सप्ताह व तीन दिन की गर्भावस्था में हुआ था। समय पहले जन्म से उसे मस्तिष्क को गंभीर नुकसान पहुंचा था।



युगांडा में पत्रकार से राजा बने एडवर्ड रुकिडी

कंपाला। युगांडा के टूरो साम्राज्य में एक पत्रकार को पारंपरिक राजशाही का राजा बनाया गया। इस राजशाही ने पिछले महीने ही अपने राजकुमार को खो दिया था, जिसके बाद टूरो साम्राज्य में उत्तराधिकार को लेकर विवाद भी हुआ था। यह पत्रकार एक राजकुमार भी हैं जो लंबे समय से युगांडा ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन में ब्रॉडकास्टर और एडिटर के तौर पर काम कर रहे थे।



एफबीआई के हजारों कर्मियों का डेटा चोरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के हजारों मौजूदा व पूर्व कर्मियों का संवेदनशील निजी डाटा चोरी हो गया है। साइबर अपराधी समूह शाइनी हंटर्स ने इसे डाटा एजेंसी के नौकरी पोर्टल से चुराया और ऑनलाइन लीक करने की धमकी भी दी थी। इस हमले में हजारों कर्मियों के डाटा चोरी के साथ एजेंटों की जान को भी खतरा बताया जा रहा है।



घर खरीदारों से धोखाधड़ी मामले में 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े धन-शोधन के मामले में गुरुग्राम की रियल एस्टेट कंपनी वाटिका समूह के दो प्रवर्तकों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि वाटिका लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अनिल भल्ला और प्रवर्तक गौतम भल्ला को 28 सितंबर को हिरासत में लिया गया था।



मणिपुर में सुरक्षाबलों ने जब्त किए हथियार

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक ड्रोन बम, हथियार एवं गोला-बारूद जब्त किया। पुलिस ने बताया कि जब्त सामान में एक एमपी5 सब-मशीन गन (मैगजीन सहित), 4 हथगोले, एक ड्रोन बम, 6 आईईडी, विभिन्न हथियारों की 7 मैगजीन और कारतूस शामिल हैं।



अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और प्रमुख एआई कंपनियों के अधिकारियों के बीच बैठक

'व्हाइट हाउस अकॉर्ड' पर लगी मुहर एआई पर नैतिक लगाम लगाने पर राजी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

कंपनियों ने स्वतंत्र ऑडिटिंग की जिम्मेदारी खुद ली

एआई से साइबर हमलों से निपटने सुरक्षा कड़ी होगी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में दुनिया की बड़ी टेक और एआई कंपनियों के प्रमुखों के साथ बैठक की। ट्रंप ने इसे अमेरिका के टेक्नोलॉजी सेक्टर के लिए एक खास बैठक बताया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य एआई के संभावित खतरों को देखते हुए इसकी सुरक्षा, विश्वसनीयता और जवाबदेही तय करना था। इस मीटिंग में 'व्हाइट हाउस अकॉर्ड' पर मुहर लगाई गई, जिसके तहत कंपनियों ने एआई से साइबर हमलों, जैविक हथियार के खतरों और अनधिकृत हैकिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए कड़े सुरक्षा घेरे बनाने और स्वतंत्र ऑडिटिंग की जिम्मेदारी खुद ली।

एआई कंपनियों के अधिकारियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सुरक्षा के लिए स्वैच्छिक मानक तैयार करने पर सहमति जताई है। बैठक में एक्स से एलन मस्क, मेटा से मार्क जुकरबर्ग, एनवीडिया से जेन्सेन हुआंग, एंथ्रोपिक से डारियो अमोदेई, गूगल से सुंदर पिचाई और ओपनएआई के प्रेसिडेंट ग्रेग ब्रॉकमैन, अमेजन के जेफ बेजोस और पालांटिर के एलेक्स कार्प भी मौजूद थे। वहीं, मीटिंग की अध्यक्षता में डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन भी शामिल थे।

10 सदस्यीय बोर्ड के गठन का प्रस्ताव



टेक दिग्गजों के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

ट्रंप ने एआई सुरक्षा की निगरानी के लिए 10 सदस्यों वाले एक बोर्ड के गठन पर विचार करने की बात भी कही। उन्होंने इस बोर्ड के संभावित सदस्यों के नाम नहीं बताए। साथ ही, उन्होंने कहा कि एआई से जुड़ी व्हाइट हाउस की नीतियों का नेतृत्व करने के लिए जल्द एक नए अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

ट्रंप ने लॉन्च किया एआई पोर्टल

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एंड्रयू डब्ल्यू मेलन ऑडिटोरियम में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान अमेरिका डॉट जीओवी पोर्टल का आधिकारिक शुभारंभ किया। अमेरिकी सरकार के इस एआई संचालित ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को दर्जनों सरकारी वेबसाइटें खंगालने से बचाना और नौकरशाही की जटिलताओं को कम करना है। इस पोर्टल से आम नागरिक को सरकारी फॉर्म, लाभ, योजनाओं और पूछताछ से जुड़ी सभी जानकारियां एक ही जगह मिल सकेंगी। ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी किए, जिसके तहत सभी सार्वजनिक सरकारी सेवाओं को इस पोर्टल से जोड़ना अनिवार्य कर दिया गया है। यह प्लेटफॉर्म गूगल के जेमिनी और एक्सआई के ग्रोक का उपयोग करता है, जिसे व्हाइट हाउस नेशनल डिजाइन स्टूडियो के साथ मिलकर विकसित किया जा रहा है। उपयोगकर्ता सरकारी सेवाओं के लिए इन टूल की मदद ले सकते हैं। सामान्य भाषा में प्रश्नों के जवाब मिलने से संघीय सेवाओं को समझना आसान होगा।

डेटा सेंटरों का विस्तार होगा, प्रभावित समुदाय को कंपनियां देंगी लाभ

बैठक में डेटा सेंटरों का विस्तार भी प्रमुख मुद्दा रहा। एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने और चलाने के लिए बड़े डेटा सेंटरों की जरूरत होती है। हालांकि, अमेरिका के कई समुदायों में बिजली की बढ़ती मांग, बिजली की लागत और स्थानीय स्तर पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर इन परियोजनाओं का विरोध भी हो रहा है। ट्रंप ने कहा कि तकनीकी कंपनियां डेटा सेंटरों के निर्माण से जुड़े समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए काम करेंगी। उन्होंने कहा कि बड़ी तकनीकी कंपनियां स्थानीय समुदायों में बड़े स्तर पर योगदान करेंगी। इससे पहले ट्रंप सोशल मीडिया पर कह चुके हैं कि समुदायों को डेटा सेंटर्स का विरोध तभी करना चाहिए जब वे पिछड़े और गरीब बने रहना चाहते हों।

एआई की जगह सुपर इंटेलिजेंस

अमेरिका में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को सुपर इंटेलिजेंस के नाम से जाना जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में एआई का नाम बदलने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप और तकनीकी कंपनियों के प्रमुखों ने व्हाइट हाउस में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत वे उन्नत 'सुपर इंटेलिजेंस' प्रणालियों के विकास और तैनाती के दौरान सुरक्षा उपायों, स्वतंत्र ऑडिट और बोर्ड-स्तरीय निगरानी को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हुए हैं।

एआई कंपनियां खुद संभालेंगी सुरक्षा की जिम्मेदारी

राष्ट्रपति ने ऐलान किया कि सभी एग्जीक्यूटिव्स ने एक नैतिक रूप से बाध्यकारी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एआई के खतरों से सुरक्षा कवच के रूप में काम करेगा। इस समझौते के तहत अब कंपनियां अपनी तकनीक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खुद जिम्मेदार होंगी। सभी फर्म्स ने इस बात पर भी सहमति जताई कि वे मॉडल्स को सही तरीके से काम करने और किसी भी तकनीकी खामी को तुरंत पकड़ने व सुधारने के लिए सुरक्षा उपाय लागू करेंगी।

जयशंकर की गुटेरेस से मुलाकात

पश्चिम एशिया संघर्ष, यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों पर मंथन

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ग्लोबल साउथ देशों पर इनके असर पर चर्चा की। विदेश मंत्री की महासचिव गुटेरेस से यह मुलाकात मंगलवार को यूएन मुख्यालय में हुई। दोनों नेता यूएन महासभा के हाई-लेवल कार्यक्रमों के समापन के समय मिले। जयशंकर ने कहा कि यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मिलकर खुशी हुई। हमारी बातचीत पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों और उनके असर को कम करने की जरूरत पर केंद्रित थी। महासचिव के कार्यालय से जारी बैठक के विवरण में कहा गया है कि गुटेरेस और जयशंकर ने बहुपक्षवाद, भारत-यूएन सहयोग और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, जिनमें यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के हालात शामिल हैं, पर चर्चा की। इस दौरान महासचिव ने यूएन के साथ भारत के सहयोग की सराहना की।



एस. जयशंकर और एंटोनियो गुटेरेस

गुटेरेस के सेवा की सराहना की

शनिवार को यूएन में आम बहस के दौरान भारत की तरफ से विदेश मंत्री जयशंकर ने विश्व संगठन के प्रमुख के तौर पर गुटेरेस की सेवा की सराहना की थी। बता दें, इस साल दिसंबर में गुटेरस का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा था कि बहुपक्षवाद के उद्देश्य के लिए एक दशक की सेवा और समर्पण के बाद, हम जल्द ही महासचिव एंटोनियो गुटेरस को विदाई देंगे। भारत उनके कई योगदानों, खासकर 'मिशन लाइफ' के लिए उनके व्यक्तिगत समर्थन को बहुत महत्व देता है। गुटेरस के लिए यह आखिरी हाई-लेवल सप्ताह था। यूएन महासचिव के रूप में उनका दूसरा पांच साल का कार्यकाल दिसंबर, 2026 में समाप्त होगा। इस महीने की शुरुआत में वे ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल होने भारत आए थे।

संयुक्त राष्ट्र पर ईरान का तंज



नई दिल्ली। भारत में ईरानी दूतावास ने यूएन पर तंज कसते हुए एक्स पर एक मीम शेयर किया, जिसमें पहली तस्वीर मार्वल के सुपरहीरो डॉक्टर स्ट्रेंज की है, जिसमें उनके कई हाथ नजर आते हैं। इसके साथ लिखा गया है- 'यूएन अकॉर्डिंग टू स्कूल बुक्स', यानी स्कूली किताबों के अनुसार यूएन। दूसरी तस्वीर फिल्म 'शोले' के ठाकुर बलदेव सिंह की है। इस तस्वीर के साथ लिखा गया- 'यूएन एन रियलिटी' यानी वास्तविकता में यूएन।

पीएम मोदी ने ट्रंप से फोन पर की बात

व्यापार, रक्षा और ऊर्जा पर बातचीत लगातार संपर्क आगे बढ़ाने पर जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ फोन पर हुई बातचीत की जानकारी साझा की है। पीएम मोदी ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच भारत-अमेरिका संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर उपयोगी बातचीत हुई। इस दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण तकनीकों समेत कई क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की समीक्षा की गई। बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत और अमेरिका के बीच लगातार संपर्क बनाए रखना जरूरी है, ताकि दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाया जा सके।



पीएम मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी कंपनियों को निवेश का न्योता

वॉशिंगटन। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को अमेरिका की यात्रा के दौरान नेशनल एसोसिएशन ऑफ मैन्युफैक्चरर्स के बिजनेस राउंडटेबल को संबोधित किया। कार्यक्रम में कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। पीयूष गोयल ने अमेरिकी मैन्युफैक्चरर्स को भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने, भारतीय एसएमई के साथ साझेदारी करने तथा निर्माण संयुक्त निवेश कर मजबूत सप्लाई चेन बनाने के मौके तलाशने का आमंत्रण दिया।

यह जानकारी नौसेना के कमांडरों को संबोधित करते हुए एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने दी है

उभरती हुई चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए तकनीक को युद्धस्तर पर अपनाने की दरकार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मानव रहित विमानों (यूएवी) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के साथ तेजी से बढ़ते तकनीक के महत्व को समझते हुए नौसेनाप्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने नौसेना के शीर्ष कमांडरों से भी इसे जल्द से जल्द अपनाने की अपील की है। बीते 29 सितंबर से राजधानी में चल रहे नौसेना के तीन दिवसीय कमांडर सम्मेलन को बुधवार को संबोधित करते हुए उन्होंने यह जानकारी दी है। इस दौरान उन्होंने मौजूदा समुद्री सुरक्षा माहौल के बीच बनी हुई नौसेना की संचालन तैयारियों की विस्तृत रूप से समीक्षा की और तकनीक को अंगीकार करते हुए विकास, युद्ध के लिए पूरी तैयारी और फुर्ती के साथ जवाबदेही को बरकरार रखने के लिए जरूरी निर्देश दिए हैं। बताते चलें कि नौसेना के सम्मेलन के पहले शुरुआती दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की इसमें भागीदारी देखने को मिली थी। यह एक द्विवार्षिक यानी साल में दो बार होने वाला आयोजन है। जिसका 2026 में यह दूसरा व अंतिम संस्करण है।



सीडीएस ने सराहे ऊर्जा सुरक्षा के प्रयास

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल एनएस. राजा सुब्रमणि ने नौसैन्य कमांडरों को संबोधित करते हुए कहा, देश की समुद्री सेना रणनीतिक रूप से एक गुणक बल है। इस नजरिए से उसे आधुनिक समय में युद्ध में आ रहे तकनीकी बदलाव, डेटा को निबार्ध रूप से साझा करने और अपनी सुदृढ़ता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने नौसेना के आत्मनिर्भरता के साथ जारी ऊर्जा सुरक्षा के प्रयासों की भी सराहना की है।

सेनाप्रमुख बोले, मजबूत करनी होगी संयुक्त कार्रवाई

सीडीएस के अलावा सेनाप्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भी नौसेना के कमांडरों के साथ संवाद किया। जिसमें उन्होंने वर्तमान सुरक्षा स्थिति को लेकर अपना पक्ष समुद्री सेना के समक्ष रखा। इस दौरान सेनाप्रमुख का ध्यान सेना, वायुसेना और नौसेना के बीच बेहतर तालमेल, अंतर संचालनीयता और उभरती हुई सुरक्षा चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए संयुक्त रूप से एकीकृत कार्रवाई को पहले की तुलना में और अधिक सशक्त बनाने पर रहा। इसके अलावा जनरल सेठ ने संयुक्त तैयारी के विषय को लेकर सशस्त्र सेनाओं के बीच तालमेल को दुरुस्त बनाने और संचालन से जुड़े अनुभव को लगातार एक-दूसरे के साथ बांटने की आवश्यकता पर भी बल दिया है।

नौसेना करेगी इन मुद्दों पर चर्चा

सम्मेलन में नौसेनाप्रमुख के अलावा समुद्री सेना की देश में मौजूद कुल तीन कमांड (पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी) के प्रमुखों, राजधानी व अन्य क्षेत्रों में तैनात वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं। 36 घंटे की इस अवधि में नौसेना नेतृत्व संचालन, सामग्री, लॉजिस्टिक्स, मानव संसाधन, प्रशिक्षण, नई प्रौद्योगिकी को शामिल करने जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श करेगी। साथ ही सैन्य स्तर की बात करें तो युद्धक तैयारी को पुख्ता बनाने, क्षमता विकास में तीव्रता लाने के तरीकों को लेकर भी बल के कमांडर आपस में चर्चा करेंगे।

स्वदेशी स्टील्थ ड्रोन निर्माण में भारतीय तकनीक से अमेरिका को बड़ा झटका

कावेरी इंजन का रूस में परीक्षण सफल, 48.5 किलोन्यूटन थ्रस्ट किया पैदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के स्वदेशी कावेरी ड्राई इंजन ने रूस में कठिन हाई-एल्टीट्यूड और फ्लाइट ट्रायल्स सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। यह इंजन 48.5 किलोन्यूटन थ्रस्ट पैदा करने में कामयाब रहा, जबकि उसका लक्ष्य 46 किलोन्यूटन था। यह इंजन भारत के आगामी डीआरडीओ घातक स्टील्थ ड्रोन का मुख्य पावर सोर्स बनेगा। इंजन गैस टरबाइन रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (जीटीआरई) द्वारा विकसित किया गया है। अब इसे अंतिम एयरवर्थिनेस सर्टिफिकेशन के लिए सेमिलैक यानी सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थिनेस एंड सर्टिफिकेशन की मंजूरी का इंतजार है। मंजूरी मिलने के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) इसका उत्पादन संभालेगा।

डीआरडीओ के 'घातक' यूसीएवी के लिए उपयोगी



कावेरी इंजन

कावेरी का ड्राई वर्जन यानी बिना आफ्टरबर्नर वाला संस्करण घातक (घातक) यूसीएवी के लिए भी उपयोगी है। यह मानवरहित लड़ाकू ड्रोन उच्च ऊंचाई और लंबे समय तक उड़ान भरने के लिए डिजाइन किया गया है। ड्राई इंजन ईंधन की बचत करता है। स्टेल्थ विशेषताओं को बनाए रखने में मदद करता है। डीआरडीओ का 'घातक' यूसीएवी भारत का महत्वपूर्ण स्टील्थ ड्रोन कार्यक्रम है। यह बिना पायलट वाला लड़ाकू विमान दुश्मन के इलाके में घुसकर मिशन पूरा कर सकेगा। ऐसे ड्रोन के लिए विश्वसनीय और स्वदेशी इंजन होना बेहद जरूरी है।

कठिन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन

कावेरी ड्राई इंजन को रूस में कठोर परिस्थितियों में परखा गया। हाई-एल्टीट्यूड ट्रायल्स में इंजन ने ऊंचाई वाले इलाकों में अपना प्रदर्शन साबित किया। फ्लाइट ट्रायल्स में भी यह स्थिर और प्रभावी रहा। लक्ष्य से ज्यादा थ्रस्ट हासिल करना दर्शाता है कि इंजन की डिजाइन और इंजीनियरिंग मजबूत है।

फाइटर जेट को तेज उड़ान की मिलेगी ताकत

जीटीआरई ने इसे पूरी तरह से नया कोर डिजाइन करके फिर से बनाया है। नया कावेरी 2.0 बिना आफ्टरबर्नर के 55 से 60 किलोन्यूटन ड्राई थ्रस्ट और आफ्टरबर्नर के साथ 90 से 100 किलोन्यूटन वेट थ्रस्ट देने का लक्ष्य रखता है। यानी इससे फाइटर जेट को तेज उड़ान की ताकत मिलेगी। यह क्षमता मौजूदा अमेरिका के जीई एफ404 इंजनों के बराबर या उससे बेहतर है, जो वर्तमान में तेजस एमके1ए को ताकत दे रहे हैं। कावेरी 2.0 को मिड-लाइफ अपग्रेड के रूप में 2030 के दशक में तेजस बेड़े में फिट करने की योजना है। जब मौजूदा इंजन अपने उत्पादन में पहुंचेंगे, तब स्वदेशी इंजन लगाने से विदेशी निर्भरता कम होगी और आपूर्ति संबंधी जोखिम समाप्त होंगे।

5वीं पीढ़ी की लड़ाकू विमान परियोजना से एचएएल बाहर

देश में पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने के एडवांस मिडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोजेक्ट से एचएएल बाहर हो गई है। यह पहला मौका होगा जब किसी स्वदेशी लड़ाकू विमान प्रोजेक्ट में एचएएल शामिल नहीं होगी। एचएएल तेजस-एमके2 लड़ाकू विमान विकसित कर रही है, जिसे देसी राफेल कहा जाता है। रक्षा सचिव आरके सिंह ने बताया कि कुछ जरूरी तकनीकी शर्तें पूरी नहीं कर पाने के कारण एचएएल को बाहर किया गया है। एचएएल के बाहर होने के बाद अब एएमसीए के प्रोटोटाइप बनाने की दौड़ में तीन दावेदार बचे हैं। टाटा एडवांस्ड सिस्टम, एलएंडटी-बेल-डायनामैटिक कंसोर्टियम और भारत फोर्ज-बीईएमएल-टाटा पैटर्न्स का कंसोर्टियम। इस तरह पहली बार लड़ाकू विमानों के प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र की कंपनियों पर होगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109